हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | बिलासपुर, मंगलवार 25 अगस्त 2026

जीपी सिंह महानिदेशक प्रशिक्षण एवं महानिदेशक, राज्य पुलिस अकादमी पदस्थ

31 आईपीएस का कामकाज बदला, पवनदेव को नगर सेना, जीपी को ट्रेनिंग, कल्लूरी को हाउसिंग का जिम्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

राज्य शासन ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) 31 अधिकारियों की नवीन पदस्थापना के आदेश जारी किए हैं। फेरबदल में पुलिस मुख्यालय से लेकर प्रशिक्षण, कानून-व्यवस्था, यातायात, तकनीकी सेवाएं, नक्सल ऑपरेशन, गुप्तवार्ता और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स से जुड़े महत्वपूर्ण पदों में बदलाव किया गया है। जारी आदेश में आईपीएस अधिकारी पवन देव को छत्तीसगढ़ पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध संचालक पद से हटाकर महानिदेशक, नगरसेना एवं नागरिक सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं बनाया गया है। वहीं गुरजिन्दर पाल सिंह को महानिदेशक, प्रशिक्षण एवं महानिदेशक, ▶▶|शेष पेज 6 पर

प्रदीप गुप्ता को अभियोजन

प्रदीप गुप्ता को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (प्रशासन एवं चयन), पुलिस मुख्यालय की जिम्मेदारी के साथ संचालक अभियोजन का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। विवेकानंद को वर्तमान कार्य के साथ अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, वित्त, योजना एवं प्रबंध की जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह दीपांशु विजय काबरा को वर्तमान कार्य के साथ अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, रेल एवं यातायात का अतिरिक्त प्रभार मिला है। अमित कुमार को वर्तमान कार्य के साथ अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स बनाया गया है। डॉ. आनंद छाबड़ा को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, तकनीकी सेवाएं, डायल-112 एवं दूरसंचार की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पवन देव

एसआरपी कल्लूरी

जीपी सिंह

डीआईजी स्तर पर भी महत्वपूर्ण फेरबदल

पारूल माथुर को उप पुलिस महानिरीक्षक, एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स बनाया गया है। मनीष शर्मा को डीआईजी प्रशासन एवं चयन की जिम्मेदारी मिली है। अभिषेक मीणा को डीआईजी, छसबल, बस्तर बनाया गया है, जबकि सदानंद कुमार को डीआईजी, छसबल की जिम्मेदारी सौंपी गई है। गिरिजा शंकर जायसवाल को तकनीकी सेवाएं, एमएल कोटवानी को डीआईजी, गुप्तवार्ता बनाया गया है। अजातशत्रु बहादुर सिंह को डीआईजी, नगरसेना, राज्य आपदा प्रबंधन बल एवं अग्निशमन सेवाओं की जिम्मेदारी दी गई है। प्रशांत ठाकुर को अपराध एवं अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क एवं प्रणाली, विवेक शुक्ला को डीआईजी, सुरक्षा बनाया गया है और राजेश कुकरेजा को डीआईजी, वित्त, योजना एवं प्रबंध का दायित्व सौंपा गया है। श्वेता राजमणी को डीआईजी, दूरसंचार एवं डायल-112 बनाया गया है।

एआईजी स्तर पर भी पोस्टिंग

वहीं मोहित गर्ग को सहायक पुलिस महानिरीक्षक, प्रशासन एवं चयन की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा रवि कुमार कुर्रे सहायक पुलिस महानिरीक्षक सीआईडी, यदुवली अक्षय कुमार को सहायक पुलिस महानिरीक्षक सीसीटीएन एवं अतिरिक्त प्रभार संयुक्त परिवहन आयुक्त सहित अन्य अधिकारियों के दायित्वों में भी बदलाव किया गया है। चिराग जैन सेनानी 18वीं बटालियन मनेंद्रगढ़ चिरमिरी और अंजली विश्वकर्मा को सहायक पुलिस महानिरीक्षक यातायात पीएचक्यू रायपुर के पद पर पर पदस्थापना की गई है।

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹123021/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹150250/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹164012/-
Live Rate आनंद ज्वेल्स के मोबाइल ऐप पर चेक करें।
aNaND Jewels
Pandri, Raipur
*Conditions apply

खबर संक्षेप

विमान से पक्षी टकराया टला बड़ा हादसा

पटना। बिहार की राजधानी पटना के जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार सुबह दिल्ली से आए एयर इंडिया के एक विमान के उतरते समय, उससे एक पक्षी टकरा गया। घटना के बाद हवाई पट्टी का निरीक्षण कराया गया और सभी 164 यात्री सुरक्षित हैं। दिल्ली-पटना उड़ान एआई-1741 पटना के जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुबह 7:44 बजे उतरने वाली थी।

ईडी ने यूपी, हरियाणा में कई स्थानों पर मारे छापे

लखनऊ। प्रवर्तन निदेशालय ने जीएसटी धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में सोमवार को उत्तर प्रदेश और हरियाणा में कई स्थानों पर छापे मारे। फर्जी 'इनपुट टैक्स क्रेडिट' का गलत तरीके से लाभ उठाने से जुड़े मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर और गाजियाबाद में नौ परिसरों के अलावा हरियाणा के फरीदाबाद में भी तलाश अभियान चलाया गया।

बर्फ फैक्टरी से अमोनिया गैस रिसाव, 25 बीमार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में एक बर्फ फैक्टरी से कथित तौर पर अमोनिया गैस के रिसाव के बाद महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 25 लोग बीमार पड़ गए। घटना रविवार रात करीब साढ़े नौ बजे बशीरहाट के शापुकुर इलाके में हुई। प्रभावित लोगों ने सांस लेने में दिक्कत और स्वास्थ्य संबंधी अन्य समस्याओं की शिकायत की है तथा उनका हरोआ ग्रामीण अस्पताल में इलाज जारी है।

ट्रांसफार्मर चोरी करने पहुंचे चोर की करंट से मौत

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में ट्रांसफार्मर चोरी करने पहुंचे चोरों में से एक की करंट लगने से मौत हो गई। घटना के बाद उसके साथी शव को मौके पर छोड़कर फरार हो गए। पुयह घटना रविवार रात थाना मगोर्रा क्षेत्र के लोरिहा पट्टी गांव में हुई। कुछ चोर ट्रांसफार्मर चोरी करने पहुंचे थे। इसी दौरान उनमें से एक ने ट्रांसफार्मर का बिजली लाइन से कनेक्शन काटने का प्रयास किया, तभी उसे करंट लग गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

सरकार पर वादे से मुकरने का लगाया आरोप, कॉजपा की समीक्षा बैठक में निर्णय, बनी आगे की रणनीति

'कॉकरोच' फिर सक्रिय, जंतर-मंतर के बाद इंडिया गेट पर होगा प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी ने दिल्ली में पांच सितंबर को विरोध मार्च निकालने का सोमवार को ऐलान किया। कॉजपा ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि उसने 25 जुलाई को किए गए उन वादों को पूरा नहीं किया जिनके आधार पर उसने परीक्षा में गड़बड़ियों के खिलाफ 36 दिन का अपना आंदोलन वापस लिया था।

कॉजपा ने कहा कि शिक्षक दिवस के मौके पर निकाला जाने वाला यह मार्च इंडिया गेट से शुरू होकर दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक जाएगा। कॉजपा ने कहा कि मार्च का नेतृत्व उन छात्रों के परिजन करेंगे, जिन्होंने नीट परीक्षा रद्द होने और उसके बाद दोबारा परीक्षा कराए जाने के बाद आत्महत्या कर ली थी। इसके अलावा जुलाई में हुए आंदोलन के दौरान कथित तौर पर पुलिस की ज्यादती का सामना करने वाले छात्रों के परिजन भी मार्च में शामिल होंगे। यह फैसला सोमवार को कॉजपा की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक में लिया गया। केंद्र के साथ बातचीत के बाद संगठन द्वारा अपना आंदोलन समाप्त किए जाने के करीब एक महीने बाद यह निर्णय लिया गया है। कॉजपा ने कहा, हमारे धैर्य को हमारी कमजोरी नहीं समझा जा सकता। हमारी सद्भावना को सरकार के लिए इस देश के युवाओं के साथ विश्वासघात करने का अवसर नहीं बनने दिया जा सकता।

किसलिए फिर प्रदर्शन

खास तौर पर, कॉजपा का आरोप है कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी वापस लेने और उन्हें किसी भी दंडात्मक कार्रवाई से राहत देने के वादे पर अमल नहीं किया गया। कॉजपा ने आरोप लगाया कि सरकार ने कार्रवाई में देरी की, तकनीकी पेचीदगियों का बहाना बनाया और स्पष्ट आश्वासन देने से बचती रही। संगठन ने कहा कि केंद्र की ओर से दिया जाने वाला लिखित आश्वासन भी अब तक लंबित है। कॉजपा ने कहा, कोई सरकार पूरी पीढ़ी के भरोसे का इस्तेमाल युवाओं को घर भेजने के लिए करके फिर चुपचाप अपने ही वादे से पीछे नहीं हट सकती। हम इस विश्वासघात को स्वीकार नहीं करेंगे।

देशभर के छात्रों, युवा संगठनों से अपील

संगठन ने देशभर के छात्रों, युवा संगठनों और युवाओं से पांच सितंबर के मार्च में शामिल होने की अपील करते हुए जोर दिया कि यह प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहेगा। कॉजपा ने कहा, जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खोया है, वे सबसे आगे चलेंगे। पुलिस की ज्यादती के शिकार लोग उनके साथ चलेंगे। उनके पीछे वह पूरी पीढ़ी चलेगी, जो अपनी सरकार से केवल एक चीज की मांग कर रही है—अपना वादा निभाइए।

राज्य सरकारों को लिखी चिट्ठी

सरकारी स्कूलों की स्थिति को अपने अभियान का मुख्य मुद्दा बनाने वाली कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) ने सोमवार को सभी राज्य सरकारों को पत्र लिखकर पिछले पांच वर्षों में स्कूलों की बुनियादी सुविधाओं, शिक्षकों के खाली पदों और विद्यालयों के लिए दी गई राशि से जुड़ी जानकारी मांगी। शिक्षा मंत्रियों को भेजे गए एक जैसे पत्रों में कॉजपा के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा कि सोशल मीडिया पर सामने आ रही सरकारी स्कूलों की तस्वीरों से पता चलता है कि कई बच्चों को अब भी सुरक्षित पेयजल, इस्तेमाल करने लायक शौचालय, उचित कक्षाएं और यहां तक कि बैठने के लिए बेंच जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल रहीं। दीपके ने लिखा, भारत को आजाद हुए 80 साल हो गए हैं। इस देश में किसी भी बच्चे को ऐसी परिस्थितियों में पढ़ने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। उनके साथ जानवरों से भी बदतर व्यवहार किया जा रहा है। ये पत्र सरकारी स्कूलों की स्थिति को लेकर कॉजपा के अभियान के तहत नया कदम हैं।

सरगना समेत पांच दबोचे गए

तिरपाल के नीचे से निकला दो करोड़ रुपए का गांजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| देवभोग/ मैनपुर

'ऑपरेशन निश्चय' में देवभोग पुलिस ने सरहद पर घेराबंदी कर ओडिशा से आ रही 400 किलोग्राम गांजे की विशाल खेप को पकड़ लिया है। जब्त गांजे की कीमत लगभग 2 करोड़ रुपए आंकी गई है। ओडिशा के मुख्य सप्लायर समेत 5 अंतर्राज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है। 24 अगस्त की रात को पुलिस नेशनल हाईवे 130 सी स्थित ग्राम खुटगांव चेकपोस्ट पर चेकिंग कर रही थी। तभी ओडिशा की ओर से आ रहे एक संदेहास्पद नारंगी रंग के आयशर मेटाडोर वाहन एमएच 06 बीडब्ल्यू 4144 को रोका गया। जवानों ▶▶|शेष पेज 6 पर

गिरफ्तार आरोपी

पुलिस ने मामले में विनोद दिसारी निवासी ओडिशा मुख्य सप्लायर, संतोष अनंता मोहिते निवासी रायगढ़ महाराष्ट्र कैरियर, सुमित सुभाष थोड़वे निवासी पुणे महाराष्ट्र (कैरियर), पंकज अनंता मोहिते निवासी रायगढ़ महाराष्ट्र पायलटिंग/रेकी, जलंधर खम्हारी निवासी कालाहांडी ओडिशा पायलटिंग/रेकी करने वाले को गिरफ्तार किया है।

तस्करों के लिए कोई जगह नहीं

गरियाबंद जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ 'ऑपरेशन निश्चय' के तहत कार्रवाई कर गांजा बरामद किया गया है। ओडिशा सीमा से होने वाली हर अवैध गतिविधियों को रोका और पकड़ा जाएगा।

भारी बारिश से बस्तर समेत 3 जिले संकट से उबरे, सरगुजा, बेमेतरा कांकेर, जशपुर की टेंशन बाकी

सक्रिय रहा मानसून, पिछले चौबीस घंटे में 31 स्टेशनों में भारी से अतिभारी वर्षा दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अगस्त के महीने में सक्रिय हुए मानसून के चौथे सिस्टम ने पिछले चौबीस घंटे में भारी बारिश कराकर बस्तर, कोंडागांव और सुकमा को अल्पवर्षा के संकट से उबार लिया है। तीनों जिलों के कई स्टेशनों में अतिभारी वर्षा होने के बाद स्थिति सामान्य की श्रेणी में आ गई है। अब कम पानी बरसने के मामले में सरगुजा, बेमेतरा, कांकेर और जशपुर जिले की टेंशन बाकी है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से तीव्रता में थोड़ी कमी आएगी, मगर पानी गिरने का दौर फिलहाल रुकने की संभावना काफी कम है। पिछले चौबीस घंटे ▶▶|शेष पेज 6 पर

यहां इतनी बारिश

- छोटेडोंगर 18, अंतागढ़ 16, बास्तानार 16, माकड़ी-बड़े बचेली, दौरा कोचली, नारायणपुर में 13-13 सेमी. बारिश हुई।
- रायपुर शहर, कोहकामेटा में 12-12, जगरगुंडा 11, ओरछा, दरभा, गंगालूर, भैरमगढ़, बीजापुर में 10-10 सेमी. वर्षा दर्ज की गई।
- बारसूर, बिल्हा, सुकमा, छुरा, दोरनापाल, कुसमी में 9-9, कुटुरु, लभांडी, लोहडीगुड़ा में 8-8 तथा बिहारपुर, रायगढ़, मालखरौदा, शंकरगढ़, पामगढ़ सहित अनेक इलाकों में 6-6 सेमी. बारिश हुई।

रिमझिम बारिश का दौर चलता रहा

राजधानी रायपुर में सुबह आसमान साफ होने से लोगों ने थोड़ी राहत महसूस की, इस दौरान हल्की धूप भी निकल आई। लोगों को बारिश थमने का अहसास हुआ, मगर दोपहर 1 बजते ही बादलों ने शहर के ऊपर फिर डेरा जमा लिया और दोपहर 2 बजते तक बारिश का दौर शुरू हो गया। बादल काले थे, मगर पानी रिमझिम और लगातार बरसता रहा। पानी से बचाव के लिए लोगों को दिनभर रेनकोट का सहारा लेना पड़ा। सुबह धूप निकलने के दौरान तापमान 29 डिग्री के पार हो चुका था, इसके बाद बादल छाते ही तापमान में गिरावट आ गई।

फुंडहर गोठान की 100 गायें 3 जगह भेजीं, रखने के लिए जगह नहीं मिली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

फुंडहर गोठान में क्षमता से अधिक रखे गए 100 गोवंश को दूसरी जगह शिफ्ट करने की व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। रविवार की सुबह फुंडहर गोठान के 100 गायों को 6 गाड़ियों में भरकर धनेली ले जाया गया, वहां के संचालक ने इन गायों को रखने से हाथ खड़े कर दिए, तब इन गायों को दूसरी जगह भेजा गया, लेकिन वहां भी उन्हें रखने की जगह नहीं मिली। सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक भूखी-प्यासी गायें बारिश में ही गाड़ियों के अंदर ही बंद रहीं। नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने गायों की शिफ्टिंग व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं।

सुबह से 6 गाड़ियों में ले गए धनेली गोठान

नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी के मुताबिक, रविवार की सुबह फुंडहर गोठान से 6 गाड़ियों में करीब 80 से 100 गायों को शिफ्ट करने की तैयारी की गई। पहले इन्हें धनेली स्थित सद्गुरु मानव ▶▶|शेष पेज 6 पर

बंद गाड़ियों में शाम को भूखी-प्यासी वापस लौटीं

गोवंश को शिफ्ट करने की व्यवस्था पर नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने उठाए सवाल

जल्द करेंगे गोवंश को सुरक्षित रखने की व्यवस्था

फुंडहर के गोठान में रखे गए 100 गोवंश को धनेली और जरवाय गाड़ियों में भरकर शिफ्टिंग के लिए ले जाया गया। धनेली के संचालक से निगम आयुक्त की बात हुई थी, वे अपने यहां इन गायों को रखने के लिए सहमत थे, पर सोमवार की सुबह जब गोवंश लेकर गाड़ी वहां पहुंची तो उन्होंने ऐन मौके पर मना कर दिया। इसके बाद जरवाय लेकर गए, पर वहां बात नहीं बनी। इन गोवंश को सुरक्षित रखने की व्यवस्था जल्द की जाएगी।

- मीनल चौबे, महापौर, ननि रायपुर

पीपीपी मॉडल पर सौंपे जाएंगे 5 बड़े और 6 छोटे हवाई अड्डे

रायपुर समेत देश के 11 एयरपोर्ट का होगा निजीकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अलग खबर

सरकार वाराणसी एवं तिरुपति समेत 11 हवाई अड्डों को सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत निजी कंपनियों को सौंपने की योजना बना रही है। इन हवाईअड्डों को पांच समूहों में 50 साल के लिए पट्टे पर दिया जाएगा। एक आधिकारिक दस्तावेज के मुताबिक, नागर विमानन मंत्रालय ने देश के 11 हवाई अड्डों के लिए ▶▶|शेष पेज 6पर

मौजूदा कर्मचारियों का क्या होगा?

मंत्रालय ने हवाईअड्डों को निजी कंपनियों को सौंपे जाने के बाद एएआई के मौजूदा कर्मचारियों को शामिल करते हुए एक साल की संयुक्त प्रबंधन अवधि का प्रस्ताव रखा है। इसके बाद परिचालक कंपनी को तीन साल तक भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के 60 प्रतिशत कर्मचारियों को बनाए रखना होगा। दस्तावेज के मुताबिक, पिछले अनुभवों से पता चलता है

एयरपोर्ट पांच ग्रुप

- अमृतसर और कांगड़ा-गग्गल
- वाराणसी, गया और कुशीनगर
- भुवनेश्वर और हुबली
- रायपुर और औरंगाबाद
- तिरुचिरापल्ली और तिरुपति

ऐसे किया गया एयरपोर्ट का चयन

दस्तावेज कहता है कि मौजूदा दौर के लिए 11 हवाई अड्डों का चयन एएआई ने चरणबद्ध और आंकड़ा आधारित प्रक्रिया के जरिए किया। पहले 12 बड़े हवाई अड्डों का आकलन यात्री यातायात, भूमि उपलब्धता, वाणिज्यिक क्षमता और वित्तीय प्रदर्शन समेत विभिन्न मानकों पर किया गया। इसके बाद 136 छोटे हवाई अड्डों का बड़े हवाई अड्डों के साथ समूह बनाने की संभावना के आधार पर मूल्यांकन किया गया।

एक ही इलाका, एक रात और दो हत्याएं, गुंडागर्दी से दहशत में लोग

■ गर्ल फ्रेंड विवाद में दो युवकों ने एक-दूसरे पर किया चाकू से हमला, एक की मौत, दूसरा घायल

■ होली के समय विवाद का बदला लेने बदमाशों ने युवक पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर मौत के घाट उतारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

डीडीनगर थाना क्षेत्र के महादेवघाट रोड तथा चंगोराभाठा में एक ही रात दो-दो हत्याओं से सनसनी फैल गई। हत्या की वारदात गर्लफ्रेंड तथा आपसी रंजिश के कारण की गई। एक हत्या की घटना में आरोपी गंभीर रूप से घायल है, जिसका एम्स अस्पताल में उपचार चल रहा है। दूसरी हत्या की घटना में पुलिस ने चार नाबालिगों समेत आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

रायपुरा चौक पर आधी रात के करीब टिकेंद्र देवांगन और कैलाश निषाद के बीच हुई चाकूबाजी की घटना में टिकेंद्र की मौत हो गई, वहीं कैलाश घायल है। दोनों ने चाकू छीनकर एक-दूसरे पर हमला किया। बताया जा रहा है, टिकेंद्र ने कैलाश पर पहले जानलेवा हमला किया था। उसके बाद कैलाश ने उसी चाकू से टिकेंद्र पर हमला कर उसकी हत्या कर दी। चाकू के हमले से टिकेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई।

ये था विवाद का कारण

पुलिस के मुताबिक, टिकेंद्र ने अपनी गर्लफ्रेंड को कैलाश के साथ देख लिया। इस बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। इसके बाद कैलाश युवती को छोड़कर वापस लौट रहा था। इस दौरान दोनों का एक बार फिर आमना-सामना हुआ। तब दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया और इसी बीच टिकेंद्र ने चाकू निकालकर कैलाश पर हमला कर दिया। कैलाश ने टिकेंद्र से चाकू छीनकर उसी पर हमला कर दिया। चाकू के हमले से टिकेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई।

होली में विवाद सुलझाने वाले को उतारा मौत के घाट

पांच माह पुराने, होली के समय हुए विवाद पर युवक की हत्या के आरोप में पुलिस ने चार नाबालिगों समेत आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। श्रीरामनगर निवासी भोलाराम विश्वकर्मा की हत्या के आरोप में पुलिस ने आशीष यादव उर्फ देव, पीतांबर निषाद, रवि ध्रुव उर्फ घनश्याम, सागर यादव तथा चार अन्य नाबालिगों को गिरफ्तार किया है। बदमाशों ने भोला को घेरकर उसके पेट तथा छाती पर चाकू से आधा दर्जन से ज्यादा वार कर मौत के घाट उतार दिया था।

होली में किया था बीचबचाव

भोला के दोस्तों के अनुसार होली के समय आशीष तथा उसके साथी मोहल्ले में आकर झगड़ा कर रहे थे। इस दौरान भोला ने मौके पर पहुंचकर बीचबचाव कर विवाद सुलझाया था। घटना के बाद भोला तथा उसके अन्य साथी पुराना विवाद भूल गए। बताया जा रहा है, घटना दिनांक को आशीष तथा उसके साथी शराब के नशे में भोला को ढूंढते हुए पहुंचे। मोहल्ले में अन्य दो-तीन लड़कों के साथ बैठे भोला को आशीष तथा उसके साथी अलग से ले गए और उसके साथ विवाद कर उस पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर मौत के घाट उतार दिए। उपचार के लिए अस्पताल ले जाने के दौरान भोला की रास्ते में मौत हुई।

मां को दोपहर तक नहीं दी गई बेटे की मौत की जानकारी

भोला अपनी मां, बड़े भाई और भाभी के साथ रहता था। वह पेंटिंग करता था तथा उसका भाई रोजी-मजदूरी कर परिवार चलाता है। भोला अविवाहित है। देर रात चाकूबाजी की घटना में भोला की मौत की जानकारी केवल उसके बड़े भाई की दी गई थी। मां को दोपहर तय यही बताया जा रहा था कि उसका बेटा चाकूबाजी की घटना में गंभीर रूप से घायल है। घर के आसपास लोगों की भीड़ देखकर मां को अपने बेटे की मौत होने की आशंका हुई। इसके बाद लोगों ने उसे उसकी बेटे की मौत होने की जानकारी दी।

सिंगल यूज प्लास्टिक पर हाईकोर्ट करेगा मानिटरिंग, चीफ सेक्रेटरी से मांगा नया शपथपत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

छत्तीसगढ़ में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक और पॉलिथीन के इस्तेमाल पर हाईकोर्ट निगरानी रखेगा। मुख्य सचिव ने कोर्ट में शपथ पत्र पेश कर बताया कि मई और जून 2026 के दौरान पूरे प्रदेश में व्यापक स्वच्छता, जागरूकता और प्लास्टिक जब्ती अभियान चलाए गए। बिलासपुर में 386 किलो प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त किया गया, जबकि रायपुर में 7.26 लाख रुपए का जुर्माना वसूला गया। हाईकोर्ट ने इन प्रयासों को संतोषजनक बताया, लेकिन स्पष्ट किया कि मामले की मॉनिटरिंग जारी रहेगी। कोर्ट ने मुख्य सचिव से नए सिरे से शपथ पत्र मांगा है।

दरअसल रायपुर निवासी नितिन सिंघवी ने इस मामले में हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की है। याचिका में बताया गया कि राज्य सरकार ने प्लास्टिक कैरी बैग, डिस्पोजेबल कप, प्लेट, गिलास, चम्मच, स्ट्रॉ, थर्माकोल की सजावटी सामग्री, 200 मिलीलीटर से कम क्षमता वाली पीईटी बोतलों और विज्ञापन में इस्तेमाल होने वाले फ्लेक्स-बैनर पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया है। हालांकि, दवाइयों की पैकेजिंग और 50 माइक्रोन से अधिक मोटाई वाले दूध के पैकेट जैसी आवश्यक वस्तुओं को नियमों के तहत छूट दी गई है।

बिलासपुर में 386 किलो प्रतिबंधित प्लास्टिक और रायपुर में 7.26 लाख रुपए का जुर्माना

पर्यावरण संरक्षण मंडल पर उदासीनता का आरोप

याचिका में कहा गया कि नियमों के प्रभावी पालन के लिए आवास और पर्यावरण विभाग ने नवंबर 2025 में छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल को उच्च स्तरीय समिति का प्रारूप तैयार करने का निर्देश दिया था, लेकिन मंडल ने अब तक शासन को कोई ठोस प्रस्ताव नहीं भेजा। मुख्य सचिव ने शपथ पत्र में बताया कि पर्यावरण नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ लगातार जुर्माना और कानूनी कार्रवाई की जा रही है। रायपुर में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के निर्माता और उपयोगकर्ताओं पर 7,26,500 रुपए का जुर्माना लगाया गया है। एक प्लास्टिक उत्पादक के खिलाफ आपराधिक मामला भी दर्ज किया गया है। वहीं, बिलासपुर, बोदरी और तखतपुर में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान 386 किलो प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त किया गया और 93,100 रुपए का जुर्माना वसूला गया।

नदियों के घाट और बाजारों में अभियान

मुख्य सचिव के मुताबिक हाईकोर्ट के 13 मई 2026 के निर्देश के बाद राज्यभर में सार्वजनिक स्थानों, बाजारों और जलाशयों को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए अभियान चलाया गया। बिलासपुर में अरपा नदी के घाट, मंगल भवन, रविदास चौक, जतिया तालाब, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और बुधवारी बाजार सहित कई स्थानों पर सफाई अभियान चलाया गया। नगर निगम, जिला पंचायत और छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के संयुक्त अभियान में करीब 9,016 लोगों ने श्रमदान किया। रिवर व्यू रोड, नूतन चौक, गोल बाजार और हैप्पी स्ट्रीट में नुक्कड़ नाटक और जागरूकता रैलियां आयोजित की गईं, जिनमें 8,836 लोगों ने भाग लिया। लोगों को कचरे के पृथक्करण के लिए चार रंगों वाले डस्टबिन भी बांटे किए गए।

पार्षद की बर्खास्तगी पर मुहर,फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर चुनाव लड़ने का था आरोप

भिलाई नगर निगम के वार्ड क्रमांक 35 शारदा पारा से निर्वाचित पार्षद मोहम्मद सलमान की बर्खास्तगी पर हाईकोर्ट ने मुहर लगा दी है। फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर चुनाव लड़ने के आरोपों में हाईकोर्ट ने रिट अपील खारिज कर दी है। कोर्ट ने माना कि दुर्ग संभागायुक्त ने पार्षद की अयोग्यता के संबंध में अपने अधिकार क्षेत्र के भीतर कार्रवाई की थी। सिंगल बेंच के फैसले में भी कोई ऐसी त्रुटि नहीं मिली, जिसके आधार पर हस्तक्षेप किया जा सके। याचिका के मुताबिक वर्ष 2021 में भिलाई नगर निगम के वार्ड क्रमांक 35 शारदा पारा अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित था। मोहम्मद सलमान ने खुद को कुंजड़ा समुदाय का बताते हुए चुनाव लड़ा और पार्षद निर्वाचित हुए। 23 दिसंबर 2021 को निर्वाचन प्रमाण पत्र जारी किया गया था। चुनाव जीतने के बाद उनकी जाति और सामाजिक पारिस्थितिकी प्रमाण पत्र को लेकर शिकायतें सामने आई। मामले की जांच अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), दुर्ग से कराई गई। जांच में जाति प्रमाण पत्र को लेकर गंभीर विसंगतियां पाई गई। जिस राजस्व प्रकरण क्रमांक का हवाला दिया गया था, वह नोमिता देशमुख से संबंधित पाया गया। जांच में सलमान के नाम पर उक्त आधार पर वैध प्रमाण पत्र जारी होने का रिकॉर्ड नहीं मिला।

सिंगल बेंच से पहले ही खारिज- जांच के बाद दुर्ग संभाग के कमिश्नर ने 6 मई 2024 को मोहम्मद सलमान को पार्षद पद से हटाने का आदेश जारी किया। इसके खिलाफ की गई अपील भी 4 सितंबर 2024 को खारिज हो गई। इसके बाद सलमान ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। सिंगल बेंच ने 3 अगस्त 2026 को उनकी याचिका खारिज करते हुए संभागायुक्त द्वारा जारी बर्खास्तगी के आदेश को बरकरार रखा। इस फैसले को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट के डिवीजन बेंच के समक्ष रिट अपील दायर की थी। डिवीजन बेंच ने माना कि सिंगल बेंच ने उपलब्ध रिकॉर्ड और जांच रिपोर्ट के आधार पर ही फैसला सुनाया है। फैसले में ऐसी कोई कानूनी या तथ्यात्मक त्रुटि नहीं है, जिसके कारण डिवीजन बेंच को हस्तक्षेप करना पड़े। इस टिप्पणी के साथ डिवीजन बेंच ने याचिका को खारिज कर दिया है।

पुलिस थानों के सीसीटीवी फुटेज 18 महीने तक सुरक्षित रखना जरूरी

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और पुलिस अधिकारियों को सीसीटीवी व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग करने के साथ ही थानों में पर्याप्त स्टोरेज और पावर बैकअप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रशासनिक या तकनीकी लापरवाही के कारण इलेक्ट्रॉनिक सबूत नष्ट नहीं होना चाहिए। अगर ऐसा होता है तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय कर कार्रवाई की जाए। हाईकोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुसार कम से कम 18 महीने तक फुटेज सुरक्षित रखना जरूरी है।

■ प्रशासनिक या तकनीकी लापरवाही के कारण इलेक्ट्रॉनिक सबूत नष्ट नहीं होना चाहिए

दरअसल, जीपीएम के गौरेला थाने में दर्ज एनडीपीएस मामले के आरोपी बनवारी लाल गुप्ता समेत चार आरोपियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। आरोपियों का दावा था कि कथित घटना से एक दिन पहले ही पुलिस ने उन्हें थाने में बैठा लिया था। अपने दावे की पुष्टि के लिए उन्होंने 13 से 15 सितंबर 2024 के बीच की थाने की सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल सीडीआर और टावर लोकेशन उपलब्ध कराने की मांग की थी।

पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो

ट्रायल कोर्ट में पुलिस ने बताया कि 18 महीने की स्टोरेज अवधि पूरी होने के कारण संबंधित सीसीटीवी फुटेज सिस्टम से ऑटोमेटिक डिलीट हो चुकी है। रिकॉर्ड का अवलोकन करने के बाद हाईकोर्ट ने माना कि जब फुटेज उपलब्ध ही नहीं है, तो उसे पेश करने का आदेश नहीं दिया जा सकता। इसके साथ ही कोर्ट ने आरोपियों की याचिका खारिज कर दी। हाईकोर्ट ने कहा कि पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का उद्देश्य व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। साथ ही इससे नागरिकों के अधिकारों की भी रक्षा होती है।

550 थानों में इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने 102 करोड़

वहीं, राज्य सरकार ने कोर्ट को बताया कि प्रदेश के 550 थानों में सीसीटीवी इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए 102.10 करोड़ रुपए की परियोजना पर काम चल रहा है। जिला स्तरीय निगरानी समितियां हर महीने थानों के सीसीटीवी सिस्टम की जांच करेंगी। साथ ही 18 महीने की रिकॉर्डिंग का बैकअप सुरक्षित रखने की व्यवस्था सुनिश्चित कर इसकी रिपोर्ट देंगी। हाईकोर्ट ने आदेश की कॉपी मुख्य सचिव और डीजीपी को भेजने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने को कहा है।

राजीव को राष्ट्रीय शिक्षक अवार्ड देशभर से 21 का चयन

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल विवि के शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रोफेसर प्रो.राजीव चौधरी को भारत सरकार द्वारा वर्ष 2026 के राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय एवं पत्र सूचना कार्यालय द्वारा जारी आधिकारिक सूची में प्रो. चौधरी का नाम देशभर से चयनित 21 उत्कृष्ट शिक्षकों में शामिल किया गया है। आधिकारिक सूची में उन्हें शारीरिक शिक्षा एवं योग शिक्षा के क्षेत्र में चयनित किया गया है। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान 5 सितंबर 2026 को शिक्षक दिवस के अवसर पर नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में भारत की माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा प्रदान किया जाएगा। प्रो. राजीव चौधरी उच्च शिक्षा, शारीरिक शिक्षा, योग, अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में लंबे समय से उल्लेखनीय अकादमिक एवं सामाजिक योगदान दे रहे हैं। उन्होंने शिक्षण को केवल कक्षा तक सीमित न रखते हुए अनुसंधान, नवाचार, योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता, खेल विकास, विद्यार्थी कल्याण तथा समाजोपयोगी गतिविधियों से जोड़ा है।

■ शिक्षक दिवस पर होंगे सम्मानित, छग से एकमात्र

नवीन शोध व प्रयोग

राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अकादमिक सहभागिता तथा शारीरिक शिक्षा एवं योग के क्षेत्र में नवीन शोध एवं प्रयोग प्रमुख हैं। उनके कार्यों में शिक्षण-अधिगम की प्रभावशीलता, जनसंपर्क एवं विस्तार गतिविधियां, अनुसंधान, नवाचार, प्रायोजित शोध, संकाय विकास एवं परामर्शात्मक शिक्षण जैसे महत्वपूर्ण आयामों का उल्लेखनीय समावेश रहा है। इन कार्यों के आधार पर उनका चयन पुरस्कार के लिए किया गया। गौरतलब है, प्रो.चौधरी रविवि में विभिन्न महत्वपूर्ण प्रशासनिक एवं अकादमिक दायित्वों का निर्वहन भी कर चुके हैं। वे वर्तमान में छात्र कल्याण अधिष्ठाता डीन होने के साथ विधि एवं खेल विभाग के एचओडी भी हैं। इस राष्ट्रीय सम्मान के लिए चयन पर पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति, कुलसचिव, प्रबंधन सहित विद्यार्थियों ने शुभकामनाएं दी हैं। प्रो. चौधरी ने इस उपलब्धि के लिए भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय के प्रति आभार व्यक्त किया है। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 के अंतर्गत उच्च शिक्षण संस्थानों एवं पॉलिटेक्निक संस्थानों से 21 उत्कृष्ट शिक्षकों व संकाय सदस्यों का चयन किया गया है।

सोशल मीडिया पर सीएम, दोनों डिप्टी सीएम के खिलाफ अमर्यादित वीडियो, एफआईआर दर्ज

रायपुर। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा के खिलाफ कथित तौर पर अमर्यादित एवं अभद्र भाषा के प्रयोग का मामला सामने आया है। मामले में राष्ट्रवादी विचारक वीरेंद्र दुबे ने सिविल लाइंस थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के अनुसार, इंस्टाग्राम पर 'सागर निर्मलकर' नामक आईडी से एक आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट किया गया। साथ ही क्वाइल.3131469 नामक आईडी से कथित तौर पर अशोभनीय एवं आपत्तिजनक टिप्पणियां किए जाने का आरोप है। वीरेंद्र दुबे ने अपनी शिकायत में कहा, संवैधानिक पदों पर आसीन जनप्रतिनिधियों के खिलाफ इस तरह की अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल न केवल आपत्तिजनक है, बल्कि इससे सामाजिक सौहार्द्र और कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका भी है। उन्होंने आईटी एक्ट और भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं के तहत कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। सोशल मीडिया पोस्ट और संबंधित अकाउंट की गतिविधियों की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अभद्र भाषा का इस्तेमाल स्वीकार्य नहीं : दुबे

वीरेंद्र दुबे ने कहा, लोकतंत्र में सरकार और जनप्रतिनिधियों की आलोचना का अधिकार सभी को है, लेकिन अभद्र भाषा और गाली-गलौज को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा नहीं माना जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर प्रदेश सरकार और वरिष्ठ नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आदिवासी समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं और उनके खिलाफ इस तरह की भाषा का इस्तेमाल स्वीकार्य नहीं है।

नकल प्रकरण के बाद कृषि विवि ने बदली व्यवस्था

नहीं भेजे जाएंगे प्रश्नपत्र, ईमेल पर 30 मिनट पहले मिलेगी सॉफ्टकॉपी, इसके प्रिंटआउट से ही परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

इंदिरा गांधी कृषि विवि अब संबद्ध महाविद्यालयों को प्रश्नपत्र प्रेषित नहीं करेगा। इसके स्थान पर महाविद्यालयों के प्राचार्य को प्रश्नपत्र ईमेल किए जाएंगे। ये ईमेल भी पासवर्ड प्रोटेक्टेट रहेंगे। अर्थात ईमेल में लॉग-इन करने के बाद उक्त मेल को खोलने के लिए पुनः पासवर्ड की आवश्यकता होगी। ये पासवर्ड विवि द्वारा प्राचार्यों को ही उपलब्ध कराए जाएंगे। ईमेल पर प्राप्त प्रश्नपत्रों के प्रिंटआउट निकालकर छात्रों को वितरित किए जाएंगे। 20 अगस्त को लीक हुए कीट विज्ञान के प्रश्नपत्र पश्चात आगमी सभी परीक्षाओं के लिए यह व्यवस्था लागू कर दी गई है। भविष्य की परीक्षाओं के लिए पृथक रणनीति बनाई जा रही है, ताकि पुनः इस तरह की स्थिति निर्मित ना हो।

■ ईमेल भी होगा पासवर्ड प्रोटेक्टेट, प्राचार्य ही खोल सकेंगे मेल

गौरतलब है कि बीएससी कृषि द्वितीय वर्ष की कीट विज्ञान की परीक्षा 20 अगस्त को आयोजित की गई थी। परीक्षा आयोजित होने के कुछ घंटे पहले ही लीक प्रश्नपत्र सोशल साइट्स में वायरल हो गए थे। जांच में इसके पूर्व आयोजित परीक्षाओं के प्रश्नपत्र भी लीक होने की जानकारी सामने आई। विवि द्वारा इन परीक्षाओं को निरस्त कर दिया गया है।

उच्च तकनीक का इस्तेमाल

पुलिस खुलासे के अनुसार, इस पूरे कांड का मास्टरमाइंड भारती एग्रीकल्चर कॉलेज, दुर्ग में पदस्थ प्रोफेसर योगेश सोनकेसरिया (38 वर्ष) है। आरोपी प्रोफेसर पिछले एक साल से रायपुर कृषि महाविद्यालय से उत्तर पुस्तिकाएं जमा करने और आगामी परीक्षाओं के प्रश्न पत्र ले जाने का काम कर रहा था। 17 अगस्त को आरोपी ने आगामी परीक्षाओं के प्रश्न पत्र प्राप्त किए। इसके बाद वह 20 अगस्त को होने वाली कीटशास्त्र परीक्षा के प्रश्न पत्र का लिफाफा चुपके से अपने घर ले गया। वहां उसने सुई और नुकीले औजार से लिफाफे में छोटा छेद किया और मोबाइल कैमरे से प्रश्न पत्र की वीडियो रिकॉर्डिंग कर ली। आरोपी ने यह लीक कंटेंट अपने ही कॉलेज के छात्र अजय नायक को 11,000 रुपए में बेचा, जिसके बाद यह प्रश्न पत्र अन्य छात्रों और सोशल मीडिया ग्रुप्स में वायरल हो गया। चूंकि पूरी घटना को अंजाम देने उच्च तकनीक का प्रयोग किया गया, इसलिए प्रश्नपत्रों को सुरक्षित रखने भी उच्च तकनीकी विकल्प तलाशे जा रहे हैं।

बिलासपुर
मंगलवार 25 अगस्त 2026
श्रावण शुक्ल पक्ष द्वादशी
वर्ष : 26, अंक: 154
पृष्ठ : 10+6+8 = 24 मूल्य: 5.00***

मौसम
अधि. 29.5
न्यून. 24.7

haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

जंगल में प्लास्टिक बैन, कचरा फैलाया तो 500 से 1000 तक जुर्माना

प्लास्टिक के कारण जंगल खराब होने के साथ इसका अन्य वन्यजीवों पर प्रतिकूल असर पड़ता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

संरक्षित वनक्षेत्र को साफ सुथरा प्रदूषण मुक्त रखने पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ मुख्यालय ने प्लास्टिक कचरा फैलाने वालों के खिलाफ जुर्माने का आदेश जारी किया है। डिप्टी रेंजर से लेकर फॉरेस्ट गार्ड तक को जुर्माना वसूली का अधिकार दिया गया है। आदेशानुसार पहली दफा पकड़े जाने पर पांच सौ रुपए तथा दूसरी दफा पकड़े जाने पर एक हजार रुपए वसूले जाएंगे। विभाग ने यह आदेश 19 अगस्त को जारी किया है। संरक्षित वनक्षेत्र में प्लास्टिक कचरा के प्रभावी नियंत्रण नहीं कर पाने की वजह से विभाग को आदेश जारी करना पड़ा है। वनक्षेत्र में फैलाए प्लास्टिक कचरा में भोजन की तलाश में शाकाहारी वन्यजीव आकर्षित होते हैं। इस कारण वन्यजीवों के प्लास्टिक कचरा के संपर्क में आने से बीमार पड़ने के साथ संक्रमण फैलने का खतरा रहता है। इसके अलावा प्लास्टिक कचरा के कारण जंगल खराब होने के साथ इसका अन्य वन्यजीवों पर प्रतिकूल असर पड़ता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए संरक्षित वनक्षेत्रों में प्लास्टिक कचरा फैलाने वालों के खिलाफ जुर्माना लगाने की कार्रवाई की जाएगी।

जुर्माना लगाने का अधिकारी डिप्टी रेंजर से फॉरेस्ट गार्ड लगा सकेंगे

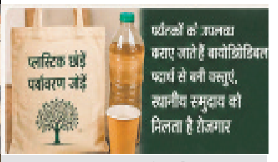

टाइगर रिजर्व, नेशनल पार्क तथा अभयारण्य के लिए आदेश

प्लास्टिक कचरा फैलाने रोकने यह है आदेश

संरक्षित क्षेत्र के प्लास्टिक कचरा से मुक्त रखने नान बायोडिग्रेबल मटेरियल में सिंगल यूज प्लास्टिक के विक्रय, वितरण, परिवहन, संग्रहण पर रोक लगाई गई है। प्लास्टिक कचरा फैलाते पहली दफा पकड़े जाने पर पांच सौ रुपए तथा दूसरी दफा पकड़े जाने पर एक हजार रुपए जुर्माना लगाए जाने आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश के अनुसार संरक्षित वनक्षेत्र में कारोबार करने वाले दुकानदारों द्वारा प्लास्टिक कचरा फैलाए जाने पर उनके खिलाफ 25 हजार रुपए तक जुर्माना लगाने का प्रावधान किया गया है। इसी तरह से विनिर्मितओं पर एक लाख रुपए जुर्माना वसूलने का प्रावधान किया गया है।

पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश में यह है नियम

मध्य प्रदेश के सभी राष्ट्रीय उद्यानों और टाइगर रिजर्वों में सिंगल यूज प्लास्टिक पूरी तरह से प्रतिबंधित है। यहां भी नियमों का उल्लंघन करने पर 500 रुपए से लेकर 5 हजार रुपए तक जुर्माना का प्रविधान किया गया है। पर्यटकों की सुविधा के लिए पार्क प्रबंधन बायोडिग्रेडिबल पदार्थ से बनी पानी की बोतल, कपड़े के बैग पर्यटकों को सशुल्क उपलब्ध कराए जाते हैं, जिससे पर्यटक पार्क में प्लास्टिक बैग न ले जा पाएं। कपड़े के बैग स्व-सहायता समूह के सदस्यों से तैयार करवाए जाते हैं। इस तरह ईको पर्यटन से स्थानीय समुदाय की आजीविका के साधन उपलब्ध होते हैं।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

तस्कर से 1.08 करोड़ की स्मैक बरामद

मुजफ्फरनगर। शामली पुलिस ने थानाभवन थाना क्षेत्र में एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 450 ग्राम स्मैक बरामद की है। इसकी कीमत एक करोड़ आठ लाख रुपए से अधिक आंकी गई है। पुलिस ने रविवार रात थानाभवन थाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए फारुख को गिरफ्तार किया।

ट्रक की टक्कर से ई-रिक्शा सवार चार की मौत

पटना। बिहार के सारण जिले में एक अनियंत्रित ट्रक के ई-रिक्शा में टक्कर मार देने से चार लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना रविवार रात भेल्दी थाना क्षेत्र में मुजफ्फरपुर-छपरा मार्ग पर सोनहो टोल प्लाजा के पास हुई। एक ट्रक अनियंत्रित होकर पहले सड़क किनारे बिजली के खंभे से टकराया और फिर उसने एक ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। ई-रिक्शा में सवार पांच लोग चिकित्सक से परामर्श लेकर लौट रहे थे।

क्लोरीन गैस का रिसाव मची अफरा-तफरी

नागपुर। नागपुर में एक जल शोधन संयंत्र में क्लोरीन गैस का रिसाव होने से आसपास के इलाकों में अफरा-तफरी मच गई और कई लोगों को सांस लेने में तकलीफ हुई। गोदहनी गांव स्थित जल शोधन संयंत्र में रविवार देर रात करीब एक बजे 900 किलोग्राम क्षमता वाले क्लोरीन गैस सिलेंडर से रिसाव हुआ, जिसके बाद कई लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

आईईडी बरामदगी मामले में तीन लोग गिरफ्तार

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में एक 'इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस' (आईईडी) की बरामदगी के मामले में पंजाब के रहने वाले तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान तरन तारन के सरहाली गांव निवासी लवप्रीत सिंह (19), तरन तारन के देवबाथ गांव निवासी जशनप्रीत सिंह उर्फ जशनदीप (21) और अमृतसर के तरसिक्का गांव निवासी प्रभप्रीत सिंह उर्फ प्रभ (19) के रूप में हुई है।

अभिनेत्री व मिमिक्री कलाकार आशा का निधन

नई दिल्ली। 'महाभारत', 'बाजीगर' और 'बॉबी जासूस' जैसी फिल्मों एवं धारावाहिकों में अभिनय के लिए जानी जाने वाली वरिष्ठ चरित्र अभिनेत्री आशा सिंह जायसवाल का 83 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। मिमिक्री कलाकार के तौर पर भी पहचान रखने वाली आशा सिंह जायसवाल का 22 अगस्त को मुंबई में निधन हुआ।

देश के कई इलाकों में भारी बारिश से हाहाकार

उत्तरभारत में बाढ़, दिल्ली में भारी बारिश से 20 उड़ानें रद्द, 280 लेट

उत्तरभारत बारिश ने आफत खड़ी कर दी है। उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, ओडिशा, बिहार समेत कई राज्य बाढ़ की चपेट में हैं। छत्तीसगढ़ में भी जनजीवन प्रभावित हुआ है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के कई इलाकों में सोमवार को भारी बारिश हुई। इस बीच, खराब मौसम के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर कम से कम 15 विमानों का रूट डायवर्ट किया गया वहीं 280 से अधिक उड़ानों में देरी हुई। इसके साथ ही 20 से अधिक उड़ानों को रद्द करना पड़ा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

आईएमडी ने दिल्ली में रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए अगले कुछ घंटों में बादलों की गरज और बिजली की चमक के साथ तेज बारिश और 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चलने का पूर्वानुमान जताया है। दिल्ली में तेज बारिश हुई और शहर के कुछ हिस्सों में आंधी आई, बिजली चमकी और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। जिसकी वजह से 12 उड़ानों को जयपुर, दो को चंडीगढ़ और एक उड़ान को लखनऊ भेजा गया। विमानन कंपनी इंडिगो ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में खराब मौसम के कारण उड़ानें प्रभावित हुई हैं और कंपनी स्थिति पर नजर रख रही है। एअर इंडिया ने 'एक्स' पर कहा, खराब मौसम के कारण आज दिल्ली आने-जाने वाली उड़ानों का संचालन प्रभावित हो सकता है। उड़ानों की आवाजाही पर नजर रखने वाली वेबसाइट के आंकड़ों से पता चला है कि हवाई अड्डे पर 280 से अधिक उड़ानों में देरी हुई और 20 से अधिक उड़ानों को रद्द कर दिया गया। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय ▶▶| शेष पेज 6 पर

दिल्ली में आईएमडी ने जारी किया रेड और ऑरेंज अलर्ट

छत्तीसगढ़ समेत इन 25 राज्यों में अलर्ट

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने 25 अगस्त को पूरे 25 राज्यों में मूसलाधार बारिश की चेतावनी जारी की है। इन 25 राज्यों में छत्तीसगढ़, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, पूर्वी मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य महाराष्ट्र, तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह हैं।

रात तक चला अभियान

नाले के तेज बहाव में फंसे चार ग्रामीणों का रेस्क्यू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| देवभोग/मैनपुर

तेल नदी से कटकर बने टिकरापारा नाले में बाढ़ के बीच फंसे चार ग्रामीणों को रविवार- सोमवार की दरमियानी रात देवभोग पुलिस, डायल-112 और एसडीआरएफ की संयुक्त टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर रात करीब दो बजे सकुशल बचा लिया गया। ग्रामीणों ने डायल-112 को सूचना दी थी कि टिकरापारा नाले में चार लोग बाढ़ के पानी के बीच फंस गए हैं। सूचना मिलते ही थाना देवभोग पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। साथ एसडीआरएफ गरियाबंद की टीम को तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। तेज बहाव और रात के अंधेरे जैसी कठिन परिस्थितियों के बावजूद टीम ने लगातार प्रयास जारी रखा। आखिरकार रात करीब दो बजे चारों ग्रामीणों को सुरक्षित बाहर निकालने में सफलता हासिल की।

म्यूल अकाउंट के जरिए देशभर में 113 करोड़ की ठगी, एक आरोपी गिरफ्तार

एजुकेशन संस्थान के नाम पर चल रहा था खाता, साइबर ठगों के नेटवर्क से जुड़ा है मामला

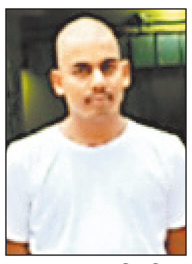

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

सूरजपुर जिले में पुलिस ने म्युल अकाउंट के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने इस मामले में म्युल अकाउंट उपलब्ध कराने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है जिनके द्वारा एजुकेशन वेलफेयर के नाम पर संचालित आकाउंट को ठगों को उपलब्ध कराया गया और उस खाते में ठगों द्वारा राशि ट्रांसफर की गई। म्यूल अकाउंट से ठगी का यह नेटवर्क देशभर में जुड़ा हुआ है और इसमें लगभग 150 खातों से लगभग 113 करोड़ रूपए की ठगी की बात सामने आई है। पुलिस म्यूल अकाउंट उपलब्ध कराने वाले अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। बता दें कि देशभर ▶▶| शेष पेज 6 पर

150 खातों से की गई ठगी

पुलिस के अनुसार साइबर ठगों के इस गिरोह ने म्यूल अकाउंट के माध्यम से देशभर में लगभग 150 खातों से 113 करोड़ रूपए की ठगी को अंजाम दिया है। यह ठगी देशभर के 21 राज्यों में हुई है। हालांकि अब तक सरगुजा में इस गिरोह द्वारा ठगी किए जाने की पुष्टि नही हुई है और अगर ठगी हुई भी होगी तो एफआईआर दर्ज नहीं है। आरोपियों ने ठगों को म्यूल अकाउंट उपलब्ध कराए और इस खाते में ठगी की रकम का आदान प्रदान हुआ इसलिए पुलिस ने कार्रवाई करते हुए यह गिरफ्तारी की है। ठगी की रकम उक्त खाते में आई थी और फिर उसे दूसरे खातों में ट्रांसफर किया गया।

एक गिरफ्तार, दूसरे की तलाश

म्यूल अकाउंट को लेकर चल रही कार्रवाई के दौरान हमें अकाउंट से संबंधित जानकारी मिली थी। खाता डीएन चक्रधारी एजुकेशनल वेलफेयर एसोसिएशन नामक संस्था के नाम पर दर्ज है। कुल ठगी 113 करोड़ की है जो देश के अलग अलग राज्यों में 150 खातों से हुई है। प्रारंभिक जांच में उक्त खाते से 45 लाख रूपए आने की पुष्टि हुई है। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है जबकि दूसरे की तलाश चल रही है और मामले की जांच जारी है।

- योगेश पटेल एसपी सूरजपुर

रेलवे का बड़ा फैसला

अब 24 कोच के साथ दौड़ेंगी ट्रेनें, वेटिंग लिस्ट होगी खत्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

ट्रेन का टिकट बुक करते समय लंबी वेटिंग देखकर परेशान होने वाले यात्रियों के लिए रेलवे की नई तैयारी अहम हो सकती है। रेलवे अब उन मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों में यात्रियों के लिए ज्यादा जगह बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जिनमें सीटों की मांग लगातार बनी रहती है। योजना के तहत मौजूदा 22 कोच वाली ट्रेनों में दो और कोच जोड़े जाने हैं। इसका मतलब है कि कई ट्रेनों में यात्रियों को 24 कोच की क्षमता मिल सकती है।

रेलवे की इस पहल का सबसे बड़ा असर टिकट की उपलब्धता पर पड़ने की उम्मीद है, जिन प्रमुख ट्रेनों में भीड़ के समय वेटिंग 100 से 150 तक पहुंच जाती है, वहां दो अतिरिक्त कोच जुड़ने के बाद वेटिंग करीब 20 से 25 तक सिमट सकती है।

गोरखपुर-एलटीटी सुपरफास्ट से परीक्षण

रेलवे बोर्ड के फैसले को जमीन पर उतारने की प्रक्रिया पूर्वोत्तर रेलवे में शुरू हो चुकी है। गोरखपुर से लोकमान्य तिलक टर्मिनस जाने वाली ट्रेन संख्या 20104 एलटीटी सुपरफास्ट में दो अतिरिक्त कोच लगाए गए हैं। यह व्यवस्था फिलहाल परीक्षण के तौर पर की गई है। रेलवे के यांत्रिक विभाग ने आगे की तैयारियों पर काम शुरू कर दिया है। बोर्ड के निर्देश के मुताबिक दो कोच स्थायी तौर पर जोड़े जाने हैं।

सभी ट्रेनों को एक साथ नहीं मिलेगा यह बदलाव

रेलवे की योजना का मतलब यह नहीं है कि हर मेल और एक्सप्रेस ट्रेन में एक साथ कोच बढ़ा दिए जाएंगे। अधिकारियों के मुताबिक पहले उन ट्रेनों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिनमें सामान्य दिनों में भी यात्रियों की संख्या ज्यादा रहती है। त्योहारों के दौरान अचानक बढ़ने वाली भीड़ के साथ-साथ पूरे साल अधिक यात्री दबाव वाली ट्रेनों को इस व्यवस्था में पहले शामिल किए जाने की बात कही गई है।

160 यात्रियों के लिए बढ़ सकती है क्षमता

दो अतिरिक्त कोच लगाने पर जिस श्रेणी की क्षमता बढ़ाई जाएगी, उसमें करीब 160 यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा। इसका फायदा एसी और स्लीपर जैसी उन श्रेणियों में खास तौर पर महत्वपूर्ण हो सकता है, जहां टिकट की मांग अधिक रहती है। एसी थर्ड में सामान्य तौर पर वेटिंग 60 से 70 तक पहुंचती है, जबकि स्लीपर में यह 100 से भी ऊपर चली जाती है। ऐसे में यदि दो एसी थर्ड कोच जोड़े जाते हैं तो इस श्रेणी की वेटिंग लगभग खत्म होने की स्थिति बन सकती है।

1 लाख 45 हजार 841 श्रमिकों के खातों में आए 39.67 करोड़

श्रमिक परिवारों के बच्चों को अच्छी शिक्षा देना सरकार की प्राथमिकता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

श्रमिक हमारे विकास की मजबूत नींव हैं। अपने परिश्रम से वे सड़कें, भवन, पुल और विकास की अनेक संरचनाएं खड़ी करते हैं। ऐसे श्रमिक परिवारों के बच्चों को अच्छी शिक्षा और जीवन में आगे बढ़ने के समान अवसर देना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। श्रमिक परिवारों के बच्चे पढ़-लिखकर आगे बढ़ेंगे, अपने सपनों को पूरा करेंगे, तभी विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत का संकल्प भी साकार होगा। मुख्यमंत्री ▶▶| शेष पेज 6 पर

श्रमिक परिवार के बच्चों को देखकर जताई खुशी

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि श्रमिक परिवारों के बच्चों को आज व्यवस्थित यूनिफॉर्म में, आत्मविश्वास के साथ अंग्रेजी में संवाद करते और शिक्षा के साथ खेल तथा अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते देखकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। इन बच्चों का आत्मविश्वास इस बात का प्रमाण है कि उचित अवसर और अच्छी शिक्षा मिले तो कोई भी परिस्थिति प्रतिभा को आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती।

36 नवजात शिशुओं को बचाया

अस्पताल में आग से तीन शिशुओं की मौत, होगी उच्चस्तरीय जांच

एजेंसी ▶▶| अमरावती

महाराष्ट्र के अमरावती शहर में सोमवार तड़के एक सरकारी अस्पताल की नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में आग लगने से तीन शिशुओं की मौत हो गई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घटना की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। अमरावती के पुलिस आयुक्त राकेश ओला ने बताया कि जिला महिला अस्पताल में हुई इस घटना के बाद 36 अन्य नवजात शिशुओं को सुरक्षित बचा लिया गया।

अस्पताल में भर्ती थे 39 शिशु

अमरावती के पुलिस आयुक्त राकेश ओला ने बताया कि कुल 39 शिशु भर्ती थे। एनआईसीयू के तीन हिस्से हैं। इनमें एक एनआईसीयू में एक अस्पताल में जन्मे शिशुओं, दूसरा बाहर से आए शिशुओं और तीसरा अस्पताल से छुट्टी दिए जाने के लिए तैयार बच्चों की देखभाल के लिए है।

उद्योग संगठन इस्मा ने कीमतें कम होने की जताई उम्मीद

चीनी की देश में कोई कमी नहीं, जल्द होगी सस्ती!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

चीनी की कीमतों में अचानक आए उछाल के बीच उद्योग संगठन इस्मा ने सोमवार को कहा कि देश में चीनी की कोई कमी नहीं है। शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति देने तथा कारोबारियों एवं थोक उपभोक्ताओं पर भंडारण सीमा लगाने से आने वाले दिनों में खुदरा कीमतें घटने की उम्मीद है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, सोमवार को चीनी की अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमत 63.05 रुपए प्रति किलोग्राम रही, जो एक महीने पहले के 48.73 रुपए से 29 प्रतिशत अधिक है। अधिकतम खुदरा कीमत 75 रुपए और मॉडल कीमत करीब 65 रुपए प्रति किलोग्राम रही। भारतीय चीनी एवं ▶▶| शेष पेज 6 पर

35 लाख टन चीनी का भंडार रहने का अनुमान

शिरगांवकर ने सितंबर के अंत में करीब 35 लाख टन चीनी का भंडार रहने का अनुमान जताया। उन्होंने कहा, एथनॉल में इस्तेमाल की गई चीनी को ध्यान में रखने के बाद भी यह सामान्य घरेलू मांग के लिहाज से पर्याप्त सुरक्षित भंडार है। उन्होंने कहा कि 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति, कारोबारियों एवं थोक उपभोक्ताओं के लिए भंडारण सीमा, कुछ राज्यों में विशेष पेराई तथा नए सत्र की जल्दी शुरुआत से घरेलू आपूर्ति बढ़ाने और कीमतों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

मौसम का प्रभाव और आपूर्ति में कमी

शिरगांवकर ने कहा कि हालिया तेजी मौसम संबंधी प्रभाव, त्योहारी मांग, वैश्विक आपूर्ति में कमी और सबसे महत्वपूर्ण रूप से कीमत बढ़ने की उम्मीद में भंडारण के कारण आई है, न कि वास्तविक आपूर्ति की कमी से। सकल चीनी उत्पादन का शुरुआती अनुमान 345 लाख टन था, लेकिन मौसम संबंधी कारणों, गन्ने की कम पैदावार और गन्ने से चीनी निकलने की कम दर के कारण इसे घटाकर करीब 309 लाख टन कर दिया गया।

एथनॉल के लिए इस्तेमाल पर इंकार

शिरगांवकर ने कीमतों में वृद्धि के लिए एथनॉल उत्पादन में चीनी के इस्तेमाल को जिम्मेदार मानने से इंकार किया। उन्होंने कहा कि 2025-26 सत्र में अब तक करीब 29 लाख टन चीनी एथनॉल के लिए इस्तेमाल हुई है और पूरे सत्र में यह करीब 30 लाख टन रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि ब्राजील में चीनी उत्पादन के अनुमान में कमी से वैश्विक आपूर्ति प्रभावित हुई है और अंतरराष्ट्रीय कीमतें जून में करीब 474 डॉलर प्रति टन से बढ़कर अगस्त में करीब 552 डॉलर प्रति टन हो गई हैं।

चिंतन

युद्ध भले ही बंद हो, लेकिन होर्मुज में बना रहेगा संकट

खाड़ी क्षेत्र में भले ही युद्धविराम हो गया हो, लेकिन होर्मुज जलडमरूमध्य में संकट खत्म होने के बजाय नए रूप में सामने आता दिखाई दे रहा है। यहां अब सीधा सैन्य टकराव ही सबसे बड़ी चिंता नहीं है, बल्कि समुद्री मार्ग पर नियंत्रण, आर्थिक दबाव और रणनीतिक प्रभुत्व की होड़ अधिक गंभीर होती जा रही है। ईरान की संसद द्वारा होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों से शुल्क लेने के प्रस्ताव को मंजूरी देना इसी बदलते समीकरण का संकेत है। ईरान का तर्क है कि जहाजों से लिए जाने वाले शुल्क के बदले उन्हें समुद्री सेवाएं, सुरक्षा, इंश्योरेंस, पर्यावरण संबंधी सुविधाएं और विशेष परिस्थितियों में ईंधन उपलब्ध कराया जाएगा। भुगतान ईरानी रियाल या ईरान की पसंद की दूसरी मुद्रा में किया जा सकेगा। देखने में यह व्यवस्था एक सामान्य सेवा शुल्क जैसी लग सकती है, लेकिन होर्मुज जैसे रणनीतिक समुद्री मार्ग के संदर्भ में इसका महत्व कहीं अधिक है। सवाल केवल टोल वसूली का नहीं, बल्कि यह है कि इस जलडमरूमध्य में अंतिम नियंत्रण किसका होगा। होर्मुज दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में शामिल है। खाड़ी क्षेत्र से निकलने वाले तेल और गैस का बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से होकर वैश्विक बाजार तक पहुंचता है। इसलिए यहां आवाजाही पर किसी भी प्रकार की अनिश्चितता का असर केवल संबंधित देशों तक सीमित नहीं रहेगा। तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से परिवहन लागत बढ़ सकती है और उसका प्रभाव महंगाई के रूप में दुनिया के अनेक देशों में दिखाई दे सकता है। भारत जैसे बड़े ऊर्जा आयातक देश के लिए भी यह स्थिति चिंता का विषय है। दूसरी तरफ अमेरिका ने ईरान के खिलाफ आर्थिक दबाव और तेज करने के संकेत दिए हैं। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट का यह कहना कि ट्रंप प्रशासन ईरान के खिलाफ आर्थिक जंग के आखिरी दौर में पहुंच गया है, यह बताता है कि वाशिंगटन का लक्ष्य केवल सैन्य दबाव तक सीमित नहीं है। ईरान की आय के बड़े स्रोतों को रोकने की कोशिश उसके आर्थिक ढांचे पर दबाव बढ़ा सकती है। ऐसे में ईरान का होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर शुल्क लगाने का फैसला आर्थिक दबाव का जवाब भी माना जा सकता है। स्थिति को और संवेदनशील ईरान की खाड़ी देशों को दी गई चेतावनी बनाती है। अमेरिका के आर्थिक अभियान में सहयोग करने वाले देशों को दुश्मन मानने की बात क्षेत्रीय देशों के लिए सीधा संदेश है। खाड़ी देशों के सामने अब सुरक्षा, व्यापार और ऊर्जा हितों के बीच संतुलन बनाए रखने की चुनौती है। यदि यह तनाव बढ़ता है तो खाड़ी क्षेत्र में पहले से मौजूद राजनीतिक विभाजन और गहरे हो सकते हैं। सबसे चिंताजनक पहलू अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का होर्मुज को 'न्यू यूएस टेरिटरी' बताना है। यदि दुनिया के एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्ग को लेकर अमेरिका और ईरान जैसी शक्तियां अपने-अपने नियंत्रण का दावा करने लगती हैं, तो इससे टकराव की आशंका बढ़ेगी। युद्धविराम निश्चित रूप से राहत देता है, लेकिन वास्तविक शांति तभी मानी जाएगी जब होर्मुज में जहाजों की आवाजाही को लेकर भरोसा कायम हो। यदि युद्ध की जगह आर्थिक प्रतिबंध, टोल, समुद्री नियंत्रण और शक्ति प्रदर्शन ले लेते हैं, तो संकट का स्वरूप भले बदल जाए, खतरा बना रहता है। इसलिए जरूरी है कि अमेरिका, ईरान और खाड़ी देश टकराव बढ़ाने के बजाय संवाद का रास्ता अपनाएं। होर्मुज में शांति केवल क्षेत्रीय स्थिरता के लिए नहीं, बल्कि दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भी अनिवार्य है।

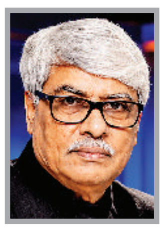

मुद्दा
ओमकार चौधरी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का सिलीगुड़ी दौरा पूर्वोत्तर की सुरक्षा को लेकर केंद्र की नई रणनीति का संकेत देता है। सिलीगुड़ी कॉरिडोर को सुरक्षित रखने के लिए असम के धुबरी, बिहार के किशनगंज और पश्चिम बंगाल के चोपड़ा को जोड़कर त्रिकोणीय सुरक्षा ग्रिड तैयार करने की योजना सामने आई है। इसका उद्देश्य सीमा सुरक्षा, सैन्य तैयारियों, खुफिया तंत्र, केंद्रीय बलों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है। चीन और बांग्लादेश की बढ़ती रणनीतिक निकटता, नेपाल-भूटान से जुड़ा संवेदनशील भूगोल और संभावित गैर-पारंपरिक खतरों के बीच यह पहल महत्वपूर्ण है। इसे युद्ध की आशंका नहीं, बल्कि रणनीतिक सुरक्षा गहराई बढ़ाने की तैयारी के रूप में देखा जाना चाहिए।

सिलीगुड़ी में त्रिकोणीय सुरक्षा ग्रिड

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का सिलीगुड़ी दौरा केवल सीमा सुरक्षा की सामान्य समीक्षा भर नहीं माना जाना चाहिए। 21–22 अगस्त 2026 को सिलीगुड़ी में हुई गतिविधियों और उच्चस्तरीय बैठक से संकेत मिलता है कि केंद्र सरकार भारत के अत्यंत संवेदनशील सिलीगुड़ी कॉरिडोर या 'चिकन नेक' की सुरक्षा को अब अधिक समन्वित और बहुस्तरीय ढांचे में देख रही है। अमित शाह ने स्वयं तीन रणनीतिक स्थानों असम के धुबरी, बिहार के किशनगंज और पश्चिम बंगाल के चोपड़ा को जोड़कर एक 'त्रिकोणीय सुरक्षा ग्रिड' तैयार किए जाने की जानकारी दी है। उन्होंने इसे तीन नए सैन्य ठिकानों वाला सुरक्षा ढांचा बताया। इसके साथ सीमा निगरानी, बाड़बंदी, केंद्रीय बलों, खुफिया एजेंसियों, राज्य पुलिस और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय पर भी जोर दिया गया। इस तैयारी को समझने के लिए सबसे पहले सिलीगुड़ी कॉरिडोर का भूगोल समझना जरूरी है। पश्चिम बंगाल में स्थित यह संकरा भूभाग मुख्य भारत को पूर्वोत्तर से जोड़ने वाला प्रमुख स्थलीय संपर्क है। इसके आसपास नेपाल, भूटान और बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय सीमाएं हैं, जबकि उत्तर में सिक्किम और उसके आगे चीन का तिब्बत क्षेत्र है। पूर्वोत्तर के आठ राज्यों की सड़क और रेल संपर्क व्यवस्था में इस क्षेत्र का असाधारण महत्व है। इसीलिए अमित शाह ने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा से सीधे जुड़ा क्षेत्र बताया है। यहां किसी गंभीर सैन्य संकट, बड़े आतंकवादी हमले, तोड़फोड़ अथवा आपूर्ति मार्ग बाधित होने की स्थिति का प्रभाव केवल पश्चिम बंगाल तक सीमित नहीं रहेगा; उसका असर पूरे पूर्वोत्तर से भारत के संपर्क पर पड़ सकता है।

नई व्यवस्था की विशेषता यह है कि सरकार सुरक्षा को केवल कॉरिडोर की सबसे संकरी पट्टी पर केंद्रित नहीं रखना चाहती। धुबरी, किशनगंज और चोपड़ा को देखें तो एक व्यापक त्रिकोण दिखाई देता है। असम का धुबरी बांग्लादेश सीमा के निकट ब्रह्मपुत्र क्षेत्र में है। किशनगंज बिहार का वह जिला है जो उत्तर बंगाल और पूर्वोत्तर की ओर जाने वाले भूगोल से जुड़ता है, जबकि चोपड़ा उत्तर दिनाजपुर में सिलीगुड़ी की दक्षिणी दिशा में महत्वपूर्ण स्थिति रखता है। लेकिन सवाल है कि इसी समय इतनी गंभीर तैयारी की आवश्यकता क्यों महसूस हुई? इसका उत्तर भारत के पूर्वी पड़ोस में तेजी से बदल रहे सामरिक वातावरण में है। बांग्लादेश के साथ भारत के संबंध पिछले दो वर्षों में उस सहजता में नहीं रहे जो शेख हसीना के शासनकाल में लंबे समय तक दिखाई देती थी। अगस्त 2024 में हसीना के सत्ता से हटने और भारत आने के बाद दोनों देशों के बीच कई मुद्दों पर अविश्वास बढ़ा। इसका अर्थ यह नहीं कि भारत और बांग्लादेश किसी सैन्य टकराव की ओर बढ़ रहे हैं। ऐसी धारणा के लिए वर्तमान में कोई ठोस आधार नहीं है। लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा की योजना केवल वर्तमान राजनीतिक इरादों के आधार पर नहीं बनाई जाती; उसमें संभावित परिस्थितियों और क्षमताओं को भी ध्यान में रखा जाता है। बांग्लादेश के साथ 4,000 किलोमीटर से अधिक लंबी सीमा, पूर्वोत्तर का भूगोल, अवैध आवाजाही, तस्करी और सीमापार अपराध जैसी समस्याएं पहले से मौजूद हैं। यदि राजनीतिक संबंधों में अविश्वास जुड़ता है तो सीमा प्रबंधन का महत्व स्वतः बढ़ जाता है। इसी संदर्भ में अमित शाह द्वारा बाड़बंदी पर दिया गया जोर महत्वपूर्ण

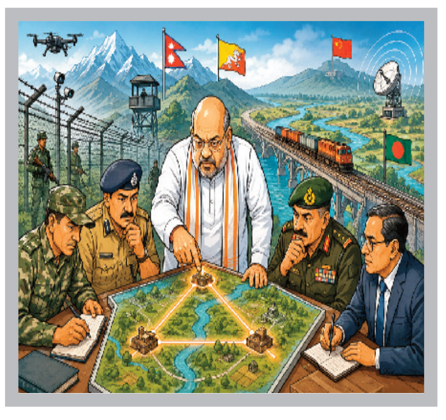

है। दूसरा बड़ा परिवर्तन चीन और बांग्लादेश की बढ़ती निकटता है। चीन लंबे समय से बांग्लादेश का प्रमुख आर्थिक और रक्षा साझेदार है। बांग्लादेश चीनी हथियारों का बड़ा ग्राहक रहा है और चीन वहां बुनियादी ढांचा तथा रक्षा-संबंधी परियोजनाओं में सक्रिय है। भारत के लिए समस्या भूगोल से और गंभीर हो जाती है। चीन पहले से वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत का प्रमुख सैन्य प्रतिद्वंद्वी है। सिक्किम के उत्तर और पूर्व में चीनी सैन्य ढांचा मौजूद है और 2017 का डोकलाम संकट दिखा चुका है कि भूटान–सिक्किम–तिब्बत क्षेत्र की सामरिक स्थिति सीधे सिलीगुड़ी कॉरिडोर की भारतीय चिंताओं से जुड़ सकती है। यदि इसी समय बांग्लादेश में चीन का रक्षा और रणनीतिक प्रभाव बढ़ता है, तो भारतीय योजना निर्माताओं को उत्तर और दक्षिण दोनों दिशाओं को ध्यान में रखकर आपातकालीन योजना तैयार करनी होगी।

इसका अर्थ यह नहीं कि चीन और बांग्लादेश भारत पर संयुक्त हमले की तैयारी कर रहे हैं; इसका अर्थ यह है कि भारत अपने सबसे संवेदनशील संपर्क क्षेत्र की सुरक्षा को किसी एक दिशा से आने वाले खतरे तक सीमित नहीं रख सकता। यहीं धुबरी–किशनगंज–चोपड़ा त्रिकोण की रणनीतिक उपयोगिता दिखाई देती है। किसी संकट में सुरक्षा केवल सीमा पर सैनिक खड़े करने का प्रश्न नहीं होती। सैन्य बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों को तेजी से स्थानांतरित करना, गोला-बारूद और रसद पहुंचाना, सड़क तथा रेलवे संपर्क सुरक्षित रखना, महत्वपूर्ण पुलों और संचार केंद्रों की रक्षा करना तथा किसी तोड़-फोड़ के बाद वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराना भी उतना ही आवश्यक होता है। सुरक्षा ग्रिड का उद्देश्य यदि इसी प्रकार की अतिरेकता पैदा करना है तो यह 'चिकन नेक' की पुरानी कमजोरी को केवल अग्रिम रक्षा के बजाय गहराई में फैली सुरक्षा संरचना से संबोधित करने का प्रयास है। तीसरा तत्व पाकिस्तान है। पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व की भारत-विरोधी बयानबाजी को भारतीय सुरक्षा एजेंसियां स्वाभाविक रूप से नोट करती हैं। लेकिन 'इस बार पूर्वी दिशा से हमला होगा' जैसे किसी विशिष्ट कथित बयान को आधिकारिक सैन्य तथ्य मानने से पहले उसके मूल संदर्भ और शब्दशः प्रमाण की पुष्टि आवश्यक है। इसीलिए सिलीगुड़ी में 22 अगस्त की बैठक में केवल सैन्य उपस्थिति नहीं, बल्कि केंद्रीय सुरक्षा बलों, खुफिया एजेंसियों, राज्य पुलिस और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया गया। यही आधुनिक 'ग्रिड सुरक्षा' का महत्वपूर्ण तत्व है। सिलीगुड़ी कॉरिडोर की एक और विशेषता है कि इसके आसपास भारत की अलग-अलग प्रकार की सीमाएं हैं। नेपाल और भूटान के साथ भारतीय संबंध मैत्रीपूर्ण हैं और वहां सीमा प्रबंधन की प्रकृति बांग्लादेश या चीन सीमा से अलग है। लेकिन खुली या अपेक्षाकृत सुगम आवाजाही वाली सीमाओं का दुरुपयोग आपराधिक या शत्रुतापूर्ण नेटवर्क कर सकते हैं। इसीलिए सशस्त्र सीमा बल की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। यही धुबरी, किशनगंज और चोपड़ा के त्रिकोणीय सुरक्षा ग्रिड का व्यापक सामरिक अर्थ है।

भारत अपनी सबसे चर्चित भौगोलिक कमजोरी को केवल बचाने की नहीं, बल्कि उसके चारों ओर ऐसी सुरक्षा गहराई तैयार करने की कोशिश कर रहा है जिसमें सीमा सुरक्षा, सैन्य तत्परता, खुफिया जानकारी, पुलिस व्यवस्था और आधारभूत ढांचे की सुरक्षा एक-दूसरे से जुड़ी हों। सेंट मार्टिन और बंगाल की खाड़ी में बदलती भू-राजनीति से लेकर बांग्लादेश–चीन निकटता और हिमालयी सीमाओं तक यदि पूरे पूर्वी क्षेत्र को एक ही सामरिक मानचित्र पर रखा जाए, तो अमित शाह की सिलीगुड़ी बैठक का महत्व कहीं अधिक स्पष्ट दिखाई देता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

जल प्रदूषण
ज्ञानेन्द्र रावत

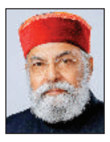

आखिर कौन बनेगा यमुना का भगीरथ

देश में पुण्य दायिनी नदी गंगा के बाद दूसरी प्रमुख नदी यमुना का प्रदूषण चर्चा का विषय बना हुआ है। कारण उसका प्रदूषण खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है। कारण उसका 85 फीसदी से ज्यादा प्रदूषण बिना ट्रीट किए घरेलू कचरे और औद्योगिक रसायन युक्त अपशिष्ट से है। इस बारे में दिल्ली सरकार बरसों से दावे-दर-दावे करती रही है। बीता इतिहास इसका जीता-जागता सबूत है। केजरीवाल ने भी यमुना के शुद्धिकरण का बीड़ा उठाया था। उनके भी कार्यकाल ने यमुना की सफाई की दिशा में दावों और घोषणाओं के मामले में काफी सुर्खियां बटोरी थीं और आलोचनाएं भी झेली थीं। अब यदि दिल्ली के जल संसाधन मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा की मानें तो अब यमुना की सफाई अलग-अलग परियोजना के माध्यम से नहीं, वरन दिल्ली की पूरी सीवर अवसंरचना में व्यापक बदलाव के जरिये की जा रही है। उनका मानना है कि यमुना तब साफ होगी जबकि हर घर सीवर नेटवर्क से जुड़ा होगा। हर बूंद सीवेज का उपचार होगा। इसी बदलाव की शुरुआत हमने की है। ये रहा उनका दावा। अब जरा हालात का भी जायजा लें। सबसे पहले देश की पतितपावनी और मुक्तिदायिनी नदी गंगा को लें जिसका जल पुण्य का सबब माना जाता है। वही मोक्षदयिनी नदी गंगा अपने मायके उत्तराखंड में ही मैली है। इसका खुलासा कैग की रिपोर्ट कर ही चुकी है। आज तक 1985 से लेकर गंगा प्रदूषण मुक्ति हेतु 42,000 करोड़ की राशि खर्च की जा चुकी है। गंगा एक्शन प्लान पर शुरुआत में ही 1200 करोड़ की राशि खर्च की गई। लेकिन हालात गवाह हैं कि आज उसका जल पुण्य का नहीं, मौत का सबब बन गया है। यमुना आज तमिलनाडु की कूवन नदी सहित देश की सबसे प्रदूषित नदी है। उसकी सफाई पर अब तक हुए खर्च की बात करें तो संसद में दिए आंकड़ों के मुताबिक पिछले तीन वित्तीय वर्षों में कुल 5,536 करोड़ की राशि खर्च की जा चुकी है। जबकि यमुना संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण पर पहले ही लगभग 1,951 करोड़ की राशि खर्च की जा चुकी थी। इसके अलावा दिल्ली सरकार के ग्रीन बजट के तहत दिल्ली जल बोर्ड को 6485 करोड़ रुपये की राशि दी गई और अभी हाल फिलहाल में ही दिल्ली सरकार ने यमुना की सफाई के लिए 4500 करोड़ की राशि की मंजूरी दी है। यही नहीं यमुना के जल को साफ करने के साथ साथ नजफगढ ड्रेन की सफाई के लिए 1000 करोड़ की परियोजनाओं को दिल्ली सरकार ने और मंजूरी दी है। मछलियों में मिले माइक्रो प्लास्टिक में 77.8 फीसदी हिस्सा कपड़ों और धागे के सूक्ष्म रेशों का था। इसका मुख्य कारण सिंथेटिक कपड़े, घरेलू धुलाई, टैक्सटाइल उद्योग और रसायन युक्त अपशिष्ट जल का बहाव है। अब जरा यमुना के पानी में जहरीले रसायनों की बात करें तो पाते हैं कि हकीकत में यमुना के पानी में अमोनिया की सीमा अधिकांश एसटीपी को भी बाधित करती है। बी ओ डी का स्तर स्वीकार्य सीमा से अधिक है और घुलित आक्सीजन का स्तर अक्सर 2 मिलीग्राम प्रति लीटर से भी कम होने से जलीय जीवों के अस्तित्व के लिए खतरा बना हुआ है। मानव और पशु मल-मूत्र से आने वाले वैक्टीरिया का स्तर सीमा से 32,000 गुणा से भी ज्यादा है। यह खतरे का संकेत है। वैसे तो यमुना की दशा पूरे प्रवाह क्षेत्र में शोचनीय है, लेकिन यदि देश की राजधानी दिल्ली के 22 किलोमीटर इलाके की ही बात करें तो यमुना अपनी बदहाली की कहानी खुदबखुद बयां करती है। यहां का जल फीकल कोलिफार्म, लैड जैसी भारी धातुओं और डिटर्जेंट से इतना प्रदूषित है कि इसके संपर्क में आने से लोग कैंसर, गंभीर त्वचा रोग, सांस, पेट के संक्रमण, लिवर, तंत्रिका तंत्र आदि जानलेवा रोगों का शिकार हो रहे हैं। हकीकत यह है कि देश में यमुना ही नहीं गंगा, वरुणा, रोहिणी, पांडु, ईशन, सई, घाघरा, काली, गोमती, रामगंगा, कोसी, राप्ती, तमसा, सरयू, नीमा, बीटा, सेंगर, अरिंद, सरायन, करवन, काक, उल्ल जैसी देश की तकरीब चार सौ से अधिक नदियों में सीवेज का गंदा पानी 1385 से भी ज्यादा गंदे नालों के जरिए बहाये जाने के मामलों में बीते बरसों में बेतहाशा बढ़ोतरी देखी गयी है। फिर भी देश के भाग्य विधाता मौन हैं। अब सवाल यह है कि यमुना बरसों से निर्देशों, दावों के जाल में उलझी है। पिछले मुख्यमंत्री तो यमुना साफ होगी और वे उसमें नहाने के दावे करते-करते पद से ही मुक्त हो गये, कोई यमुना को टेम्स बनाने का दावा करते-करते दुनिया से ही विदा हो गया, लेकिन यमुना अपनी बदहाली पर दशकों से रो रही है। सरकारें तो सरकारें लगता है, दिल्ली की जनता की आत्मा मर गयी है। उसको अपनी जीवन की रेखा कही जाने वाली यमुना की बदहाली की कोई चिंता ही नहीं है। यमुना फिर भी मैली की मैली ही रहती है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं पर्यावरणविद हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

ज्ञान शक्ति, मुक्ति और विजय की यात्रा भी है

संकलित
दर्शन

ज्ञान शक्ति है, ज्ञान ही मुक्ति भी और ज्ञान ही विजय की यात्रा है। जिसे हम जान लेते हैं, उससे हम मुक्त हो जाते हैं और जिसे हम जान लेते हैं, उसे हम जीत भी लेते हैं। हमारी हार और पराजय हमारे अज्ञान के अतिरिक्त और कुछ भी नहीं है। अंधकार है, इसीलिए पराजय है। प्रकाश हो तो पराजय असंभव है। प्रकाश विजय बन जाता है। मृत्यु के संबंध में पहली बात आपसे यह कहना चाहूंगा कि मृत्यु से अधिक असत्य और कुछ भी नहीं है लेकिन मृत्यु ही सत्य मालूम होती है। न केवल सत्य मालूम होती है, बल्कि जीवन का केंद्रीय सत्य भी वही मालूम होती है और ऐसा प्रतीत होता है कि सारा जीवन मृत्यु से घिरा हुआ है और चाहे हम भूल जाते हों, भुला देते हों, लेकिन फिर भी मृत्यु चारों तरफ निकट ही खड़ी रहती है। अपनी छाया से भी ज्यादा अपने पास मृत्यु है। जीवन का जो रूप हमने दिया है, वह भी मृत्यु के भय के कारण ही दिया है। मृत्यु के भय ने समाज बनाया है, राष्ट्र बनाए हैं, परिवार बनाए हैं, मित्र एकत्रित किए हैं। मृत्यु के भय ने धन एकत्रित करने की दौड़ दी है, मृत्यु के भय ने पदों की आकांक्षा दी है और सबसे बड़ा आश्चर्य यह है कि मृत्यु के भय ने ही हमारे भगवान और हमारे मंदिर भी खड़े कर दिए हैं। मृत्यु से भयभीत घुटने टेककर प्रार्थना करते हुए लोग हैं। मृत्यु से भयभीत आकाश की तरफ, परमात्मा की तरफ हाथ जोड़े हुए लोग हैं।

सद्गुरु होता है निर्गुण निराकार का साकार स्वरूप

संकलित
प्रेरणा

सौ चांद एवं हजार सूर्य भी उदय होकर संसार को प्रकाशित कर रहे हों परंतु सद्गुरु नहीं है तो घोर अंधकार ही है। सद्गुरु सूर्य की भांति होते हैं। सूर्य के प्रकाश को देखने के लिए किसी मशाल या किसी दीये की आवश्यकता नहीं होती। सूर्योदय होते ही स्वतः प्रकृति में सूर्य की उपस्थिति का आभास हो जाता है। पेड़-पौधे, फूल-कलियां, पशु-पक्षी, जड़-चेतन में स्फुरण हो जाता है अर्थात प्राणों का संचार हो जाता है। इसी प्रकार प्रबल उत्कंठा रखने वाले जिज्ञासु के जीवन में जब सद्गुरु रूपी सूर्य का उदय होता है, तो जन्मों का अज्ञान तिमिर समाप्त होकर ज्ञान उजाला हो जाता है। निर्गुण निराकार का साकार स्वरूप सद्गुरु होता है, जिस प्रकार सूर्य को हम नहीं देख पाते हैं परंतु उसी के प्रकाश से जब चंद्रमा उदय होता है तो हम सभी उसको निहारते हैं, शीतलता का आनंद प्राप्त करते हैं, प्रेमीजन एक भिन्न प्रकार का आनंद प्राप्त करते हैं इसी प्रकार भक्तजन ईश्वर के निराकार रूप में वो आनंद नहीं प्राप्त कर पाते जो कि परब्रह्म के साक्षात स्वरूप सद्गुरु के दिव्य दर्शन करके प्राप्त करते हैं। गोपियां सद्गुरु श्री कृष्ण के दर्शन करते हुए थकतीं नहीं थीं एवं प्रेम में उनकी सुध-बुध सब विस्मृत हो जाती थी। एक क्षण के लिए विलग नहीं हो पाती थीं इसी प्रकार भक्तजन सद्गुरु से कतई विलग नहीं हो पाते, क्योंकि भक्तजनों के लिए सद्गुरु पिंड प्राण होते हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

विज्ञान की भी अपनी सीमाएं

वैसे तो विज्ञान ने हर असंभव को संभव बनाने के लिए बहुत काम किया है और काफी हद तक सफल भी हुआ है। मानव को आज हर सुविधा और आराम उपलब्ध है, परंतु न तो कैंसर जैसे असाध्य रोग की अचूक औषधि खोज पाया और न ही ऐसी दवाई ही खोजी जो मनुष्य को सदैव स्वस्थ और बुढ़ापे के लक्षणों से सदा के लिए निजात दिला सके। यह बात लगेगी सभी को बेतुकी और प्रलाप मात्र, पर यह यक्ष प्रश्न है, जिसके समक्ष आकाश की खोज खबर लेने वाला मानव असहाय दिखता है। यह वैज्ञानिकों को एक खुली चुनौती है। भले ही हरिद्वार के इम्युनोट के वैज्ञानिकों ने प्राचीन भारतीय आयुर्वेद को इस कार्य करने में सक्षम कहा है। लेकिन संसार को कब यह दवाई उपलब्ध होगी, इसका इंतजार है। *–राजू लाल यादव, रायपुर*

ट्रेंड

तीन भगोड़े पकड़े

मलेशिया में बंबीहा गिरोह के तीन भगोड़े अपराधियों को पकड़कर भारत लाया गया है और उन्हें पुलिस हिरासत में भेज दिया है। भगोड़े अपराधियों में जसप्रीत सिंह, अजय सिंह और पवनदीप सिंह शामिल हैं।
-अमित शाह, केंद्रीय गृह मंत्री

अथर्ववेद पढ़ें राहुल

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी देश को कोसना अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझते हैं। वे अर्बन नक्सलियों के हाथों देश को बर्बाद करना चाहते हैं। अगर वे मनुस्मृति को समझना चाहते हैं तो अथर्ववेद पढ़ें।
- **योगी आदित्यनाथ,** सीएम, उत्तर प्रदेश

तेलंगाना का विकास रोक रहे

केंद्र सरकार तेलंगाना के साथ भेदभाव कर रही है, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल संसद में यह मुद्दा उठाएंगे। केंद्र सरकार ने गुजरात के मुख्यमंत्री को अमेरिका यात्रा की अनुमति दे दी, लेकिन मुझे नहीं दी। मुझे अमेरिका यात्रा की अनुमति नहीं देना तेलंगाना के विकास को रोकना है। **-रेवंत रेड्डी,** सीएम, तेलंगाना

मतदाताओं के नाम हटाए

लाखों वास्तविक मतदाताओं के नाम गैर-कानूनी तरीके से हटा दिए गए हैं; अगर ज़रूरत पड़ी तो उन्हें मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए फिर से सुप्रीम कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया जाएगा। जनगणना की कवायद एनआरसी लागू करने की चोर-दरवाज़े से की गई एक और कोशिश है।
-ममता बनर्जी, पूर्व सीएम, प. बंगाल

करंट अफेयर

मक्का एग्रीमेंट की खटास मिटाने ईरान जाएंगे मुनीर!

पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर ईरान का दौरा करेंगे। तेहरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा है कि यह दौरा इलाके में शांति और सुरक्षा लाने की कोशिशों को आगे बढ़ाने के लिए है। हालांकि, मुनीर का दौरा ऐसे वक्त हो रहा, जब मक्का एग्रीमेंट में पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की ने साइन किए हैं। वहीं, होर्मुज को लेकर अमेरिका से ईरान का विवाद बना हुआ है। पाकिस्तान ने ईरान और अमेरिका के बीच हुई बातचीत में मध्यस्थ की भूमिका निभाई है। इसका मकसद उस युद्ध को खत्म करना है, जो फरवरी में ईरान पर अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हमले के बाद शुरू हुआ था। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से मुनीर के दौरे की पुष्टि की है। पहले सूत्र ने जानकारी देते हुए कहा है कि ईरान और पाकिस्तान सीधे संपर्क में हैं। दूसरे सूत्र ने कहा है कि बातचीत में संघर्ष से जुड़ी हालिया घटनाओं पर भी चर्चा होगी। इसमें ईरान पर और कड़े बैन लगाने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकी शामिल है। असल में मुनीर का दौरा ईरान और अमेरिका के बीच बढ़े हुए तनाव के बीच हो रहा है। ईरान ने बैन की अमेरिकी पॉलिसी के जवाब में सैन्य कार्रवाई की धमकी दी है।

ऑफ बीट

मनोकामनाएं पूरी करते हैं प्रयागराज के ताले वाले महादेव

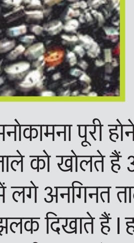

प्रयागराज में भगवान शिव का एक ऐसा अनोखा मंदिर है, जहां भक्त अपनी मनोकामना को ताले में बांधकर भोलेनाथ के चरणों में छोड़ देते हैं। नाथेश्वरनाथ महादेव मंदिर को लोग प्यार से 'ताले वाले महादेव मंदिर' के नाम से भी जानते हैं। यहां पहुंचने वाले श्रद्धालु अपनी इच्छा पूरी होने की प्रार्थना करते हुए मंदिर परिसर में एक ताला लगाते हैं। मान्यता है कि भगवान शिव उनकी मनोकामना पूरी करते हैं। इस मंदिर की परंपरा बाकी शिवालयों से इसे अलग बनाती है। श्रद्धालु ताले पर अपना नाम, पता या पहचान लिखकर उसे मंदिर की जाली, दीवार या परिसर में किसी निर्धारित जगह पर लगा देते हैं। इसके बाद वे अपनी इच्छा पूरी होने का इंतजार करते हैं। जब मनोकामना पूरी होने का विश्वास होता है, तो भक्त दोबारा मंदिर पहुंचकर उसी ताले को खोलते हैं और भगवान शिव की पूजा–अर्चना करते हैं। मंदिर परिसर में लगे अनगिनत ताले यहां आने वाले श्रद्धालुओं की आस्था और उम्मीद की झलक दिखाते हैं। हर ताला किसी व्यक्ति की अपनी प्रार्थना और विश्वास की कहानी कहता है। समय के साथ जब तालों की संख्या बढ़ जाती है, तो पुराने तालों को हटाकर सुरक्षित जगह पर रखा जाता है। इसके लिए मंदिर परिसर में एक कमरा भी बनाया गया है, जहां पुराने ताले रखे जाते हैं।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

देवघर में 4 किमी कतार, काशी में 1 लाख से ज्यादा श्रद्धालु

उज्जैन में महाकाल का हुआ विशेष श्रृंगार

आखिरी सावन सोमवार...
शिवालयों में आस्था का सैलाब

नई दिल्ली। सावन के आखिरी सोमवार पर देशभर के शिवालयों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। महादेव की अर्चना के लिए लंबी-लंबी कतारें नजर आई। झारखंड के देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की करीब 4 किलोमीटर लंबी कतार तो काशी में बाबा विश्वनाथ के जलाभिषेक के लिए 2 किमी लंबी लाइन लगी थी। उज्जैन के महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर में रात से ही श्रद्धालुओं की कतारें लग गई थी। हरिद्वार, उत्तराखंड, प्रयागराज, यूपी में बड़ी संख्या में कांवड़िए भी भगवान शिव का जलाभिषेक करने पहुंचे। श्रद्धालुओं ने गंगा में पुण्य स्नान भी किया।

महाकाल की धूमधाम से निकाली गई सवारी

महाकालेश्वर मंदिर में रात 2:30 बजे भस्म आरती के लिए कपाट खोले गए। इसके बाद भगवान महाकाल का विशेष श्रृंगार किया गया। भगवान को चांदी के त्रिशूल, मुकुट और आभूषण धारण कराए गए। शाम को बाबा महाकाल की सवारी निकाली गई। यहां पुलिस के जवानों ने बाबा की सवारी को गार्ड ऑफ ओनर दिया।

खबर संक्षेप

देश को कोसना अधिकार समझते हैं राहुल : योगी

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने राहुल गांधी के 'मनुस्मृति की बेड़ियों' से महिलाओं को मुक्त होने वाले बयान पर पलटवार किया। उन्होंने सोमवार को रायबरेली में कहा कि राहुल गांधी देश को कोसना अपना अधिकार समझते हैं। वे अर्बन नक्सलियों के हाथों देश को बर्बाद करना चाहते हैं। अगर वे मनुस्मृति को समझना चाहते हैं तो अथर्ववेद पढ़ें। राहुल गांधी ने शनिवार को पुणे में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में महिलाओं की आजादी और पितृसत्ता के मुद्दे पर एक घंटा 16 मिनट बात की थी। उन्होंने कहा था, 'महिला की पहचान उसके पिता, पति या बेटे से नहीं होती, बल्कि उसकी अपनी पहचान होती है।' मनुस्मृति का जिक्र करते हुए महिलाओं को पिता, पति और बच्चों की संपत्ति मानने वाली सोच को शर्मनाक बताया।

महुआ को राहत गिरफ्तारी पर रोक

कोलकाता। कलकत्ता हाई कोर्ट ने सोमवार को टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट पर रोक लगा दी। यह वारंट कृष्णानगर की एक अदालत ने उनके पेश न होने पर जारी किया था। जस्टिस देबांग्सु बसाक और जस्टिस आर्यक दत्त की बेंच ने आदेश दिया कि इस मामले पर 27 अगस्त को फिर से सुनवाई होगी। उस दिन नादिया जिला अदालत में चल रहे मामले में शिकायतकर्ता की बात सुनी जाएगी। मोइत्रा पर वहां महिलाओं का अपमान करने और नफरत फैलाने वाले भाषण देने का आरोप है। बेंच ने अगले आदेश तक मोइत्रा के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट पर रोक लगा दी।

मोइत्रा के वकील अर्को कुमार नाग ने कोर्ट को बताया कि यह कथित भाषण और उनके खिलाफ शिकायतें एक सांसद के तौर पर की गई थीं, इसलिए मामले की सुनवाई साल्ट लेक में तय एमपी/ एमएलए कोर्ट में होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि आरोप बेबुनियाद और तुच्छ थे और शिकायत में बताई गई बातें किसी आपराधिक अपराध के दायरे में नहीं आतीं। मोइत्रा के खिलाफ महिलाओं का अपमान करने और नफरत फैलाने वाले भाषण देने का आरोप लगाते हुए एक मामला दर्ज किया गया था, जिसके बाद कृष्णानगर कोर्ट ने उन्हें समन जारी किया था।

'पंजाब में सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ेगी बीजेपी'

हरिभूमि न्यूज.नई दिल्ली। पंजाब के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष ने सोमवार को पटियाला में पहली जोनल मीटिंग अटैंड की। उन्होंने इस मीटिंग में एक बड़ा ऐलान किया। दरअसल, बीएल संतोष ने कार्यकर्ताओं से कहा कि पार्टी पंजाब में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। बीएल संतोष का यह बयान ऐसे समय आया है जब इस बात की अटकलें सबसे ज्यादा लगाई जा रही हैं कि पंजाब में बीजेपी और अकाली दल का गठबंधन हो सकता है।

बीएल संतोष को पंजाब दौरे पर भी इसीलिए भेजा गया है कि वह पार्टी में फैसले असंतोष को खत्म कर सकें और नेताओं से संगठन और अकाली दल गठबंधन पर राय ले सकें।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा!

सेनापति जिले में बढ़ा तनाव, हथियारबंद समूहों के बीच गोलीबारी

भीड़ ने फूंके कई घर, गोलीबारी में सीआरपीएफ जवान घायल

मणिपुर के सेनापति जिले में सोमवार को एक बार फिर हिंसा भड़कने से तनाव बढ़ गया है। तफौ इलाके में दो घरों को कथित तौर पर आग के हवाले किए जाने के बाद हथियारबंद समूहों के बीच गोलीबारी हुई। इस दौरान सीआरपीएफ के एक जवान को गोली लग गई। हालात को देखते हुए इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल भेजे गए हैं। स्थानीय लोगों को इलाके से निकालने की खबर भी सामने आई है।

एजेंसी ▶▶| इंफाल

मणिपुर में सोमवार को फिर जातीय हिंसा भड़क गई। मकानों में आगजनी के बाद दो सशस्त्र समूह आपस में भिड़ गए। इनके बीच जमकर गोलीबारी हुई। इसी दौरान, अधिकारियों के मुताबिक, 36वीं बटालियन सीआरपीएफ के एसआई/जीडी प्रदीप सिंह के बाएं पैर में गोली लगी। घटना सुबह करीब 10 बजे हुई, जब इलाके में हथियारबंद समूहों के बीच फायरिंग हो रही थी। घायल जवान को इलाज के लिए सेनापति अस्पताल ले जाया गया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इनमें से एक घर कुकी समुदाय के व्यक्ति का और दूसरा पुमाई नागा समुदाय के व्यक्ति का था। हालांकि, आगजनी किसने की और इसके पीछे क्या वजह थी, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। हालात बिगड़ने की आशंका के बीच अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तफौ भेजा गया।

अलग-अलग समुदायों के घरों में आगजनी से बढ़ा विवाद

कुकी समूह पर आरोप

कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि हथियारबंद कुकी समूह लियांगमाई नागा गांव पर हमला कर रहे हैं। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। इसी बीच सेनापति मुख्यालय के पास प्रदर्शनकारियों ने नेशनल हाईवे-2 यानी इम्फाल-दिमापुर मार्ग को भी जाम कर दिया। सामने आई तस्वीरों में सड़क पर जलते टायर और मलबा दिखाई दे रहे हैं। इस मामले पर तफौ कुकी विलेज अथॉरिटी ने कुकी समुदाय के घर में आग लगाए जाने की कड़ी निंदा की है। संगठन ने इसे बेहद निंदनीय और अस्वीकार्य बताते हुए प्रशासन से जिम्मेदार लोगों की पहचान कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

नागा और कुकी समुदाय के बीच चल रहा विवाद

यह घटना ऐसे समय हुई है जब इलाके में नागा और कुकी समुदायों के बीच तनाव पहले से बना हुआ है। इससे पहले 13 मई को नोनी और कांगपोकपी में दो अलग-अलग हमलों में चार लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद बदले की हिंसा में दोनों समुदायों के 48 नागरिकों को कथित तौर पर बंधक बनाया गया। करीब एक महीने बाद बंधक रिहा हुए, लेकिन बाद में कांगपोकपी के पास छह नागा लोगों के शव मिले. फिलहाल एनआईए मामले की जांच कर रही है। बता दें कि जुलाई में भी चार लोगों को गिरफ्तार भी किया गया था।

विलेज अथॉरिटी की चेतावनी और मांगें

घटना के बाद ताफू कुकी विलेज अथॉरिटी ने एक आधिकारिक बयान जारी कर घर में की गई आगजनी और तोड़फोड़ की कड़े शब्दों में निंदा की है। संस्था ने इसे 'अमानवीय और अस्वीकार्य' करार दिया। विलेज अथॉरिटी ने आगजनी में शामिल लोगों को 24 घंटे के भीतर जिम्मेदारी स्वीकार करने और 'कुकी कस्टमरी लॉ' (कुकी पारंपरिक कानून) के तहत मामले को सुलझाने की चेतावनी दी है। जिला प्रशासन और पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई है। अथॉरिटी ने कहा कि दी गई सीमा के बाद होने वाली किसी भी अप्रिय घटना के लिए वह जिम्मेदार नहीं होगी।

रियाल में लेगा पेमेंट, बदले में देगा सुरक्षा-इंश्योरेंस

ईरान होर्मुज में जहाजों से टोल वसूलेगा, संसद में प्रस्ताव पास

एजेंसी ▶▶| इतेहरान

ईरान की संसद ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों से टोल यानी टैक्स या फीस लेने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी के मुताबिक, जिन देशों के जहाजों को होर्मुज से गुजरने की अनुमति होगी, उनसे समुद्री सेवाओं के बदले शुल्क लिया जाएगा। ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रवक्ता हसन काशकवी के मुताबिक, फीस के बदले समुद्री सेवाएं, सुरक्षा और इंश्योरेंस जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। इसके अलावा पर्यावरण संबंधी सेवाएं और खास परिस्थितियों में ईंधन भी दिया जाएगा। भुगतान ईरानी रियाल या ईरान की पसंद की किसी दूसरी करेंसी में किया जा सकेगा।

ईरान के खिलाफ आर्थिक जंग शुरू : अमेरिका

इधर, अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ट्रम्प प्रशासन अब ईरान के खिलाफ आर्थिक जंग के आखिरी दौर में पहुंच गया है। बेसेंट के मुताबिक अमेरिका का मकसद ईरान की कमाई के बड़े रास्ते बंद करना है। बेसेंट ने कहा कि अमेरिका ईरान पर दबाव बढ़ाने के लिए अपनी सभी सरकारी एजेंसियों और अधिकारों का इस्तेमाल करेगा। इससे पहले ट्रम्प ने इसे किसी विरोधी देश के खिलाफ सबसे बड़ी आर्थिक कार्रवाई बताया था और दूसरे देशों से ईरान को अलग-थलग करने में साथ देने की अपील की थी।

ईरान की खाड़ी देशों को चेतावनी

ईरान ने अमेरिका की आर्थिक कार्रवाई में साथ देने वाले खाड़ी देशों को चेतावनी दी है। ईरान के नए राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमुख मोहसिन रेजाई ने कहा कि जो देश ईरान पर आर्थिक प्रतिबंध लगाने में अमेरिका का साथ देगा, उसे दुश्मन माना जाएगा। ईरान के एक सीनियर अधिकारी ने दावा किया है कि तेहरान को मक्का एग्रीमेंट में शामिल होने का न्योता मिला है। ईरानी संसद से जुड़े मेहदी रहीमी ने शनिवार को ईरानी न्यूज चैनल अल मयादीन से बातचीत में यह जानकारी दी। रहीमी के मुताबिक, ईरान को इस समझौते में शामिल होने का न्योता मिला है और मामले पर अभी विचार किया जा रहा है।

11 सितंबर को यूएफबीयू की हड़ताल, 4 दिन बंद रहेंगे बंद

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) ने पांच दिन की बैंकिंग व्यवस्था लागू करने में देरी, प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना को लेकर मतभेद और पेंशन संबंधी मुद्दों समेत कई लंबित मांगों को लेकर 11 सितंबर को देशव्यापी हड़ताल करने का फैसला किया है।

अगर हड़ताल होती है तो देश के कई हिस्सों में बैंकिंग सेवाएं, खासकर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की सेवाएं, 4 दिनों तक प्रभावित हो सकती हैं। 11 सितंबर शुक्रवार है और इसके बाद के दो दिन बैंक अवकाश हैं। कुछ राज्यों में 14 सितंबर को गणेश चतुर्थी का अवकाश भी रहेगा। यूएफबीयू 9 बैंक कर्मचारी एवं अधिकारी श्रम संघों का नेतृत्व करता है।

28 सितंबर को भी हड़ताल की चेतावनी

इस शीर्ष संगठन ने 28 सितंबर से 3 दिन की एक और देशव्यापी हड़ताल करने की भी चेतावनी दी है। यह हड़ताल छमाही लेखा बंदी के समय होगी। यूएफबीयू ने कहा कि यदि सरकार और बैंक प्रबंधन उनकी मांगों पर ध्यान नहीं देते हैं तो 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल करने का भी फैसला किया गया है। बयान में कहा गया कि यह फैसला रविवार को हुई बैठक में लिया गया। श्रम संघों के अनुसार, सरकार का उनकी प्रमुख मांगों के प्रति 'नकारात्मक रवैया' रहा है।

काम के घंटों में 40 मिनट की बढ़ोतरी

पांच दिन की बैंकिंग व्यवस्था के मुद्दे पर संगठन ने कहा कि भारतीय बैंक संघ (आईबीए) ने 8 मार्च, 2024 को हस्ताक्षरित 12वें द्विपक्षीय समझौते/नौवें संयुक्त पत्र (नोट) के तहत इस प्रस्ताव पर सहमति जताई थी। इसके तहत सोमवार से शुक्रवार तक काम के घंटों में 40 मिनट की बढ़ोतरी की जानी थी। यूएफबीयू ने कहा कि बाद में इस प्रस्ताव की सरकार से सिफारिश की गई, लेकिन यह दो साल से अधिक समय से लंबित है। यूनियनों ने 'स्केल-IV' और उससे ऊपर के स्तर के बैंक अधिकारियों के लिए सरकार की पीएलआई योजना पर भी आपत्ति जताई है।

कश्मीरी पंडितों को आतंकियों की धमकी

नाम और पते पर भेजे गए लेटर, लिखा हद में रहो, तुम्हारी हर हरकत पर है नजर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आतंकियों ने कश्मीरी पंडितों को दशकों बाद एक बार फिर से धमकाया है और लेटर भेजकर धमकी दी गई है। लेटर भी नाम के साथ पते पर भेजे गए हैं। लेटर में कश्मीरी पंडितों के मकान नंबरों और गली नंबरों तक का जिक्र किया गया है। पूरे नाम-पते के साथ डिटेल में स्टैम्प वगैरा लगाकर लेटर भेजने की प्रक्रिया पूरी की गई है, यानी आतंकियों ने बिना किसी डर के सरेआम कश्मीरी पंडितों को धमकाया है और बुरा अंजाम भुगतने की चेतावनी भी दी गई है।

यूनाइटेड लिबरेशन काउंसिल ने भेजा लेटर

कश्मीर पुलिस और प्रशासन अधिकारियों का कहना है कि लेटर में अहमद बिलाल नामक शख्स के साइन हैं। 2 लेटर भेजे गए हैं, लेकिन किसने और कहां से भेजे हैं? इसका सुराग अभी तक नहीं मिला है, जल्दी पता लगा लेंगे। प्राथमिक जांच के अनुसार, लेटर यूनाइटेड लिबरेशन काउंसिल ने भेजा है, लश्कर-ए-तैयबा का सहयोगी है। जो कश्मीरी पंडितों को धमकाकर डरा रहा है। अब से पहले भी कश्मीरी पंडितों को धमकी भरे लेटर भेजे गए थे, जिनमें फोन नंबर लिखे थे।

लेटर में कश्मीरी पंडितों को गद्दार लिखा

आतंकियों ने लेटर में लिखा है कि कश्मीरी पंडित गद्दार हैं और दिल्ली में बैठे सरकार में शामिल अपने मालिकों के कहने पर, उनके इशारे पर काम कर रहे हैं। जो कश्मीरी पंडित जम्मू-कश्मीर को छोड़कर नहीं गए थे, वे अपने आप को सुरक्षित समझें. लेकिन जो कश्मीरी पंडित जम्मू-कश्मीर छोड़कर चले गए हैं, वे RSS एजेंट बन गए हैं और RSS का एजेंडा चला रहे हैं। पहले भी चेतावनी दी थी, ध्यान रहे कि कश्मीरी पंडितों की हर हरकत पर हमारी नजर है।

कौन हैं कश्मीरी पंडित, क्यों किया पलायन?

कश्मीरी पंडित कश्मीर घाटी के मूल निवासी हैं और हिंदू समुदाय के लोग हैं, जो सारस्वत ब्राह्मण परिवार से ताल्लुक रखते हैं। 1990 के दशक में आतंकवाद और हिंसा के कारण लाखों कश्मीरी पंडितों को कश्मीर घाटी से पलायन करना पड़ा था। कश्मीर घाटी से पलायन के बाद कश्मीरी पंडित जम्मू, दिल्ली और देश के अन्य शहरों में जाकर बस गए थे। आज भी लाखों कश्मीरी पंडित निर्वासितों की जिंदगी जी रहे हैं और कश्मीर वापस आने के नाम तक से डरते हैं।

गेहूं और उसके उत्पादों के निर्यात पर रोक हटी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सरकार ने सोमवार को गेहूं और उसके उत्पादों के निर्यात पर लगी रोक तत्काल प्रभाव से हटा दी। इस कदम से अंतरराष्ट्रीय बाजार में गेहूं की उपलब्धता बढ़ने की उम्मीद है।

दुनिया में गेहूं के दूसरे बड़े उत्पादक देश भारत ने घरेलू कीमतों में बढ़ोतरी पर काबू पाने के लिए मई, 2022 में गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से गेहूं की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर असर देखने का मिला है।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की तरफ से जारी अधिसूचनाओं के मुताबिक, सरकार ने गेहूं के आटे और मैदा, सूजी एवं साबुत गेहूं के आटे जैसे अन्य उत्पादों के निर्यात पर लगी रोक भी हटा दी है। एक अधिसूचना में कहा गया, 'गेहूं की निर्यात नीति को तत्काल प्रभाव से 'प्रतिबंधित' के स्थान पर 'मुक्त' कर दिया गया है।' सरकार ने इस साल फरवरी में 25 लाख टन गेहूं के निर्यात की अनुमति दी थी

केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने अप्रैल में कहा था कि बेमौसम बारिश और प्रमुख गेहूं उत्पादक राज्यों में ओलावृष्टि से फसल को हुए नुकसान के बाद फसल वर्ष 2025-26 में देश का गेहूं उत्पादन 11 से 12 करोड़ टन के बीच रहने का अनुमान है। रोलर फ्लोर मिलर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने इस साल गेहूं का उत्पादन 11.06 करोड़ टन रहने का अनुमान लगाया है, जो हाल में मौसम से हुए नुकसान को ध्यान में रखते हुए भी 2024-25 के 10.96 करोड़ टन के उत्पादन से थोड़ा अधिक है। सरकार के पास 31 मार्च, 2026 तक 2.22 करोड़ टन गेहूं का भंडार मौजूद था।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र व राज्य सरकारों से मांगा जवाब

देश की हर सड़क पर बने अतिक्रमण मुक्त फुटपाथ

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार को एक बड़ा निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि देश में जहां भी सड़कें हैं, वहां पैदल चलने वालों के लिए अलग जगह तय होनी चाहिए। इस जगह पर किसी भी तरह का कब्जा नहीं होना चाहिए। जस्टिस पी एस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने केंद्र सरकार के वकील को इस संबंध में अधिकारियों को जरूरी निर्देश देने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस काम के लिए किसी बड़े बजट या निर्माण की जरूरत नहीं है। सरकार रस्सी या किसी अन्य तरीके से भी पैदल चलने वालों के लिए रास्ता अलग कर सकती है। बस यह सुनिश्चित किया जाए कि गाड़ियां उस रास्ते में न आएं। दुकानों का कब्जा भी नहीं होना चाहिए।

फुटपाथ पर पहला अधिकार किसका?

कोर्ट ने केंद्र को इस पर कदम उठाने के लिए दो हफ्ते का समय दिया है। कोर्ट का कहना है कि पैदल यात्रियों में यह भरोसा होना चाहिए कि वे गाड़ियों के डर के बिना आराम से चल सकते हैं। इससे पहले 19 जून को सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाया था। शीर्ष अदालत ने कहा था कि साफ और सुरक्षित फुटपाथ पर चलना नागरिकों का मौलिक अधिकार है। यह अधिकार अनुच्छेद 19(1)(**d**) के तहत मिलने वाली घूमने-फिरने की आजादी और अनुच्छेद 21 के तहत मिलने वाले जीवन के अधिकार का हिस्सा है।

चलना भी है मौलिक अधिकार

इससे पहले 19 जून को एक दुखद सड़क हादसे के मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। कोर्ट ने कहा था कि फुटपाथ पर सुरक्षित चलना संविधान के अनुच्छेद 19(1)(डी) और अनुच्छेद 21 (जीवन का अधिकार) के तहत नागरिकों का मौलिक अधिकार है। सड़कों पर गाड़ियों की तुलना में पैदल चलने वालों का अधिकार प्राथमिक और पहला है।

लापरवाही पर कानूनी कार्रवाई

सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि नगर निगम, शहरी विकास प्राधिकरण, नगरपालिकाएं और पंचायतें सड़कों और फुटपाथों का रखरखाव करने के लिए जिम्मेदार हैं।

नए रूप में 5 साल और रफ्तार पकड़ेगी पीएमएफएमई योजना

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकीकरण (पीएमएफएमई) योजना के तहत दो लाख इकाइयों को मंजूरी देने का लक्ष्य हासिल होने के बाद इसे 30 सितंबर की मौजूदा अस्थायी समयसीमा से आगे बढ़ाने की संभावना है। योजना को मौजूदा स्वरूप में या संशोधनों के साथ जारी रखा जा सकता है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) ने केंद्रीय योजना को अगले पांच साल (2026-31) तक जारी रखने का प्रस्ताव दिया है। यह अवधि 16वें वित्त आयोग के कार्यकाल के अनुरूप होगी। प्रस्ताव में फिलहाल प्रति इकाई 10 लाख रुपए की सीमा वाली ऋण से जुड़ी सब्सिडी की अधिकतम सीमा बढ़ाने तथा महिला उद्यमियों और पहाड़ी क्षेत्रों में स्थित इकाइयों को प्राथमिकता देने की मांग की गई है।

- 2 लाख इकाइयों का लक्ष्य पूरा होने के बाद योजना को आगे बढ़ाने की तैयारी

दो लाख इकाइयों का लक्ष्य हासिल

पासवान ने लाभार्थियों के उदाहरण देते हुए बताया कि बिहार का एक युवक कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान घर लौटा, उसने इस योजना का लाभ उठाया और अब अपने उत्पादों का निर्यात कर रहा है। वहीं, लद्दाख की एक महिला ने 8,000 रुपए मासिक वेतन से शुरुआत कर कई करोड़ रुपए का कारोबार खड़ा किया है। पासवान ने कहा, ' हमने दो लाख इकाइयों का अपना लक्ष्य हासिल कर लिया है। अभी हमें बहुत लंबा रास्ता तय करना है, हमने अभी शुरुआत ही की है।' उन्होंने राज्यों के बीच अधिक संतुलित भागीदारी की जरूरत पर जोर दिया।

ई-ऑफिस में चली फाइल आसानी से नहीं हो सकेगी रोल बैक, सरकार ने किया साफ

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार का सारा कामकाज ई-आफिस सिस्टम से संचालित है, इससे लाल फीताशाही की गुंजाइश पूरी तरह समाप्त हो गई है, लेकिन इसके साथ ही कुछ नए तकनीकी पेंच भी आए हैं।

■ राज्य सरकार ने जारी किए निर्देश, नई प्रक्रिया से बढ़ेगी पारदर्शिता

दरअसल इस सिस्टम में अगर कोई फाइल चल गई तो उसे फिर से पहली वाली स्थिति में लाना, यानी रोल-बैक करना आसान नहीं होगा। राज्य शासन ने इस स्थिति के मद्देनजर साफ किया है कि ई-ऑफिस में रोलबैक की सुविधा सामान्य प्रक्रिया नहीं होगी, बल्कि इसका उपयोग केवल निर्धारित और औचित्यपूर्ण परिस्थितियों में ही किया जाएगा। राज्य सरकार पिछले कुछ वर्षों से प्रशासनिक कामकाज को पूरी तरह डिजिटल बनाने की दिशा में लगातार कदम उठा रही है। मंत्रालय से लेकर जिला कार्यालयों तक ई-ऑफिस प्रणाली लागू की जा रही है, ताकि फाइलों का संचालन कागजरहित, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से हो सके। इसी क्रम में अब फाइलों को पूर्व स्तर पर वापस भेजने यानी रोलबैक की प्रक्रिया को भी व्यवस्थित करने का प्रयास किया गया है। सरकार पहले भी ई-ऑफिस के माध्यम से कार्य संपादन, डिजिटल हस्ताक्षर, फाइल प्रबंधन और हार्ड कॉपी की निर्भरता कम करने संबंधी कई दिशा-निर्देश जारी कर चुकी है।

रोलबैक व्यवस्था पर शासन सख्त, विशेष परिस्थितियों में ही वापस होगी फाइल

क्या है रोलबैक व्यवस्था?

ई-ऑफिस में रोलबैक का अर्थ किसी फाइल को उसके पहले के स्तर पर वापस भेजना है, ताकि आवश्यक सुधार, अतिरिक्त जानकारी या तकनीकी त्रुटि का निराकरण किया जा सके। शासन के निर्देशों के अनुसार यह सुविधा नियमित कार्यप्रणाली का विकल्प नहीं होगी, बल्कि केवल उचित कारणों और सक्षम अधिकारी की स्वीकृति के बाद ही अपनाई जाएगी। इससे फाइलों की ट्रैकिंग और जवाबदेही भी बनी रहेगी। दस्तावेज में इसी विषय पर विभागों के बीच पत्राचार का उल्लेख है।

डिजिटल गवर्नेंस पर सरकार का फोकस

छत्तीसगढ़ सरकार ने हाल के महीनों में ई-ऑफिस प्रणाली को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। इनमें डिजिटल हस्ताक्षर प्रक्रिया को सरल बनाना, ई-ऑफिस के माध्यम से पत्राचार को प्राथमिकता देना, फाइल प्रबंधन के लिए मानक प्रक्रिया लागू करना तथा मंत्रालय में हार्ड कॉपी फाइलों की निर्भरता समाप्त करने जैसे कदम शामिल हैं। इन पहलों का उद्देश्य प्रशासन को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और समयबद्ध बनाना है।

प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने की पहल

जानकारों का मानना है कि यदि रोलबैक की प्रक्रिया नियंत्रित और नियमबद्ध रहेगी तो फाइलों में अनावश्यक हस्तक्षेप कम होगा तथा प्रत्येक स्तर की जवाबदेही तय रहेगी। इससे विभागों में निर्णय प्रक्रिया अधिक सुव्यवस्थित होगी और ई-ऑफिस प्रणाली की विश्वसनीयता भी बढ़ेगी।

क्या होगा प्रभाव

नई व्यवस्था लागू होने के बाद विभागों में फाइलों को अनावश्यक रूप से पीछे भेजने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगने की उम्मीद है। साथ ही प्रत्येक रोलबैक का रिकॉर्ड ई-ऑफिस प्रणाली में सुरक्षित रहेगा, जिससे निर्णय प्रक्रिया का पूरा डिजिटल ट्रेक उपलब्ध रहेगा। इससे शासन स्तर पर निगरानी आसान होगी और प्रशासनिक पारदर्शिता को भी मजबूती मिलेगी।

तस्करी का नया पैटर्नः वेश बदलकर ट्रेनों में पहुंच रहे तस्कर

आरपीएफ ने बढ़ाया संदिग्ध यात्रियों से पूछताछ का दायरा

पोटलियों में छिपाकर ले जा रहे थे 15.540 किलो गांजा, कीमत 7 लाख से अधिक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

ट्रेनों में गांजा तस्करी करने वाले अब पुलिस और आरपीएफ को चकमा देने के लिए वेश बदलकर सफर करने लगे हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में ऐसा पहला मामला सामने आया है, जिसमें दो आरोपी कांवड़ यात्री बनकर ट्रेन से गांजा लेकर जा रहे थे। आरपीएफ ने निगौरा रेलवे स्टेशन पर दोनों को पकड़कर उनके कब्जे से 15.540 किलो गांजा बरामद किया है। इसकी कीमत 7 लाख रुपए से अधिक बताई गई है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान हंसा नाथ (40) और मनता नाथ उर्फ लंबू (39), दोनों निवासी जिला संगरूर, पंजाब के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान हंसा नाथ के पास से 7.280 किलो और मनता नाथ के कब्जे से 8.260 किलो गांजा बरामद किया गया। आरोपी कांवड़ यात्रियों के वेश में कपड़ों की पोटलियां लेकर सफर कर रहे थे। तलाशी के दौरान इन्हीं पोटलियों से गांजा बरामद हुआ।

अब हर कोच और हर श्रेणी पर नजर

तस्करों द्वारा वेश बदलकर तस्करी किए जाने के बाद आरपीएफ ने निगरानी का दायरा और बढ़ा दिया है। अब केवल स्लीपर कोच ही नहीं, बल्कि फर्स्ट एसी से थर्ड एसी तक सफर करने वाले संदिग्ध यात्रियों पर भी नजर रखी जा रही है। ट्रेनों में भीड़ का फायदा उठाकर तस्करी करने की कोशिशों को रोकने के लिए त्योहारों के दौरान जांच और तेज की जा रही है। आरपीएफ की टीमें यात्रियों के सामान के साथ अधिक सामान और बड़े बैग लेकर चलने वाले यात्रियों की भी जांच कर रही है। संदिग्ध गतिविधियों वाले यात्रियों से पूछताछ की जा रही है। रेलवे सुरक्षा एजेंसियों का फोकस अब तस्करों के बदलते तरीकों और उनके नए पैटर्न की पहचान कर तस्करी पर रोक लगाने पर है।

अब तक 55 लाख का गांजा बरामद

नशीले पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध रायपुर आरपीएफ द्वारा 2026 में लगातार सघन एवं प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। अब तक कार्रवाई में कुल लगभग 55 लाख का गांजा जब्त किया जा चुका है। आरपीएफ की सतर्कता, लगातार निगरानी और विशेष अभियानों के माध्यम से रेलवे परिसर एवं ट्रेनों में नशीले पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने का प्रयास निरंतर जारी है।

रेलवे अफसर स्टेशनों में खुद चख रहे खाने का स्वाद

रायपुर। ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता सुधारने के लिए रेलवे ने विशेष जांच अभियान शुरू किया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर, बिलासपुर और नागपुर मंडल में अधिकारियों की टीमें स्टेशनों पर बिकने वाली खाद्य सामग्री के साथ पेंट्रीकार में तैयार होने वाले खाने की भी जांच कर रही हैं। यह अभियान रेलवे बोर्ड के निर्देश पर देशभर में चलाया जा रहा है। रायपुर मंडल में अभियान की शुरुआत हो चुकी है। जांच के दौरान एक स्टॉल के समोसे के स्वाद में कमी मिलने पर नमूना फूड टेस्ट के लिए भेजा गया है। इसके अलावा प्लेटफॉर्म के स्टॉल और ट्रेनों में उपलब्ध खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, बिक्री व्यवस्था और अन्य मानकों की भी जांच की जा रही है। गुणवत्ता में संदेह होने पर खाद्य पदार्थों के नमूने प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजे जा रहे हैं।

ऑनलाइन शिकायतें ज्यादा, पुस्तिका में एक भी दर्ज नहीं

रेलवे ने सभी खाद्य स्टॉल पर शिकायत पुस्तिका रखने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों की जांच के दौरान अधिकांश स्टॉल पर शिकायत पुस्तिकाएं उपलब्ध मिलीं, लेकिन उनमें यात्रियों की ओर से कोई शिकायत दर्ज नहीं थी। दूसरी ओर, 139 और एक्स के माध्यम से यात्रियों द्वारा खाद्य सामग्री की गुणवत्ता को लेकर शिकायतें लगातार मिलने की बात सामने आई है। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि कई यात्रियों को शिकायत पुस्तिका के बारे में जानकारी नहीं होती।

नहीं दे रहे पुस्तिका- कुछ मामलों में यात्रियों का आरोप है कि मांगने के बावजूद वेंडरों द्वारा शिकायत पुस्तिका उपलब्ध नहीं कराई जाती। ऐसे में रेलवे अधिकारियों की ओर से स्टॉल संचालकों को शिकायत पुस्तिका उपलब्ध रखने और यात्रियों की शिकायत दर्ज कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

पूर्व सीएम बघेल ने स्वीकार की डिप्टी सीएम शर्मा की चुनौती, कहा- बहस के लिए समय और स्थान तय कर लें

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर सियासत तेज हो गई है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा से बहस के लिए चुनौती को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने स्वीकार किया है। उन्होंने कहा, बहस के लिए समय और स्थान तय कर लें। उल्लेखनीय है कि उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने प्रधानमंत्री आवास योजना के आंकड़े सामने रखते हुए कहा था कि प्रदेश में नई सरकार बनने के बाद पहली कैबिनेट बैठक में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत कर निर्माण का निर्णय लिया गया था। उन्होंने दावा किया कि सरकार बनने के बाद अब तक 11 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के मकान पूर्ण किए जा चुके हैं। मंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा था कि यदि वे पीएम आवास के मुद्दे पर किसी भी मंच पर चर्चा करना चाहते हैं तो सरकार इसके लिए तैयार है।

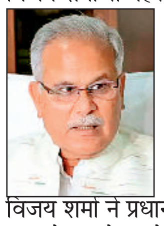

लिखित में झूठ बोलने का आरोप

भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री आवास के आंकड़ों को लेकर विजय शर्मा पर सवाल उठाते हुए कहा, वे लिखित में झूठ बोलते हैं। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में 18 लाख 50 हजार आवास स्वीकृत होने की बात कही गई है, जबकि संसद में अलग आंकड़े बताए जाते हैं। उन्होंने सवाल किया कि आखिर दोनों में सही कौन है?

डिप्टी सीएम की चुनौती मंजूरः भूपेश

वहीं पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने विजय शर्मा की चुनौती स्वीकार करते हुए कहा, मुझे विजय शर्मा की चुनौती मंजूर है। समय और स्थान तय कर लें, मैं बहस करने के लिए तैयार हूं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने किया दावा

पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि प्रदेश में 11 लाख से अधिक आवास पहले ही बनाए जा चुके थे, जिनमें पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल और उनके कार्यकाल के आवास भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में बिलासपुर में हुए एक कार्यक्रम के दौरान करीब 7 लाख आवास स्वीकृत कराए गए थे, जिसमें राहुल गांधी भी शामिल हुए थे।

डिप्टी सीएम शर्मा से किए सवाल

श्री बघेल ने आगे कहा कि 45000 आवास ऐसे थे, जो इनके सर्वे में नहीं थे। हमने 45000 मुख्यमंत्री आवास को स्वीकृति दी। इस तरह कुल 18 लाख 50 हजार हुए। उन्होंने विजय शर्मा से सीधा सवाल करते हुए कहा कि वे यह बताएं कि मौजूदा सरकार ने कितने आवास स्वीकृत किए और उनमें से कितने पूरे किए हैं। उन्होंने दावा किया कि 18 लाख 45 हजार आवास उनके कार्यकाल में ही स्वीकृत हो चुके थे।

राज्य प्रवर्तित योजनाओं से फेरी नजर, 54 निकायों में पांच साल में अरबों के काम अधूरे, सूडा ने सभी को भेजा नोटिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों की राज्य प्रवर्तित योजनाओं को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आई है। राज्य के नगर निगम, पालिकाओं और नगर पंचायतों ने पांच साल में स्वीकृत हुए अलग-अलग तरह के 116 काम पूरे नहीं किए। राज्य शहरी विकास अभिकरण सूडा ने 2018-19 से लेकर 2023-24 तक के कार्यों की समीक्षा की तो ये बात सामने आई है। इन मामलों में 54 निकायों के प्रमुख अधिकारियों को नोटिस जारी किया गया है।

ये है मामला- राज्य शहरी विकास अभिकरण (सूडा) ने इस संबंध में संबंधित निकायों को नोटिस जारी किया है। कहा गया है कि राज्य प्रवर्तित योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2018-19 से लेकर 2023-24 तक स्वीकृत कार्यों की समीक्षा के दौरान पाया गया है कि निकाय अंतर्गत स्वीकृत कार्य निर्धारित अवधि के बाद भी पूरे नहीं किए गए हैं। कहा गया है कि ये अधूरे काम राज्य प्रवर्तित योजना के पोर्टल पर अभी भी निर्माणाधीन प्रदर्शित हो रहे हैं। साथ ही कार्यों की अद्यतन (अपडेट) प्रगति पोर्टल पर अपलोड नहीं की गई है। इस स्थिति से यह प्रतीत होता है कि राज्य शासन के निर्देशों का समुचित पालन नहीं किया गया है तथा कार्यों के क्रियान्वयन एवं मॉनिटरिंग में लापरवाही बरती गई है। संबंधित अधिकारियों से कहा गया है कि स्वीकृत कार्य अब तक निर्माणाधीन होने के संबंध में स्पष्ट जानकारी दें, संतोषजनक उत्तर प्राप्त नहीं होने की स्थिति में उपलब्ध दस्तावेज के आधार पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

अरबों रुपए के काम अधूरे

खास बात ये है कि राज्य प्रवर्तित योजना के ये काम अरबों रुपयों के हैं। किसी निकाय में 10-20 लाख से लेकर 50 लाख तक के हैं। ज्यादातर निकायों में ये काम 1 या 2 की संख्या में अधूरे हैं, लेकिन सबसे अधिक 20 काम बिलासपुर निगम के हैं। इसके अलावा कई निकायों में 4 से लेकर 6 काम पूरे नहीं हुए हैं।

इन निकायों को नोटिस

जिन निकायों को नोटिस भेजा गया है, उनमें नगर निगम चिरमिरी, भिलाई-चरोदा, अंबिकापुर, दुर्ग, धमतरी, बिलासपुर शामिल हैं। इसके अलावा नगरपालिका, नगर पंचायतें शामिल हैं, इनमें बिलाईगढ़, साजा, डभरा, कवर्धा, बलौदाबाजार, बरमकेला, नवागढ़, सीतापुर, समोदा, भोपालपट्टनम, डौंडी, थान खम्हरिया, डौंडीलोहारा, धमधा, तुमगांव, पिथौरा, कांकेर, दल्लीराजहरा, मंदिर हसौद, अहिवारा, बेमेतरा, बालोद, बागबहारा, मनेंद्रगढ़, माना कैंप, सारंगढ़, पेंड्रा, घरघोड़ा, गुंडरदेही, डोंगरगढ़, जांजगीर, कुरुद, खैरागढ़, गौरेला, भाटापारा, आरंग, नरहरपुर, फरसगांव, पथरिया, पखांजूर, चारामा, चंद्रपुर, कुनकुरी, अंबागढ़ चौकी, उतई और खोंगापानी को नोटिस जारी किए गए हैं।

जनवरी में पकड़े गए दो बांग्लादेशी नागरिक डिपोर्ट के लिए भेजे

रायपुर। टिकरापारा थाना क्षेत्र के संजय नगर क्षेत्र से जनवरी में पकड़े गए दो बांग्लादेशी नागरिक, जिनमें एक 63 साल की महिला तथा 19 साल का युवक है, दोनों को पुलिस डिपोर्ट करने रविवार को पश्चिम बंगाल, मालदा के लिए रवाना हुई। मालदा पुलिस के सुपुर्द करने के बाद टीम वापस रायपुर लौटेगी। इसके बाद डिपोर्ट करने की आगे की प्रक्रिया मालदा पुलिस करेगी।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड
(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम) CIN 040308CT20035GC015820
कार्या. कार्यपालन अभियंता 400 के.व्ही. उपकेन्द्र संभाग छ.स्टे.पा.ट्रांस.कं.लिमि, बिलासपुर (धरदेही)
क्र.34–00/NIT/286 धरदेही, दिनांक 24.08.2026
//निविदा आमंत्रण सूचना//

कार्यपालन अभियंता 400 के.व्ही. उपकेन्द्र संभाग छ.स्टे.पा.ट्रांस.कं.लिमि. बिलासपुर (धरदेही) द्वारा शिफ्ट प्रबंधन एवं कार्यालयीन कार्यो के लिए वाहन चालक सहित एक नग वाहन SUV Category (earlier Jeep) श्रेणी तथा समकक्ष वाहन के अस्थाई अल्पकालीन अनुबंध पर (01 वर्ष) हेतु पंजीकृत/उपयुक्त ठेकेदारों के मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैः–

क्रमांक	कार्य का विवरण	निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि व समय
1.	कार्यपालन अभियंता 400 के.व्ही. उपकेन्द्र संभाग छ.स्टे. पा.ट्रांस.कं.लिमि. बिलासपुर (धरदेही) में शिफ्ट प्रबंधन एवं कार्यालयीन कार्यो के लिए वाहन चालक सहित एक नग वाहन SUV Category (earlier Jeep) श्रेणी तथा समकक्ष वाहन के अस्थाई अल्पकालीन अनुबंध पर (01 वर्ष) हेतु	दिनांक 15.09.2026 समय 17:00 बजे तक

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाईट www.cspc.co.in से डाउनलोड की जा सकती है।
उपरोक्त निविदा में किसी भी प्रकार के संशोधन अथवा तिथि विस्तार आदि की सूचना केवल विभागीय वेबसाईट पर ही प्रकाशित की जावेगी।
SAVE ELECTRICITY
कार्यपालन अभियंता 400 के.व्ही.उपकेन्द्र संभाग, छ.स्टे.पा.ट्रांस.कं.लिमि. बिलासपुर (धरदेही)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायगढ़ (छ.ग.)
क्रमांक 2478/न.पा.नि./2026 रायगढ़ दिनाँक 24.08.26
ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना
नगर पालिक निगम, रायगढ़ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	सि.नि. क्र.	कार्य का विवरण	अनु. लागत राशि रू. (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	198187	CONSTRUCTION OF STORM WATER DRAIN (NAALA) INFRONT OF OLD SARANGARH BUS STAND AT W.N. 31	18.27	16.09.2026
2	198189	CONSTRUCTION OF RCC RETAINING WALL NALA AT IRANI BASTI W.N. 34/36	50.00	16.09.2026
3	198203	CONSTRUCTION OF STORM WATER DRAIN FROM MITTHUMUDA TALAB TO SAMUDAYIK BHAVAN AT W.N. 37/36	50.00	16.09.2026
4	198210	CONSTRUCTION OF STORM WATER DRAIN NEAR MAHAPAUR HOUSE AT W.N. 38	27.00	16.09.2026
5	198221	CONSTRUCTION OF DRAIN & BOX CULVERT FROM KRISHNA VATIKA AT W.N. 48	47.02	16.09.2026
6	198244	वार्ड क्र. 08 रामपुर तिराहा के पास सामुदायिक भवन निर्माण कार्य।	75.39	16.09.2026
7	198247	CONSTRUCTION OF RCC DRAIN FROM MANOJ HOUSE TO NATIONAL HIGHWAY AT W.N. 34 (4th Call)	47.64	07.09.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।
कार्यपालन अभियंता, न.पा.नि., रायगढ़

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION CO. LTD.
OFFICE OF THE EXECUTIVE DIRECTOR (S&P-Gen)5th Floor, Vidyut Sewa Bhawan, Danganiya, Raipur– Pin 492013
Phone : 0771-2574451/ /61 Fax : 0771-2574458; e-mail : cesnp.cspgcl@cspc.co.in web site : www.cspc.co.in
E-TENDER NOTICE NO. 03-03/ TN-215/26-27/ (Rfx. No. 8100053867)
Online bids are invited by the undersigned through CSPCL e-bidding system (SAP SRM) from Experienced & reputed contractors for Supply/ work as mentioned below:-

Sl. No.	Tender Specification	Description	Tender Fee (Rs,)	EMD Amount	Due date & time for bid submission
1.	Tender No.03-03/ TN-215/DP-271/26-27/ (Rfx. No. 8100053867) [Without RLA]	Supply of Package Air Conditioner Industrial type 10 Tr.with Air cooled circuit along with all Accessories and Ducting material for VFD panel installed for CEP 650 KW motor, DSPM TPS Korba.	Rs.500 + 18 % GST = Rs.590/-	Rs.24745/-	11.09.2026 Upto 15:00 Hrs

The details of NIT can be viewed from our website **http://www.cspc.co.in/cspgcl.** The Tender Documents (qualifying requirements and other details of the tender) can be viewed and downloaded online from our e-bidding portal: – https://ebidding.cspcl.co.in:50724/irj/portal. Any amendment/ corrigendum, including bid submission & opening date, if required, will be displayed on our website only.
SAVE ELECTRICITY
EXECUTIVE DIRECTOR(S&P:GEN)
CSPGCL:RAIPUR

राशिफल

मेष कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में व्यवधान आ सकते हैं, खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष कार्यों के प्रति उत्साह रहेगा, परंतु बातचीत में संतुलित रहें। मन अशांत रहेगा, धर्म-कर्म के प्रति रूझान बढ़ेगा। खर्चों में वृद्धि होगी, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मिथुन अपनी भावनाओं को वश में रखें, आत्मविश्वास में कमी आएगी। क्रोध के अतिरेक से बचें, पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती है।

कर्क आत्मविश्वास में कमी आएगी, शांत रहें। सुस्वाद खान-पान में रुचि बढ़ेगी, संचित धन में कमी आएगी, लेखनादि, बौद्धिक कार्यों से धर्नाजन हो सकता है।

सिंह पठन-पाठन में रुचि रहेगी, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, संपत्ति का विस्तार हो सकता है।

कन्या नौकरी में परिवर्तन के साथ दूसरे स्थान पर भी जाना पड़ सकता है। आयात-निर्यात कारोबार में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला आलस्य की अधिकता रहेगी, घर-परिवार की सुख सुविधाओं का विस्तार होगा। जीवन साथी से मनमुटाव हो सकता है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

वृश्चिक वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे, वस्त्रों आदि के प्रति रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। संचित धन में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं।

धनु रहन-सहन में असहज रहेंगे, मीठे खान-पान की ओर रूझान बढ़ेगा। संपत्ति से आय में बढ़ोत्तरी हो सकती है, नौकरी में स्थान परिवर्तन संभव है।

मकर आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, अध्ययन में रूचि रहेगी। संपत्ति के रखरखाव पर खर्चे बढ़ सकते हैं। चिकित्सा कार्यों में खर्च बढ़ सकते हैं।

कुंभ परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाना हो सकता है। खान-पान के प्रति सचेत रहें, स्वास्थ्य में गड़बड़ी हो सकती है।

मीन रहन-सहन कष्टकारी हो सकता है, अफसरों का सहयोग मिलेगा। परिवार का भी सहयोग मिलेगा, वस्त्रों आदि पर खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

शब्द पहेली - 6327

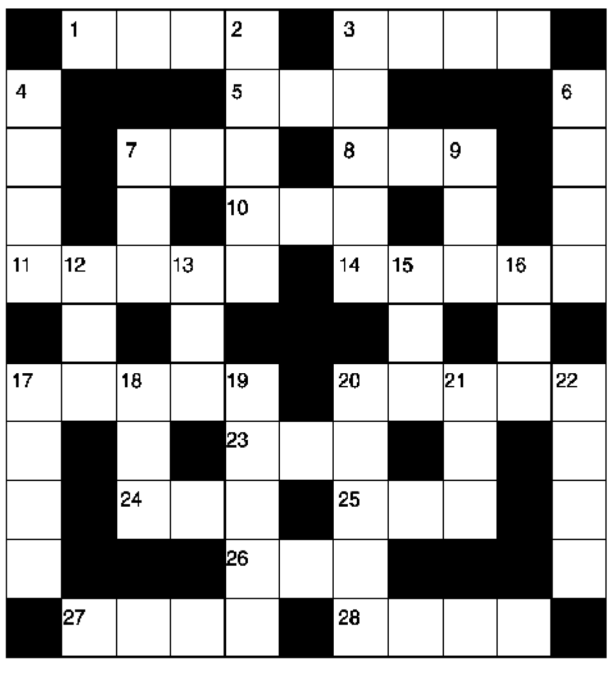

बाएँ से दाए-
1. छुट्टी, रजा-4
3. वध, आघात-4
5. दशानन-3
7. अनमोल, अनूठा-3
8. अनाथ, बेसहारा-3
10. खजूर-3
11. रहम करना-2,3
14. गहराई नापना-2,3
17. लगातार, सतत-5
20. संतुष्ट होना-2,3
23. बीच में, दौरान-3
24. खुश, आनंदित-3
25. शिक्षा-3
26. शोक-3
27. जांचना, परखना-4
28. धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे
2. मयखाना, मधुशाला-5
3. प्रेमकहानी-5
4. चापलूसी-4
6. नटना, वचन तोड़ना-4
7. फिजूल, व्यर्थ-3
9. अव्यवस्थित समूह, भीड़-3
12. गुजर करना-3
13. वेग, गति-3
15. खूबसूरत-3
16. पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17. गुजारिश, मांग-4
18. सुअर-3
19. गुस्सा होना-5
20. ममतापूर्ण-5
22. अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली -6326 का हल

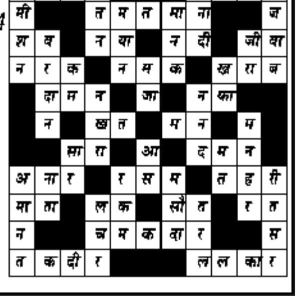

सूडोकु नवताल - 6337

★★★★★ कठिनतम

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

■ MANGAL SENACHA, BANGALORE

सूडोकु नवताल - 6336 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

- ■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- ■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

बीते 10 साल में यूपीआई बना डिजिटल भुगतान का आधार, लेनदेन 13,000 गुना बढ़ा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) पिछले 10 साल में देश के डिजिटल भुगतान व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी बनने के साथ-साथ वास्तविक समय में भुगतान के लिए वैश्विक मानक बन गया है।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि यूपीआई ने 25 अगस्त, 2016 को शुरू होने के बाद से देश के डिजिटल भुगतान क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव लाया है। यूपीआई के जरिए सालाना लेनदेन की संख्या बढ़कर 2025-26 में 24,162 करोड़ से अधिक हो गई जबकि 2016-17 में यह 1.78 करोड़ थी। यानी इसमें करीब 13,000 गुना वृद्धि हुई है। इसी अवधि में लेनदेन का मूल्य 4,000 गुना से अधिक की वृद्धि के साथ बढ़कर करीब 314 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो 2016-17 में 7,000 करोड़ रुपए था।

11 देशों में काम कर रहा यूपीआई

घरेलू भुगतान व्यवस्था के रूप में शुरू हुआ यूपीआई अब सीमा पार डिजिटल लेनदेन के मंच के रूप में भी विकसित हुआ है। वर्तमान में यह संयुक्त अरब अमीरात, फ्रांस, भूटान, श्रीलंका, नेपाल, सिंगापुर, मॉरीशस, कतर, कंबोडिया, यूनान और मालदीव समेत 11 देशों में काम कर रहा है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि यूपीआई का अगला दशक भारत के डिजिटल भुगतान क्षेत्र में और बड़े बदलाव लाने के लिए तैयार है। सरकार का लक्ष्य नए उपयोगकर्ताओं और व्यापारियों को यूपीआई से जोड़कर नीतिगत समर्थन, तकनीकी प्रगति और वित्तीय समावेश के जरिए डिजिटल भुगतान व्यवस्था को और मजबूत करना है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली मान्यता

लेनदेन की संख्या और मूल्य में वृद्धि देश के बार-बार होने वाले खुदरा भुगतान में यूपीआई की बढ़ती भूमिका को भी दर्शाती है। यूपीआई की व्यापक पहुंच, विश्वसनीयता और विभिन्न भुगतान प्रणालियों के साथ तालमेल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मान्यता मिली है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने इसे लेनदेन की संख्या के लिहाज से दुनिया की सबसे बड़ी वास्तविक समय वाली भुगतान प्रणाली बताया है। आईएमएफ के अनुसार, 2025 में वैश्विक वास्तविक समय भुगतान लेनदेन में यूपीआई की हिस्सेदारी करीब 49 प्रतिशत रही। यूपीआई रोजाना 66 करोड़ से अधिक लेनदेन को सुलभ बनाता है और भारत में प्रमुख भुगतान नेटवर्क बन चुका है।

24,162 करोड़ यूपीआई लेनदेन हुए

वित्त मंत्रालय ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में 24,162 करोड़ यूपीआई लेनदेन हुए, जो देश में रोजमर्रा के डिजिटल भुगतान में इसकी गहरी पैठ को दर्शाता है। इसमें व्यापारियों से जुड़े लेनदेन में भी मजबूत वृद्धि देखी गई। यूपीआई भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का एक प्रमुख आधार बन गया है। यह एक ही माध्यम से व्यक्ति-से-व्यक्ति और व्यक्ति-से-व्यापारी भुगतान की सुविधा देने वाला, विभिन्न प्रणालियों के बीच काम करने वाला और वास्तविक समय का मंच है। इसने डिजिटल वित्तीय सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने, डिजिटल अंतर को कम करने और वित्तीय समावेश को मजबूत करने में भी मदद की है। इसके जरिए देशभर में लोग, कारोबारी और व्यापारी डिजिटल अर्थव्यवस्था से जुड़ सके हैं।

2026 यूपीआई की वृद्धि यात्रा में महत्वपूर्ण पड़ाव

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की निगरानी में भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) की ओर से विकसित यूपीआई ने पिछले 10 वर्षों में लेनदेन की संख्या और मूल्य, दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। बयान के अनुसार, वर्ष 2026 यूपीआई की वृद्धि यात्रा में महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुआ। मई, 2026 में पहली बार एक महीने में लेनदेन की संख्या 2,320 करोड़ पहुंच गई। यह रफ्तार जुलाई में भी जारी रही और इस महीने 2,366 करोड़ लेनदेन हुए, जो यूपीआई के एक दशक के इतिहास में एक महीने में सबसे अधिक लेनदेन है। यूपीआई से जुड़े बैंकों और वित्तीय संस्थानों की संख्या भी लगातार बढ़ी है। संचालन के पहले वर्ष 2016-17 में 44 बैंक यूपीआई से जुड़े थे, जिनकी संख्या 2025-26 में बढ़कर 703 हो गई।

जून तिमाही में हवाई यात्री सेवाओं की मुद्रास्फीति बढ़ीं, रेल सेवा हुई महंगी

आसमान छूना हुआ महंगा, हवाई सफर में 32 प्रतिशत की ऐतिहासिक महंगाई

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में हवाई यात्री सेवाओं में 32 प्रतिशत की मुद्रास्फीति दर्ज की गई। सोमवार को सात प्रमुख सेवाओं के लिए मुद्रास्फीति के आंकड़े जारी किए गए, जिनमें यह मूल्य वृद्धि की सबसे ऊंची दर है।

सरकार ने सोमवार को वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के लिए सात प्रमुख सेवाओं - बैंकिंग, प्रतिभूति लेनदेन, बीमा, पेंशन कोष प्रबंधन, रेलवे, हवाई यात्रा (यात्री) और दूरसंचार - के अस्थायी सेवा उत्पादक मूल्य सूचकांक (सेवा पीपीआई) जारी किए, जिसका आधार वर्ष 2022-23 है।

बैंकिंग सेवा मूल्य सूचकांक में अवस्फीति दर्ज

बैंकिंग सेवा मूल्य सूचकांक और प्रतिभूति लेनदेन सेवा मूल्य सूचकांक में जून तिमाही के दौरान क्रमशः 3.35 प्रतिशत और 1.32 प्रतिशत की अवस्फीति दर्ज की गई। पिछली मार्च तिमाही में इनमें क्रमशः 4.10 प्रतिशत और 0.55 प्रतिशत की मुद्रास्फीति रही थी। पेंशन कोष, बीमा और दूरसंचार क्षेत्रों के सूचकांकों में जून तिमाही के दौरान क्रमशः 5.20 प्रतिशत, 0.98 प्रतिशत और 0.72 प्रतिशत की मुद्रास्फीति दर्ज की गई। सरकार आगे चलकर सेवा पीपीआई आंकड़ों में और अधिक सेवाओं को भी शामिल करेगी।

पीपीआई मुद्रास्फीति के अंतिम अनुमान शामिल

इन आंकड़ों में वित्त वर्ष 2025-26 की मार्च तिमाही के लिए सेवा पीपीआई मुद्रास्फीति के अंतिम अनुमान भी शामिल हैं। सेवा पीपीआई किसी सेवा के उत्पादन पर उत्पादकों द्वारा प्राप्त औसत मूल्यों में होने वाले बदलाव को मापता है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, हवाई (यात्री) सेवा मूल्य सूचकांक में वार्षिक आधार पर 31.94 प्रतिशत की वृद्धि हुई। चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में रेलवे यात्री सेवा मूल्य सूचकांक में वार्षिक मुद्रास्फीति 3.50 प्रतिशत बढ़ी, जो वित्त वर्ष 2025-26 की मार्च तिमाही के समान है। बैंकिंग सेवा अंशदान क्षेत्र में मुद्रास्फीति वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 6.90 प्रतिशत रही, जो वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 3.30 प्रतिशत थी।

95.74 प्रति डॉलर पर रुपया

मुंबई। अमेरिकी मुद्रा में मजबूती और घरेलू बाजारों में कमजोरी के बीच रुपया शुरुआती बढ़त गंवाकर सोमवार को 3 पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.74 (अस्थायी) पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर-रुपए की जोड़ी सीमित दायरे में कारोबार करती रही। ब्रेंट कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, आयातकों की ओर से डॉलर की निरंतर मांग और ईरान को निशाना बनाने वाले अमेरिका के नए प्रतिबंधों को लेकर सतर्क रुख से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.65 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 95.64 के उच्च स्तर तक गया और 95.75 के निचले स्तर तक आया। अंत में यह 95.74 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा जो पिछले बंद भाव से तीन पैसे की गिरावट है। रुपया शुक्रवार को तीन पैसे की मामूली बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.71 पर बंद हुआ था। मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, 'अमेरिका और ईरान के बीच अनिश्चितता के कारण रुपये में हल्का नकारात्मक रुख रहने के आसार हैं। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें भी रुपये पर दबाव डाल सकती हैं। हालांकि, ब्याज दर में बढ़ोतरी की संभावना घटने से अमेरिकी डॉलर में कुल मिलाकर कमजोरी रुपए को निचले स्तर पर समर्थन दे सकती है। डॉलर के मुकाबले रुपये का हाजिर भाव 95.50 से 96 के दायरे में रहने का अनुमान है।' इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.18 प्रतिशत बढ़कर 98.98 पर रहा।

ललिता ज्वेलरी मार्ट का शेयर सूचीबद्ध

नई दिल्ली। आभूषण खुदरा कारोबार से जुड़ी कंपनी ललिता ज्वेलरी मार्ट लिमिटेड का शेयर अपने 201 रुपए के निर्गम मूल्य के मुकाबले 32 प्रतिशत की बढ़त के साथ सोमवार को शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर कंपनी का शेयर निर्गम मूल्य से 31.99 प्रतिशत चढ़कर 265.30 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ। एनएसई पर इसने 31.84 प्रतिशत की बढ़त के साथ 265 रुपए पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 14,462.90 करोड़ रुपए रहा। ललिता ज्वेलरी मार्ट के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पिछले सप्ताह बुधवार को बोली के अंतिम दिन 62.97 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 190-201 रुपए प्रति शेयर तय किया गया था।

- कीमत में 1.10 लाख रुपए से लेकर 1.13 लाख रुपए तक की बढ़ोतरी की

विनफास्ट ने बढ़ाई वीएफ 7 इलेक्ट्रिक एसयूवी की कीमत

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग को देखते हुए कई निर्माताओं की ओर से इलेक्ट्रिक सेगमेंट में कई विकल्प ऑफर किए जा रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक विनफास्ट ने वीएफ 7 एसयूवी की कीमत को बढ़ा दिया है। इसकी कीमत में कितनी बढ़ोतरी की है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक विनफास्ट की ओर से अपनी वीएफ 7 इलेक्ट्रिक एसयूवी की कीमत में बढ़ोतरी कर दी है। निर्माता की ओर से इसकी कीमत में तुरंत प्रभाव से बढ़ोतरी की है। जानकारी के मुताबिक इस एसयूवी की कीमत में 1.10 लाख रुपए से लेकर 1.13 लाख रुपए तक की बढ़ोतरी की गई है। यह बढ़ोतरी अलग अलग वेरिएंट पर अलग अलग की गई है।

दमदार फीचर्स

निर्माता की ओर से इस एसयूवी में एज-टू-एज पैनोरमिक ग्लास रूफ, फ्रंट सीट वेंटिलेशन और वीगन लेदर अपहोल्स्ट्री, रियर एसी वेंट, ड्यूल-जोन ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, 6-वे पावर-एडजस्टेबल ड्राइवर सीट, पारंपरिक इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर की जगह कलर्ड हेड-अप डिस्प्ले और वायरलेस स्मार्टफोन चार्जिंग पैड जैसे फीचर्स दिए हैं।

22.99 लाख हुई कीमत

बढ़ोतरी के बाद अब इस एसयूवी की कीमत 22.99 लाख रुपए से शुरू हो रही है। इसके टॉप वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 28.09 लाख रुपए है।

ज़ेड ब्लैक अगरबत्ती 'कौन बनेगा करोड़पति' सीजन 18 के साथ बना एसोसिएट स्पॉन्सर

मुंबई। मैसूर दीप परफ्यूमरी हाउस के प्रमुख पूजा सामग्री और सुगंध ब्रांड्स में से एक जेड ब्लैक अगरबत्ती 'कौन बनेगा करोड़पति' सीजन 18 के साथ एसोसिएट स्पॉन्सर के रूप में जुड़ा है। त्योहारी सीजन के दौरान हुई इस साझेदारी के जरिए ब्रांड अपने 'प्रार्थना होगी स्वीकार' अभियान को देश के सबसे लोकप्रिय टेलीविजन शो में से एक के माध्यम से लाखों भारतीय घरों तक पहुँचाएगा। दो दशकों से अधिक समय से 'कौन बनेगा करोड़पति' उम्मीद, दृढ़ता और सपनों से जुड़ी कहानियों के जरिए कई पीढ़ियों को प्रेरित करता आया है और देश के सबसे भरोसेमंद व लोकप्रिय टेलीविजन शो में अपनी जगह बना चुका है। इस साझेदारी के जरिए जेड ब्लैक उपभोक्ताओं के साथ अपने जुड़ाव को और मजबूत करना चाहता है। मैसूर दीप परफ्यूमरी हाउस के निदेशक अंकित अग्रवाल ने कहा कि इस त्योहारी सीजन में सोनी एंटरटेन मेंट टेलीविजन पर 'कौन बनेगा करोड़पति' सीजन 18 के साथ एसोसिएट स्पॉन्सर के रूप में जुड़कर हमें बेहद खुशी हो रही है। मैसूर दीप पर फ्यूमरी हाउस के निदेशक अंशुल अग्रवाल ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर मौजूदगी और लंबी अवधि के विकास की सोच रखने वाले ब्रांड के रूप में हम मीडिया प्लेट फॉर्म्स को सिर्फ तुरंत ज्यादा लोगों तक पहुँचने के माध्यम के तौर पर नहीं देखते, बल्कि यह भी देखते हैं कि वे लंबे समय तक उपभोक्ताओं के बीच ब्रांड की प्रासंगिकता बनाए रखने में कितने प्रभावी हैं। हमारी रणनीति संतुलित मीडिया पोर्टफोलियो बनाने की है। हम स्थापित राष्ट्रीय प्लेटफॉर्म्स की मजबूत पहुँच का लाभ उठाने के साथ चुनिंदानए फॉर्मेट्स में भी निवेश करेंगे। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया के प्रवक्ता ने कहा केबीसी परिवारों को ज्ञान, सपनों और आगे बढ़ने की कहानियों के साथ जोड़ता है। क्रिकेट दिग्गज एमएस धोनी के साथ लंबे समय से चली आ रही साझेदारी ने उपभोक्ताओं के बीच ब्रांड के प्रति भरोसे और पहचान को और मजबूत किया है। आज जेड ब्लैक भारत के प्रमुख पूजा सामग्री ब्रांड्स में शामिल है।

आईएचसीएल में विलय होंगे ओरिएंटल होटल्स

नई दिल्ली। टाटा समूह की कंपनी इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड ने कहा कि ओरिएंटल होटल्स लिमिटेड का आईएचसीएल में विलय शेयर के लेनदेन के जरिए किया जाएगा। इस संबंध में ओरिएंटल होटल्स और आईएचसीएल के निदेशक मंडलों ने विलय की योजना को मंजूरी दे दी है। विलय योजना के तहत 117 ओरिएंटल होटल्स के शेयर के बदले आईएचसीएल के 25 शेयर दिए जाएंगे। लेनदेन को वित्त वर्ष 2027-28 की दूसरी छमाही में पूरा करने का लक्ष्य है। आईएचसीएल के सीईओ पुनीत चटवाल ने कहा, 'मूल्य सृजन, समूह की संरचना को सरल बनाने और ओरिएंटल होटल्स के खंड की पूरी क्षमता का लाभ उठाने के लिए हमारी 'एक्सेलरेट 2030' रणनीति के अनुरूप आईएचसीएल और ओएचएल के निदेशक मंडलों ने इस विलय को मंजूरी दी है।' ओरिएंटल होटल्स, आईएचसीएल की सहयोगी कंपनी है। कंपनी के पास 825 कमरों वाले सात होटल हैं।

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, खारंग जल संसाधन संभाग, बिलासपुर, जिला - बिलासपुर (छ.ग.)

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

निविदा सूचना क्र. 07/व.ले.लि./2026-27, दिनांक 21.08.2026

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 15.09.2026, 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है:-

कार्य का नाम:- पोंडी सरवानी जलाशय के नहर सीमेंट कांक्रीट लाईनिंग एवं रिमॉडलिंग कार्य।

निविदा सिस्टम क्रं. 198053, अनुमानित लागत रू. 246.90 लाख (जी.एस.टी. छोडकर) (निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर. दिनांक 01.05.2025 एवं संशोधित 08.08.2025 के आधार पर)

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 31.08.2026 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

नोट: 1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य हैं। 2. निविदाकार को इस निविदा में वर्ष 2025 में जारी किए गये Pre Bid Qualification certificate (Valid up to 30.09.2026) का उपयोग अनिवार्य है। 3. निविदाकार द्वारा अपने वित्तीय प्रस्ताव में जी.एस.टी. छोडकर निविदा भरा जाना है।

कार्यपालन अभियंता
खारंग जल संसाधन संभाग, बिलासपुर (छ.ग.)
जी. 262702915/1

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता
महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्रमांक 198030/निविदा सूचना क्रमांक 04/वलेलि/2026-27, बेमेतरा, दिनांक 21.08.2026 निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 11.09.2026 समय 17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :

कार्य का नाम : बेमेतरा जिले के टेंगना व्यपवर्तन योजना का जीर्णोद्धार एवं सी.सी. लाईनिंग कार्य, 04 नग व्ही.आर.बी. एवं 05 नग कोलाबा सहित ।

अनुमानित लागत : रूपये 418.33 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 28.08.2026 समय 17:31 बजे से देखे तथाडाउनलोड किये जा सकते हैं।

नोट: निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, बेमेतरा कृते मुख्य अभियंता, महानदी गोदावरी कछार
जल संसाधन विभाग, रायपुर, (छ.ग.)
जी.262702932/2

दुग्ध विज्ञान एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय
दाऊ श्री वासुदेव चन्द्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) 492012
Website: www.dsvekvdurg.ac.in,
Email id: cdsftdean@gmail.com, Tel: 0771-4023604

क्र./ दु.वि.खा.प्रौ.महा./ शैक्ष./2026-27/1533
रायपुर, दिनांक 24/08/2026

सूचना
बी.टेक. (डेयरी टेक्नोलॉजी)
स्नातक पाठ्यक्रम 2026-27 की प्रवेश सूचना

दुग्ध विज्ञान एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, रायपुर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिये बी.टेक. (डेयरी टेक्नोलॉजी) पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु द्वितीय चरण की काउंसिलिंग के लिये अभ्यर्थी दिनांक 25/08/2026 से 30/08/2026 तक निर्धारित पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। पंजीयन के आधार पर प्रवेश प्रक्रिया दिनांक 07/09/2026 को दुग्ध विज्ञान एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, रायपुर में प्रातः 10:00 बजे प्रारंभ होगी। प्रवेश प्रक्रिया में PET और PAT परीक्षा में सम्मिलित छात्र-छात्राओ के अतिरिक्त भौतिकी, रसायन एवं गणित/ जीव विज्ञान विषय समूह में कक्षा 12वीं उत्तीर्ण छ.ग. राज्य के अभ्यर्थीयों सहित अन्य राज्यों के अभ्यर्थीगण को भी प्रवेश की पात्रता होगी (पी.ई.टी. एवं पी.ए.टी. मेरिट पश्चात छ.ग. राज्य के 12वीं उत्तीर्ण अभ्यर्थीयों को प्राथमिकता)। प्रवेश प्रक्रिया की संपूर्ण जानकारी विश्वविद्यालय के वेबसाईट https://dsvckvdurg.ac.in व https://cgkvmis.cg.nic.in पर उपलब्ध हैं।

संवाद- 48850 अधिष्ठाता

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता
महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्रमांक 198147/ निविदा सूचना क्रमांक 03/वलेलि/2026-27, कवर्धा, दिनांक 24.08.2026 निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 15.09.2026 समय 17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :

कार्य का नाम : कबीरधाम जिले के विकासखण्ड सहसपुर लोहारा की सुतियापाट जलाशय मध्यम परियोजना के अंतर्गत बांयी तट नहर के आर.डी. 0 मीटर से आर.डी. 3150 मीटर तक मिट्टी कार्य के साथ आर.सी.सी. ओपन चैनल का निर्माण, 06 नग व्ही.आर.बी. एवं 09 नग फाल तथा कोलाबा पाईप लगाने सहित निर्माण कार्य।

अनुमानित लागत : रूपये 282.72 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 31.08.2026 समय 17:31 बजे से देखे तथाडाउनलोड किये जा सकते हैं।

नोटः निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, कवर्धा, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)
कृते, मुख्य अभियंता, महानदी गोदावरी कछार
जल संसाधन विभाग, रायपुर, (छ.ग.)
जी.262702943/5

छत्तीसगढ़ शासन
महिला एवं बाल विकास विभाग
मंत्रालय
महानदी भवन, नवा रायपुर, अटल नगर, छ.ग.

"माता बहादुर कलारिन सम्मान" वर्ष 2026 प्रविष्टियों के आमंत्रण हेतु सूचना

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष, नारी उत्थान हेतु अभूतपूर्व कार्य करने वाली राज्य की महिला को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से प्रतिवर्ष ₹माता बहादुर कलारिन सम्मान₹ प्रदान किया जाना है। इसके तहत एक महिला को 2 (दो) लाख रूपये की राशि तथा प्रशस्ति पट्टिका सम्मान के रूप में प्रदान किया जावेगा। इस पुरस्कार हेतु वर्ष 2026 के लिए प्रविष्टियाँ आमंत्रित है। प्रविष्टियाँ निम्नलिखित अपेक्षाओं की पूर्ति करते हुए प्रस्तुत की जावे :-

1. महिला का पूर्ण परिचय।
2. महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष, नारी उत्थान हेतु अभूतपूर्व कार्य करने वाली महिला को प्रोत्साहन के क्षेत्र में किये गये मय सेवा कार्यों की सप्रमाण विस्तृत जानकारी। यह प्रमाण पत्र भी संलग्न करना होगा कि उपलब्धि वास्तविक तथ्यों पर आधारित है।
3. यदि कोई अन्य पुरस्कार प्राप्त किया हो तो उसका विवरण।
4. उत्कृष्ट सेवा कार्य के विषय में कोई प्रतिवेदन प्रकाशित हुआ हो तो उसका विवरण एवं प्रकाशित प्रतिवेदन की एक-एक छायाप्रतियाँ।
5. महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष, नारी उत्थान हेतु अभूतपूर्व कार्य करने वाली महिला को प्रोत्साहन प्रख्यात पत्र/पत्रिकाओं तथा संस्थाओं द्वारा की गई टिप्पणियों की छायाप्रतियाँ/सत्य प्रतिलिपियाँ।
6. अन्य सुसंगत दस्तावेज, जो आवश्यक हो।
7. चयन होने की दशा में पुरस्कार ग्रहण करने के बारे में महिला की लिखित सहमति। यह सम्मान किसी भी महिला को केवल एक बार ही प्राप्त हो सकेगा। शासकीय सेवक इस सम्मान के लिए पात्र नहीं होगें।

प्रविष्टियाँ सम्बन्धित जिला कार्यालय, महिला एवं बाल विकास विभाग को दिनांक 25 सितम्बर 2026 तक प्रस्तुत की जा सकेगी। प्रविष्टि सीलबन्द लिफाफे में प्रस्तुत की जावे एवं लिफाफे के ऊपर "माता बहादुर कलारिन सम्मान" वर्ष 2026 अंकित किया जावे।

निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त प्रविष्टियों पर विचार नहीं किया जावेगा।

(डॉ. रेणुका श्रीवास्तव)
उप सचिव
छत्तीसगढ शासन
महिला एवं बाल विकास विभाग
जी-262702926/3

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 1
(छत्तीसगढ़)

निविदा सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

एन.आई.टी.क्र./ सिस्टम टेन्डर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत रू. (लाख में)
125/195066	Interior Beautification and Furniture Work of Raj Bhawan (Lok Bhawan) at Civil Lines, Raipur (C.G) (प्रथम आमंत्रण)	रू. 99.52 लाख
133/197321	Special Repair Work of Various Road & Culvert Under P.W.D. Sub Division No. 02, Raipur (द्वितीय आमंत्रण)	रू. 20.00 लाख
134/197322	उपसंभाग-1 के अन्तर्गत उपखण्ड क्र.-4 में शांति नगर बी.टी. आई. क्षेत्र में विशेष मरम्मत, लघुमूल गौण कार्य एवं डिपॉजिट कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	रू. 25.00 लाख
148/197323	उपसंभाग क्र. 1 के अंतर्गत उपखण्ड क्रमांक-1 में माननीय मुख्यमंत्री निवास में विशेष मरम्मत, लघुमूल गौण कार्य एवं डिपॉजिट कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	रू. 25.00 लाख
126/197324	Ordinary Maintenance of Various Residential and Non-Residential Building Under Sub Div. Tilda-Neora, Dist. Raipur (C.G.) (द्वितीय आमंत्रण)	रु. 15.00 लाख
109/198033	Balance work of Construction of Govt. High School Building at Village Kumhari Chikhali, Block-Dharsiwa, Raipur (द्वितीय आमंत्रण)	रू. 21.78 लाख

एन.आई.टी. क्र.125 सिस्टम टेन्डर नं. 195066 निविदा डाउनलोड़ करने की अंतिम तिथि दिनांक 09.09.2026 समय सायं 5:30 बजे तक एवं एन.आई.टी. क्र. 133 सिस्टम टेन्डर नं.197321, एन. आई.टी. क्र.134 सिस्टम टेन्डर नं. 197322, एन.आई.टी. क्र.148 सिस्टम टेन्डर नं. 197323, एन.आई.टी. क्र. 126 सिस्टम टेन्डर नं. 197324 एवं एन.आई.टी. क्र.109 सिस्टम टेन्डर नं. 198033 निविदा डाउनलोड़ करने की अंतिम तिथि दिनांक 04.09.2026 समय सायं 5:30 बजे तक

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी https://eproc.cgstate.gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाउनलोड की जा सकती है।

अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, रायपुर
मंडल क्रं.-1, रायपुर (छ.ग.),
जी-262702939/5

खाद्य तेलों के कम वजन वाले पाउच की सप्लाई बंद, अब 1 सितंबर से एक लीटर ही मिलेगा

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

खाद्य तेलों में करीब एक साल से वजन कम करके जो मनमाने दाम वसूलने का खेल चल रहा था, उस पर अब केंद्र सरकार ने पूरी तरह से बैन लगा दिया है। अब उत्पादक कंपनियों ने पहले की तरह ही एक लीटर का पाउच बनाना प्रारंभ कर दिया है। कम वजन वाले पाउच की सप्लाई अब पूरी तरह बंद कर दी गई है। छूट मिलने के बाद एक लीटर के स्थान पर 650, 750 और 800 एमएल के पाउच बनाकर ग्राहकों को भ्रम में डालकर ठगने का काम किया गया। कम वजन की छूट जिस मकसद से दी गई थी, उसके स्थान पर ग्राहक लूट रहे थे। ऐसे में केंद्र सरकार ने ग्राहकों को राहत देने के लिए वजनों का एक बार फिर से मानक तय कर दिया है। लेकिन इसी के साथ कंपनियों और कारोबारियों को अपना पुराना स्टाक खपाने के लिए 31 अगस्त तक का समय दिया है। किसी भी हाल में एक सितंबर के बाद कम वजन वाले खाद्य तेलों के पाउच नहीं बिकेंगे।

खाद्य तेलों में पहले सभी कंपनियों के एक लीटर के ही पाउच आते थे। इसी के साथ पांच लीटर के साथ 15 किलो का टिन का तेल आता था। लेकिन गरीब परिवारों को जो एक लीटर का पाउच नहीं ले पाते हैं, उनको राहत देने के लिए तेल की उत्पादक कंपनियों को कम वजन करके पाउच बनाने की छूट दी गई थी, ताकि गरीब परिवार अपने बजट के हिसाब से कम वजन वाले तेल के पाउच लेकर अपना काम चला सके।

छूट में होने लगी लूट

केंद्र सरकार ने तो गरीब परिवारों को राहत देने के लिए खाद्य तेलों के पाउच को किसी भी वजन में बनाने की छूट दी थी। लेकिन इस छूट में कई कंपनियां लूट करने लगी। छूट मिलने के बाद इसके पैक अलग-अलग कंपनियां अपनी मर्जी से कर रही थी तो इसमें कीमत का खेल हो रहा था। कम वजन के कारण दाम ज्यादा देने पड़ रहे थे। एक उदाहरण हरेली तेल का ही लेते हैं। इस तेल के दाम हमेशा कीर्ति गोल्ड के सोया तेल से कम से कम पांच रुपए कम रहते हैं, लेकिन कम वजन के कारण इसके दाम उससे ज्यादा हो गए है। इसके पीछे वजन का खेल है। हरेली ने एक लीटर का पैक ही बंद कर दिया। एक लीटर के स्थान पर 730 ग्राम यानी 800 एमएल का पैक लाया गया। इसके चिल्हर में दाम 130 रुपए हैं। यानी एक लीटर के दाम हो गए 162.50 रुपए। इतने दाम तो कीर्ति गोल्ड के भी नहीं है। कीर्ति गोल्ड एक लीटर का इस समय चिल्हर में 150 से 155 रुपए बिक रहा है। ज्यादातर कंपनियों ने अपने एक लीटर के पैक को कम वजन का कर दिया था तो उसके दाम बढ़ गए थे। अब कंपनियों का यह खेल पूरी तरह से बंद हो जाएगा।

मुख्यमंत्री आज जारी करेंगे महतारी वंदन की राशि

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मंगलवार को बालोद जिले के विकासखण्ड मुख्यालय डौण्डीलोहारा के लाल रघुवीर सिंह स्टेडियम में बिहान दीदी एवं स्वसहायता समूह के सम्मान समारोह के अवसर पर महतारी वंदन योजना के 31वीं किस्त 67 लाख 28 हजार 918 हितग्राहियों के खाते में 631 करोड़ 38 लाख 37 हजार 700 रुपए की राशि का अंतरण करेंगे।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री रक्षाबंधन के ठीक पूर्व महतारी वंदन योजना की राशि बहनों के खाते में सीधे अंतरण कर लाभान्वित करेंगे। राज्य सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के माध्यम से प्रतिमाह मिलने वाली राशि महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक सशक्तिकरण एवं चिकित्सा, स्वास्थ्य तथा सुपोषण के लिए अत्यंत मददगार साबित हो रही है। महतारी वंदन योजना से अब तक 30 किस्तों में 19 हजार 444 करोड़ की सहायता राशि बहनों को प्रदान की जा चुकी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

31 आईपीएस का...

राज्य पुलिस अकादमी की जिम्मेदारी दी गई है। एसआरपी कल्लूरी को छत्तीसगढ़ पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन का प्रबंध संचालक बनाया गया है। **ओपी पाल संभालेंगे कानून-सुरक्षा :-**
ओमप्रकाश पाल को पुलिस महानिरीक्षक, कानून व्यवस्था/सुरक्षा बनाया गया है। अंकित कुमार गर्ग को वर्तमान दायित्वों के साथ पुलिस महानिरीक्षक, एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स का प्रभार दिया गया है। ध्रुव गुप्ता को सीआईडी से संबंधित दायित्वों के साथ तकनीकी सेवाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बालाजीराव सोमावार को पुलिस महानिरीक्षक, अजाक बनाया गया है, जबकि प्रशांत कुमार अग्रवाल को पुलिस महानिरीक्षक, एस-4सी एवं तकनीकी सेवाओं की जिम्मेदारी दी गई है। मिलना कुर्रे को पुलिस महानिरीक्षक, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल बनाया गया है।

तिरपाल के नीचे...

ने वाहन के ऊपर ढके काले तिरपाल को हटाया, तो पैकेटों में बिछाकर रखा गया 400 किलो गांजा मिला। **पायलट बाइक की मुखबिरी से 'मास्टरमाइंड' तक पहुंची पुलिसः-**आयशर में सवार महाराष्ट्र निवासी आरोपी संतोष अनंता मोहिते और सुमित सुभाष थोड़वे ने पूछताछ में खुलासा किया कि उनसे आगे एक नीले रंग की ग्लैमर बाइक ओडी 08 डब्ल्यू 5814 चल रही थी, जो पुलिस की मौजूदगी की लोकेशन देकर रास्ता साफ करवा रही थी। पुलिस ने तुरंत नाकेबंदी कर बाइक सवार पंकज मोहिते महाराष्ट्र और जलंधर खम्हारी ओडिशा को दबोचा। इसके बाद 'एंड-टू-एंड' तफ्तीश करते हुए पुलिस टीम ने ओडिशा के कालाहांडी ग्राम डेंगागुड़ा में दबिश देकर मुख्य सप्लायर विनोद दिसारी को गिरफ्तार कर लिया। सप्लायर के पास से तस्करी में प्रयुक्त 5 लाख रुपए नकद भी बरामद किए गए हैं।

भारी बारिश से...

में 37 मिमी. इजाफे के साथ राज्य में कुल वर्षा 832 मिमी. हो चुकी है, जो सामान्य से महज 4 प्रतिशत कम है। पूर्वानुमान के मुताबिक अगस्त के महीने में भारी बारिश कराने के लिए एक से दो सिस्टम बनते हैं, मगर इस बार महीने में चार मानसून तंत्रिका सक्रिय हुई हैं, जिससे प्रदेश में भारी बारिश हो रही है। पिछले चौबीस घंटे में मानसून की अतिरिक्त सक्रियता बस्तर, रायपुर, बिलासपुर और सरगुजा संभाग यानी प्रदेश के बड़े हिस्से में नजर आई। बरसात का प्रभाव इतना अधिक था कि कई इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति भी निर्मित हो गई थी। अलबता पिछले चौबीस घंटे की बारिश ने बस्तर संभाग की चार जिलों को अल्पवर्षा के संकट से दूर कर दिया है। शनिवार-रविवार की स्थिति में बस्तर जिले में 49 मिमी., कोंडागांव जिले में 47 तथा सुकमा जिले में 60 मिमी. पानी बरसने से सभी कम की श्रेणी से हटकर सामान्य वर्षा वाले जिलों की श्रेणी में शामिल हो गए। राज्य में अभी बेमेतरा में 40, जशपुर में 33, कांकेर में 37 और सरगुजा में औसत से 41 प्रतिशत कम बारिश की समस्या बनी हुई है।
सिस्टम झारखंड और ओडिशा की ओर :-
अभी एक निम्नदाब का क्षेत्र गंगेटिक पश्चिम बंगाल और उससे लगे झारखंड और उत्तर उड़ीसा के ऊपर स्थित है तथा इसके साथ ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण विस्तारित है। इसके उत्तर पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए झारखंड और उत्तर उड़ीसा को अगले 24 घंटे में पार करने की संभावना है। एक द्रोणिका दक्षिण पश्चिम उत्तरप्रदेश से निम्नदाब के साथ ऊपरी हवा के चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण तक उत्तर छत्तीसगढ़ होते हुए मौजूद है। एक पश्चिमी विक्षोभ 68 डिग्री पूर्व और 28 डिग्री उत्तर में स्थित है। ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पूर्वी मध्य प्रदेश के ऊपर बना हुआ है। मंगलवार को मध्य छत्तीसगढ़ के अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा तथा बस्तर और सरगुजा संभाग के एक दो जिलों में भारी वर्षा संभावित है।

फुंडहर गोठान की...

सेवा असंग आश्रम ले जाया गया, लेकिन वहां के संचालक ने पहले ही कलेक्टर को पत्र लिखकर गोशाला बंद करने की मंशा जता दी है। इसके बावजूद नगर निगम ने फुंडहर गोठान की गायों को वहां भेजा। बरसते पानी में जब वहां गायों को रखने की जगह नहीं मिली तो इन गाड़ियों को तीन जगह हीरापुर-जरवाय और अटारी स्थित गोठान भेजा गया।वहां भी संचालकों ने हाथ खड़े कर दिए और गोवंश को रखने से मना कर दिया। सुबह से लेकर शाम 5 बजे तक 9 घंटे गोवंश गाड़ियों में भूखे-प्यासे बंद रहे। आखिर में वाहन चालकों ने सभी गाड़ियां वापस फुंडहर गोठान पहुंचा दीं। गायों को वापस लेकर फुंडहर गोठान पहुंचने की जानकारी मिलने पर नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी वहां पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।
7 दिन में व्यवस्था सुधारने अल्टीमेटम-
नेता प्रतिपक्ष ने नगर निगम को 7 दिन का समय दिया है। उन्होंने कहा कि इस दौरान गोठानों में गायों के लिए रहने की जगह, चारा, पानी और इलाज की व्यवस्था नहीं सुधरी तो कांग्रेस सड़क से सदन तक आंदोलन करेगी। श्री तिवारी ने कहा कि नगर निगम को गोवंश के लिए जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करानी होंगी।
नेता प्रतिपक्ष ने लापरवाही का लगाया आरोप -
फुंडहर गोठान पहुंचे नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने निगम प्रशासन और भाजपा सरकार पर गोवंश की सुरक्षा के मामले में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि सुबह से लेकर शाम तक गायों को रखने की जगह रायपुर नगर निगम को नहीं मिली। भारी बारिश में गोमाता तड़पती रहीं, क्या हमारी संवेदनाएं समाप्त हो गई हैं? उन्होंने ट्रिपल इंजन की सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि रायपुर की जनता ने भाजपा को महापौर, विधायक, सांसद और पार्षद दिए हैं, इसके बावजूद गोवंश को लेकर ऐसी स्थिति सामने आ रही है।

रायपुर समेत देश...

निजी भागीदारों को नियुक्त करने का प्रस्ताव रखा है। एक समूह में शामिल सभी हवाई अड्डों को किसी एक कंपनी को ही दिया जाएगा। सार्वजनिक-निजी भागीदारी मूल्यांकन समिति (पीपीपीएसी) ने चार अगस्त को हुई बैठक में इस प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दी थी। आर्थिक मामलों के विभाग की सचिव अनुराधा ठाकुर की अगुवाई वाली पीपीपीएसी ने केंद्रीय क्षेत्र वाली पीपीपी परियोजनाओं का मूल्यांकन किया। इस प्रस्ताव के तहत पांच बड़े हवाई अड्डों को छह छोटे हवाईअड्डों के साथ समूह बनाया गया है। अमृतसर और कांगड़ा-गग्गल एक समूह में रखा गया है जबकि वाराणसी, गया और कुशीनगर दूसरे समूह में होंगे। भुवनेश्वर और हुबली एक समूह में जबकि रायपुर और औरंगाबाद दूसरे समूह में होंगे। इसी तरह, तिरुचिरापल्ली और तिरुपति हवाई अड्डों को पांचवें समूह में रखा गया है। बाजार में केंद्रीकरण और अत्यधिक कर्ज से जुड़े जोखिमों को कम करने के लिए एक ही बोलीदाता को दिए जा सकने वाले हवाई अड्डा समूहों की संख्या की सीमा तय की जाएगी। इन हवाई अड्डों का परिचालन संभालने वाली निजी कंपनियों द्वारा कुल 8,622 करोड़ रुपये का निवेश किए जाने का अनुमान है।

उत्तरभारत में बाढ़,...

हवाई अड्डे पर प्रतिदिन 1,300 से अधिक उड़ानों का संचालन होता है। दिल्ली के कई हिस्सों में हुई बारिश से कई जगहों पर यातायात प्रभावित हुआ और जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली, पूर्वी दिल्ली, शाहदरा, मध्य दिल्ली, उत्तर-पूर्वी दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली, नयी दिल्ली, दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली, उत्तर-पश्चिमी दिल्ली और उत्तरी दिल्ली के कुछ स्थानों पर बादलों की गरज और बिजली की चमक के साथ भारी बारिश हुई। यात्रियों ने सोशल मीडिया पर शहर के कुछ हिस्सों में यातायात जाम और जलभराव की जानकारी साझा की।

म्यूल अकाउंट के...

में साइबर ठगी के मामलों में इन दिनों कार्रवाई चल रही है। इस दौरान ठगी की रकम के आदान प्रदान के लिए उपयोग होने वाले म्यूल अकाउंट की पहचान कर अकाउंट उपलब्ध कराने वालों पर भी कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में भरतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के समन्वय पोर्टल से सूरजपुर पुलिस को कुछ संदिग्ध बैंक अकाउंट की जानकारी दी गई थी जिनमें ठगी के रकम की लेनदेन की गई थी। पुलिस ने जब इन खातों की जांच की तो पता चला कि उक्त अकाउंट सूरजपुर जिले में संचालित डीएन चक्रधारी एजुकेशनल वेलफेयर एसोसिएशन नामक संस्था के नाम पर दर्ज है। उक्त म्यूल अकाउंट को डीएन चक्रधारी के साथ ही उसका चचेरा भाई महेश कुमार चक्रधारी संयुक्त रूप से संचालित कर रहा था। पुलिस की प्रारंभिक जांच में इस बात की पुष्टि हुई कि म्यूल अकाउंट के माध्यम से देशभर में की गई ठगी की रकम लगभग 45 लाख रूपए एजुकेशनल संस्था के नाम पर संचालित खाते में आए हैं। सूरजपुर पुलिस ने मामले में साइबर ठगों को आकाउंट उपलब्ध कराने और ठगी करने वाले सूरजपुर बसदेई चौकी अंतर्गत ग्राम गंगौटी निवासी 27 वर्षीय महेश कुमार चक्रधारी आ. जगदीश प्रसाद चक्रधारी को गिरफ्तार किया है वहीं इस मामले में डीएन चक्रधारी फिलहाल फरार चल रहा है जिसकी तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार आरोपी के पकड़े जाने पर इस मामले में और भी खुलासे होने की उम्मीद है।

श्रमिक परिवारों के...

विष्णुदेव साय ने सोमवार को राजधानी रायपुर के पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। समारोह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने योजना के अंतर्गत अध्ययनरत बच्चों से आत्मीय संवाद किया और शिक्षा, खेल, कला तथा सह-शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न श्रमिक कल्याण योजनाओं के अंतर्गत 1 लाख 45 हजार 841 श्रमिकों को 39 करोड़ 67 लाख रुपये से अधिक की सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की गई।
अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना-
मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना की शुरुआत पिछले वर्ष 100 बच्चों के साथ की गई थी। इस वर्ष इसका विस्तार करते हुए 200 बच्चों को योजना के अंतर्गत प्रतिष्ठित निजी आवासीय विद्यालयों में शिक्षा का अवसर दिया गया है। प्रदेश के सभी 33 जिलों से चयनित प्रतिभावान बच्चे राजकुमार कॉलेज, दिल्ली पब्लिक स्कूल और रुंगटा पब्लिक स्कूल जैसे प्रतिष्ठित विद्यालयों में कक्षा 6वीं से 12वीं तक निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

चीनी की देश...

जैव-ऊर्जा विनिर्माता संघ (इस्मा) के अध्यक्ष नीरज शिरगांवकर ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कीमतों में बढ़ोतरी के पीछे कई कारण हैं। इनमें कारोबारियों एवं थोक उपभोक्ताओं की ओर से कीमत बढ़ने की उम्मीद में की गई खरीदारी और अनुमान से कम उत्पादन प्रमुख हैं। उन्होंने कहा, भारत में चीनी की कोई कमी नहीं है। हमारा उत्पादन और भंडार बुनियादी रूप से संतोषजनक स्थिति में है। उन्होंने कहा कि अक्टूबर, 2025-सितंबर, 2026 के मौजूदा चीनी सत्र में एथनॉल उत्पादन में इस्तेमाल हुई चीनी को घटाने के बाद शुद्ध उत्पादन करीब 279 लाख टन रहने का अनुमान है। सत्र की शुरुआत में 50 लाख टन का भंडार था और घरेलू मांग 280-285 लाख टन रहने का अनुमान है। सरकार द्वारा निर्यात पर रोक लगाने से पहले आठ लाख टन चीनी का निर्यात भी किया जा चुका था।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ऑरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें
बाल्य रोगों व चुरना, दस्त (कृमि) के लिए विशेष लाभकारी
सुखौना टेबलेट
20 वर्षों से प्रसिद्ध 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

Required-Staff required having knowledge of accounting in tally, GST and TDS. The candidate having work experience for minimum two years will be preferred. Contact- 9302235101, 8818989007 (41692)

आवश्यकता है-पेट्रोल पम्प कार्य करने हेतु महिला/ पुरुष कर्मचारियों की आवश्यकता है। स्थान- सरगाँव। मेहनती एवं जिम्मेदार उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी। इच्छुक उम्मीदवार सम्पर्क करें-7692090000 (1355)

आवश्यकता है-आर्टिफिशियल ज्वेलरी शॉप में लड़कों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- संध्या ज्वेलरी एण्ड कॉस्मेटिक श्रीराम क्लॉथ मार्केट, अग्रसेन चौक बिलासपुर (प्रातः 11बजे के पहले फोन ना करें) 9691083080, 7987423847 (1358)

आवश्यकता है-आफिस एवं घरेलू कार्य करने हेतु अनुभवी ड्राईवर की आवश्यकता है आधार कार्ड लाईसेन्स के साथ सम्पर्क करें-9685901101 (41699)

आवश्यकता है-व्यापार विहार स्थित जनरल दुकान में अनुभवी लड़का/ लड़की (जो टैली में बिल बनाना जानता हो) कार्य करने के लिए आवश्यकता है सम्पर्क करें- श्रीनानक ट्रेडर्स व्यापार विहार बिलासपुर 88273 88273 (1347)

आवश्यकता है-पंचवटी KPSA हायर सेकेंडरी स्कूल में प्राइमरी, मिडिल, हाईस्कूल पढ़ाने लेडिस टीचर्स चाहिए योग्यता हायर सेकेंडरी- ग्रेजुएशन वेतन 5000 से 7000 पता- समीप शनि मन्दिर, राजकिशोर नगर बिलासपुर 9752583075, 8109728526 (41697)

आवश्यकता है-अनुभवी रिसेपशनिस्ट हॉस्पिटल मैनेजमेंट, अनुभवी PRO (पब्लिक रिलेशन ऑफिसर) फील्ड वर्क मार्केटिंग, OT टेक्नीशियन की आवश्यकता है सम्पर्क करें-प्रभा हॉस्पिटल महामाया चौक, रतनपुर रोड, लोधीपारा सरकंडा बिलासपुर 7470946314 (1346)

आवश्यकता है-दुकान/ ऑफिस में हाउस कीपिंग साफ सफाई कार्य हेतु बॉय/ गर्ल्स चाहिए। सम्पर्क करें- 12-6 बजे तक, एंबियंस बिजनेस पार्क, सीएमडी कॉलेज के सामने, सीएमडी चौक, लिंक रोड, बिलासपुर 9897265611 (41689)

Required-Required An experienced Graduate D.Ed., B.E.d Science, Maths English and Hindi Teachers fluncy in English class 1st to 9th Contact- Golden Nursery Public School Near SBI shanti Nager Bilaspur 9893650193 (41693)

आवश्यकता है-होलसेल मेडिकल एजेन्सी असिस्टेन्ट एकाउन्टेन्ट (बीकॉम ग्रेजुएट) अनुभवी सेल्समैन, पैकिंग कार्य, लोकल में छोड़ने, दुकान कार्य हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- जगत एजेन्सीज, जगत ट्रेडर्स तेलीपारा बिलासपुर (41688)

आवश्यकता है-अतिशीघ्र आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड 17000 सुपरवाइजर 22000 फील्ड अधिकारी 16000 कम्प्यूटर ऑपरेटर 20000 योग्यता अनुसार मेस सुविधा आवास फ्री सम्पर्क करें- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 77460 00016 7747000016, 77470 00019 (815)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है-ऑफिस में महिला/ युवती कम्प्यूटर आपरेटर असिस्टेंट, पार्ट टाइम या फुल टाइम के लिए अतिशीघ्र आवश्यकता है। वेतन 8000 से 10000 तक तुरन्त सम्पर्क करें- 78989 52462 (41696)

आवश्यकता है-राव लॉण्ड्री सभी प्रकार के कपड़े, साड़ी प्रेस हेतु पता- RKN चन्दन आवास 3/85 बिलासपुर 9617577892 घर पहुँच सेवा, एक बार सेवा का मौका देंवे। कार्य हेतु दो लड़के चाहिए (41684)

आवश्यकता है-सुरक्षागार्ड गनमैन, फिल्ड ऑफिसर, सिक्युरिटी सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, घरेलू कामवाली बाई वेतन 8000-20000 पता- साईं सिक्युरिटी सर्विससाईनिवास कॉम्प्लेक्स जेजेहॉस्पिटल बाजू तोरवा बिलासपुर 9893041578, 8085233213,72238 21623, 7440981254 (41602)

आवश्यकता है-(1) सिविल साइट सुपरवाइजर (अनुभवी साइट चलाने योग्य) (2) ऑटोमैटिक कार हेतु अनुभवी लाइसेंसी, मेहनती, नशामुक्त ड्राइवर की आवश्यकता है सैलरी योग्यतानुसार। अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 9770770000, 98270 72000 (41659)

आवश्यकता है-कम्प्यूटर आपरेटर लड़िकयों की आवश्यकता है NGO ग्रुप को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 8461886239 (830)

किराया

किराया-रायपुर रोड स्थित मंडपम शादी भवन के बाजू में पूर्ण विकसित कॉलोनी में प्रथम तल पर दो स्वतंत्र 2BHK मकान किराये से देना है। सम्पर्क करें- 91110 72222 (41686)

किराया-राजकिशोर नगर में स्मृतिवन गेट के सामने मेन रोड प्लास-39 दुकान तीन शटर (एक किचन, वाशरूम, रूम, 20×30 हॉल) 1500 वर्गफुट, बैंक, ऑफिस, कोचिंग, रेस्टोरेंट, सम्पर्क करें- नितिन जैन 78782 16136 (41701)

बेचना है

बेचना है-एक परिसर 32×97 वर्गफुट मेन रोड तखतपुर में 3 मंजिला ग्राउंड फ्लोर में SBI बैंक किराए में है एवं फर्स्ट फ्लोर में एक शानदार फैमिली रेस्टोरेंट व सेकंड फ्लोर में 1BHK का 2 फ्लैट और 2BHK का 2 फ्लैट बेचना है। सम्पर्क करें- 8770546668, 98933 17888 (1501)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

बेचना है-ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल के सामने बहतराई मेन रोड पर 50×60= 3000 वर्गफुट एवं सकरी बटालियन तिराहे पर चिचिरदा- अमसेना रोड पर 184×300 वर्गफुट जमीन बेचना है सम्पर्क करें- 8878820110, 83190 30278 (41690)

बेचना है-जीवन विहार कॉलोनी, हाईकोर्ट के पास बोदरी बिलासपुर में 60 फ्रंट× 29 गहराई= 1740 वर्गफिट, उत्तर, पूर्व, पश्चिम तीन तरफ सीसी रोड सहित प्लाट बेचना है। सम्पर्क करें-8319755938, 8085387123, 91111 69686 (41691)

बेचना है-हार्वेस्टर मॉडल 2019 (विशाल) अति शीघ्र बेचना है। इच्छुक खरीददार सम्पर्क करें- केशव प्रसाद साहू, दीपक साहू ग्राम सिंघरी बिलासपुर 79873 14931, 9926114657, 6268747009 (41700)

बेचना है-अति शीघ्र मकान बेचना है बिलासपुर में विद्या नगर शिव मन्दिर के पीछे डीपूपारा स्थित पुराना मकान प्लॉट एरिया 2307 वर्गफुट तत्काल बेचना है। सम्पर्क करें-9425512067 (41685)

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230

शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:-	मो. 9993567380, 8770837744
एड प्रयास:-	मो. 9826701269, 9926003943
श्यामनानी एडवरटाईजर्स:-	मो. 9827168452, 9300625174
रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:-	मो. 9826129386, 8319503386
जे.जे. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9300659628
रौनक पब्लिसिटी:-	मो. 9300328290, 9981658490
भार्गव एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827167997
श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:-	मो. 9826705603
एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827180896, 9131155033
श्री श्याम पब्लिसिटी:-	मो. 9425540759
अमित पब्लिकेशन:-	मो. 9826304304, 9827124304
विप्रा विज्ञापन सेवा:-	मो. 9302462506
माधवास & कम्पनी:-	मो. 9977185123, 9893115084
बालाजी एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827466133, 9907047586
हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:-	मो. 8109229025

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

कोको गॉफ दूसरी बार चैंपियन फिल्स ने पहली बार जीता खिताब

सिनसिनाटी ओपन

एजेंसी ▸▸ मेसन

कोको गॉफ ने हमवतन अमेरिकी जेसिका पेगुला को सीधे सेटों में हराकर सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में दूसरी बार महिला एकल का खिताब जीता, जबकि पुरुष एकल में फ्रांस के आर्थर फिल्स चैंपियन बने। महिला वर्ग के फाइनल में गॉफ ने पेगुला को 6-2, 6-4 से हराया।

गॉफ ने लगाया दमदार फोरहैंड, बनाए रखी पकड़

22 साल की अमेरिकी खिलाड़ी ने पहले सेट में दो बार सर्व तोड़ी और पेगुला के दो डबल फॉल्ट का फायदा उठाकर 5-0 की बढ़त बना ली। सेमीफाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन इगा स्वियाटेक को हराने वाले खिलाड़ी ने बिना कोई प्वाइंट गंवाए गॉफ की सर्विस तोड़कर 5-2 की बढ़त बनाई, लेकिन यह बढ़त काफी नहीं रही। गॉफ ने अपने दमदार फोरहैंड से रैली पर पकड़ बनाए रखी। दूसरे सेट में गॉफ ने पेगुला के खराब रिटर्न का फायदा उठाया और 3-0 की बढ़त बना ली। सातवें गेम में पेगुला ने बिना कोई प्वाइंट गंवाए अपनी सर्विस बचाई और फिर गॉफ की सर्विस तोड़कर स्कोर 5-4 कर दिया, जिससे उनकी वापसी की उम्मीद जगी। मगर गॉफ ने तुरंत वापसी करते हुए उनकी सर्विस तोड़ दी और मैच जीत लिया। यह उनके करियर का 12वां सिंगल्स खिताब है।

फिल्स का पहला मास्टर्स 1000 खिताब

पुरुषों के फाइनल में फ्रांस के फिल्स ने अमेरिका के फ्रांसिस टियाफो को 6-3, 1-6, 6-0 से हराकर अपना पहला मास्टर्स 1000 खिताब जीता। फिल्स और टियाफो का मैच पहली बार था जब दो अश्वेत खिलाड़ी एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल में आमने-सामने थे। 22 वर्षीय फिल्स मास्टर्स 1000 का खिताब जीतने वाले तीसरे अश्वेत पुरुष खिलाड़ी हैं। उनसे पहले बेन शेल्टन ने कनाडा में दो बार और जो-विल्फ्रेड सोंगा ने 2008 में पेरिस में और 2014 में कनाडा में मास्टर्स 1000 का खिताब जीता था।

दूसरा टेस्ट : भारत ने की पहली पारी 503/9 के स्कोर पर घोषित

टीम इंडिया ने श्रीलंका पर कसा शिकंजा, जुरेल का नाबाद शतक

एजेंसी ▸▸ कोलंबो

ध्रुव जुरेल की धैर्य और संयम से खेली गई नाबाद शतकीय पारी के बाद गेंदबाजों ने दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के बारिश से प्रभावित दूसरे दिन सोमवार को श्रीलंका के दो विकेट चटकाकर भारत की स्थिति मजबूत कर दी।

जुरेल की 177 गेंद में नौ चौकों और दो छक्के की मदद से खेली गई नाबाद 115 रन के बूते भारत ने 9 विकेट पर 503 रन पर अपनी पहली पारी घोषित की। जवाब में श्रीलंका ने दिन का खेल खत्म होने तक महज आठ रन पर दो विकेट गंवा दिए। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और मानव सुथार ने क्रमशः लाहिरू उदारा और प्रभात जयसूर्या को पवेलियन भेजा। स्टंप्स के समय कामिल मिशारा पांच रन बनाकर क्रीज पर थे।

श्रीलंका पहली पारी में 495 रन पीछे

श्रीलंका पहली पारी में भारत से 495 रन पीछे है। दिन का मुख्य आकर्षण जुरेल की शानदार बल्लेबाजी रही, जिन्होंने मैच के दूसरे दिन दो अहम साझेदारियां की। उन्होंने सातवें विकेट के लिए ऋषभ पंत (63) के साथ 112 रन जोड़े, जिससे भारत का स्कोर छह विकेट पर 307 रन से बढ़कर 419 रन हो गया। इसके बाद मानव सुथार (18) के साथ आठवें विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी की, जिससे भारत 500 रन के करीब पहुंच गया।

पंत ने खेली चिर-परिचित आक्रामक पारी

दिन की शुरुआत में पदार्पण कर रहे सारांश जैन (06) के जल्दी आउट होने के बाद पंत बल्लेबाजी के लिए उतरे तो जुरेल ने उन्हें ज्यादा स्ट्राइक देने की रणनीति अपनाई। पंत ने अपनी चिर-परिचित आक्रामक पारी के दौरान कई शानदार शॉट खेले। श्रीलंकाई तेज गेंदबाजों फर्नांडो और लाहिरू कुमारा ने लगातार शॉर्ट गेंदों से उनके शरीर को निशाना बनाया। फर्नांडो की एक गेंद पंत के कंधे पर भी लगी, लेकिन विकेटकीपर बल्लेबाज ने धैर्य बनाए रखा। उन्होंने कई गेंदों से लाइन से हटकर या उन्हें हल्के हाथों से खेलकर अपना बचाव किया। पंत ने कुमारा की गेंद पर फाइन लेग के ऊपर शानदार हुक शॉट खेलकर छक्का भी जड़ा। उन्होंने ऑफ स्पिनर केशरा नुवांता की गेंद पर पुल से चौका लगाकर 81 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। इस अर्धशतक का जश्न उन्होंने बाएं हाथ के स्पिनर जयसूर्या की गेंद पर जोरदार छक्का लगाकर मनाया।

जुरेल ने 171 गेंदों में पूरा किया शतक

करीब दो घंटे की रुकावट के बाद खेल शुरू हुआ तो जुरेल ने फर्नांडो की गेंद पर दौड़कर एक रन लेते हुए 171 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। शतक पूरा होते ही जुरेल ने हेलमेट उतारा और ड्रेसिंग रूम की ओर अपनी बांह पर बना टैटू दिखाया। उस पर पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के प्रसिद्ध शब्द 'जय जवान, जय किसान' लिखा था। शतक पूरा करने के बाद जुरेल ने फर्नांडो की गेंदों पर लगातार दो छक्के जड़े। एक लॉन्ग ऑफ के ऊपर से और दूसरा स्क्वायर लेग के ऊपर शानदार हुक के जरिए। भारत के 500 रन पार करते ही कप्तान शुभमन गिल ने पारी घोषित कर दी।

जायसवाल और फर्नांडो पर जुर्माना

दुबई। भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिता फर्नांडो पर कोलंबो में दूसरे टेस्ट के पहले दिन मैदान पर हुई झड़प के लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। दोनों खिलाड़ियों के खाते में एक-एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। भारत की पहली पारी के 17वें ओवर में फर्नांडो ने जायसवाल को आउट किया, जिसके बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच कहासुनी हुई। जायसवाल फर्नांडो की ओर बढ़े और दोनों ने एक-दूसरे से कुछ कहा। इसके बाद फर्नांडो ने अपना सिर जायसवाल की ओर बढ़ाया। जवाब में जायसवाल भी आगे झुके, जिससे दोनों के सिर आपस में टकरा गए। आईसीसी ने कहा, 'दोनों खिलाड़ियों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया और आईसीसी के एलीट पैनल के मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट द्वारा प्रस्तावित सजा को मान लिया इसलिए औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी।' दोनों खिलाड़ियों को आईसीसी की आचार संहिता के नियम 2.12 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया। यह नियम किसी खिलाड़ी, सहयोगी स्टाफ, अंपायर, मैच रेफरी या किसी अन्य व्यक्ति (अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान दर्शक सहित) के साथ अनुचित शारीरिक संपर्क से संबंधित है।

खबर संक्षेप

सेरेना और अल्काराज क्वालीफायर से भिड़ेंगे

न्यूयॉर्क। सेरेना विलियम्स और कार्लोस अल्काराज यूएस ओपन मिश्रित युगल टेनिस चैंपियनशिप में अपने अभियान की शुरुआत क्वालीफायर के खिलाफ करेंगे। सेरेना और अल्काराज़ का मुकाबला आठ टीमों के क्वालीफाइंग टूर्नामेंट से आगे बढ़ने वाली किसी टीम से होगा। सेरेना 2022 के बाद पहली बार यूएस ओपन में वापसी कर रही हैं। उन्हें और अल्काराज को 16 टीमों के टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रवेश मिला है। मिश्रित युगल का पहला राउंड और क्वार्टरफाइनल मंगलवार को होंगे, जबकि सेमीफाइनल और फाइनल बुधवार को खेले जाएंगे। विजेता टीम को 10 लाख डॉलर का पुरस्कार मिलेगा।

ला लीगा : बार्सिलोना ने किया धमाकेदार आगाज, एल्चे पर एकतरफा जीत

एजेंसी ▸▸ मैड्रिड

एफसी बार्सिलोना ने ला लीगा की शुरुआत धमाकेदार जीत के साथ की है। बार्सिलोना ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एकतरफा मुकाबले में एल्चे को 5-0 से शिकस्त दी। बार्सिलोना ने पेनल्टी स्पॉट से राफिन्हा के गोल से शुरुआती बढ़त हासिल की, और डेब्यू कर रहे करीम अदेयेमी ने हाफटाइम से पहले राफिन्हा के असिस्ट के बाद इस बढ़त को दोगुना कर दिया। इस सीजन की शुरुआत से पहले साइन किए गए एंथनी गॉर्डन दूसरे हाफ में सब्स्टीट्यूट के तौर पर आए और उन्होंने राफिन्हा को गेम का अपना दूसरा गोल करने और फर्मिन लोपेज को बार्सिलोना का चौथा गोल करने में असिस्ट किया।

लोपेज ने शानदार गोल करके दिलाई बढ़त

लोपेज ने 79वें मिनट में एक शानदार व्यक्तिगत गोल करके बार्सिलोना की बढ़त को 5-0 पहुंचाया। क्लब छोड़ने की इच्छा जता चुके एटलेटिको मैड्रिड के स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज का विलारियल के खिलाफ घरेलू गेम से पहले जब उनका नाम लिया गया, तो लोगों ने सीटियों और हूटिंग से स्वागत किया। एटलेटिको ने मार्क पबिल के शानदार शॉट से स्कोरिंग शुरू की, लेकिन दो पेनल्टी से विलारियल ने जेरार्ड मोरेनो और जॉर्जेस मिकौटाडेज के जरिए मुकाबले को पूरी तरह से पलट दिया। रॉबिन ले नॉर्मंड को जॉर्जियाई स्ट्राइकर को फाउल करने के बाद बाहर भेजा गया।

शिमोन ने एटलेटिको के लिए एक प्वाइंट बचाया : गिउलिआनो शिमोन ने मैच खत्म होने से पांच मिनट पहले शानदार गोल करके एटलेटिको के लिए एक प्वाइंट बचाया। वहीं, एनेस उनाल के 81वें मिनट के गोल ने गेटाफे को रेसिंग सैंटेंडर पर 1-0 से घरेलू जीत दिलाई। बार्सिलोना के कोच हंसी फ्लिक ने कहा, इस टीम के खिलाफ पांच गोल करना अच्छा रहा।

शिमोन ने एटलेटिको के लिए एक प्वाइंट बचाया

गिउलिआनो शिमोन ने मैच खत्म होने से पांच मिनट पहले शानदार गोल करके एटलेटिको के लिए एक प्वाइंट बचाया। वहीं, एनेस उनाल के 81वें मिनट के गोल ने गेटाफे को रेसिंग सैंटेंडर पर 1-0 से घरेलू जीत दिलाई। बार्सिलोना के कोच हंसी फ्लिक ने कहा, इस टीम के खिलाफ पांच गोल करना अच्छा रहा, एल्चे शानदार फुटबॉल खेलता है। हम सच में बहुत खुश हैं कि हम 5-0 से जीते, तीन प्वाइंट्स यह हमारे लिए एक शानदार शुरुआत है। इससे हमें अगले मैचों के लिए जरूरी आत्मविश्वास मिलेगा।"

हॉकी विश्व कप

पदक के करीब पहुंचकर चूकी महिला हॉकी टीम

एजेंसी ▸▸ एम्स्टेलवीन

हूटर बजते ही डगआउट में बैठी भारत की सबसे अनुभवी खिलाड़ी सविता पूनिया और उनकी साथी गोलकीपर बिछू देवी अपने आंसू नहीं रोक सकी और ठीक पीछे बैठी इशिका चौधरी को यकीन ही नहीं हुआ कि अपने पहले ही विश्व कप में वह पदक के इतने करीब पहुंचकर चूक गई।

आस्ट्रेलिया से दूसरे चरण का मैच गोलरहित ड्रॉ रहने के बाद भारतीय टीम समान अंक के बावजूद गोल की गणना के आधार पर सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई। मैच के बाद खिलाड़ियों के चेहरे बयां कर रहे थे कि उन पर क्या बीत रही है। मैदान से निकलकर अपनी टीम बस का इंतजार कर रही खिलाड़ियों की आंखें लाल थी। मुख्य कोच शोर्ड मारिन मीडिया से बात कर रहे थे लेकिन अपनी उदासी नहीं छिपा सके।

नेहा गोयल के नहीं थम रहे थे आंसू

फोन पर अपनी मां से बात कर रही एक खिलाड़ी ने कहा ,'यह सबसे अच्छा मौका था । हम इतने करीब पहुंच गए थे और अब पता नहीं कब ये मौका मिलेगा।" तीसरा विश्व कप खेल रही सविता चुपचाप खड़ी थी और इतना ही बोल सकी कि यह सर्वश्रेष्ठ मौका था। अनुभवी मिडफील्डर नेहा गोयल के आंसू नहीं थम रहे थे। उनसे कहा गया कि आगे एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है तो उन्होंने सिर्फ हां में सिर हिलाया और कुछ बोल नहीं सकी। भारतीय महिला हॉकी टीम विश्व कप में कभी पदक नहीं जीती है और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1974 में फ्रांस में खेले गए पहले ही विश्व कप में था जब टीम चौथे स्थान पर रही थी।

टी20 सीरीज : भारत के खिलाफ अफगानिस्तान टीम का ऐलान

एजेंसी ▸▸ काबुल

अफगानिस्तान ने भारत के खिलाफ आगामी तीन मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए सोमवार को इब्राहिम जादरान को कप्तान नियुक्त किया। पूर्णकालिक टी20 कप्तान के रूप में यह उनकी पहली श्रृंखला होगी।

तीन मैच की यह श्रृंखला 13 से 17 सितंबर तक नयी दिल्ली के फिरोज शाह कोटला मैदान पर खेली जाएगी। यह अफगानिस्तान की 'घरेलू श्रृंखला' है। अनुभवी तेज गेंदबाज नवीन उल हक की भी टीम में वापसी हुई है। वह दाएं कंधे में स्ट्रेस फ्रैक्चर से उबरने के बाद राष्ट्रीय टीम में लौटे हैं। इस चोट के कारण वह वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 श्रृंखला और टी20 विश्व कप 2026 में नहीं खेल पाए थे। नवीन की वापसी से अफगानिस्तान का तेज गेंदबाजी आक्रमण मजबूत हुआ है, जिसमें फजलहक फारूकी, अब्दुल्लाह अहमदजई और ऑलराउंडर अजमतुल्लाह उमरजई भी शामिल हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
विद्युत कार्य हेतु निविदा सूचना

निविदा सूचना संख्या: टीआरटी-आर-2026-E06, दिनांक: 24.08.2026. कार्य का नाम: टीआरडी (TRD) संबंधी कार्य– रायपुर मंडल के अंतर्गत NSPCL साइडिंग भिलाई में झुके हुए मास्टों का स्थानांतरण/ सुधारीकरण कार्य। **निविदा मूल्य: ₹ 1,49,93,380.8. बिड सिक्युरिटी: ₹ 2,99,900/-.**

निविदा जमा करने की तिथि: 24.09.2026 के 12.00 बजे तक। निविदा खुलने की तिथि: 24.09.2026 के 12.00 बजे।

विस्तृत जानकारी, निविदा दस्तावेज की खरीदी, पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु कृपया **वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (टीआरडी), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर** के कार्यालय में संपर्क करें अथवा निविदा कागजात जो हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है, उससे डाउनलोड कर/देख सकते है।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजी.(क.वि.)/ रायपुर
PR/R/TRD/PCN/188
South East Central Railway @secrail

प्रतीती को एकल बढ़त मयंक शीर्ष पर बरकरार

मुंबई। शीर्ष वरीयता प्राप्त महिला फिडे मास्टर (डब्ल्यूएफएम) प्रतीति बोरदोलोई ने सातवें दौर में महिला कैंडिडेट मास्टर (डब्ल्यूसीएम) आद्या गौड़ा पर महत्वपूर्ण जीत हासिल करते हुए एशियाई जूनियर क्लासिकल शतरंज चैंपियनशिप में महिला वर्ग में एकल बढ़त हासिल कर ली। इस जीत के साथ प्रतीति के कुल सात में से छह अंक हो गए और वह अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वियों से आधा अंक आगे हो गईं। इससे पहले तुर्कमेनिस्तान की महिला चैंपियन शोहराडोवा लैला उनके साथ संयुक्त बढ़त पर थी लेकिन शिवमशिका जी के साथ ड्रॉ खेलने के कारण वह 5.5 अंक के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गई।

OFFICE OF THE NAGAR PANCHAYAT PAMGARH DISTIRCT-JANJGIR&CHAMPA (C.G.)

E-procurement Tender Notice (3nd)
Main Portal: https://cgeprocurement.gov.in

NIT . No . 748 — Pamgarh, Date - 21/08/2026
Online bids are invited for followings works up to 01/09/2026

Sr. No.	System Tender no.	Name of work	Probable Amount of Contract (In Lakh)	Earnest Money (In Rs.)	Class of Contractor
1	198115	Construction Work of New Nagar Panchayat Office Building	112.75	85,000/-	C & Above Class

The details can be viewed and downloaded online directly from Government of Chhattisgarh e-Procurement System Portal (https://cgeprocurement.gov.in) from 21/08/2026 at 17:30 Hours (IST) on wards. For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत पामगढ़

MANAPPURAM FINANCE LTD.
CIN: L65910KL1992PLC006623, Registered Office : W - 4/ 638A, Manappuram House, P.O. Valapad, Thrissur - 680 567, Kerala, India

निलामी सूचना

विशेषकर गिरवीकर्ताओं और सामान्य रूप में जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अकाउंट्स में रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी निम्नलिखित शाखाओं पर दिनांक 16/09/2026 को सुबह 10.00 बजे से किया जाएगा. हम ऐसे डिफॉल्टर ग्राहकों के सोने के आभूषणों की नीलामी करने जा रहे हैं जिन्होंने रजिस्टर्ड पत्र द्वारा सूचित किए जाने के बावजूद अपने लोन की रकम नहीं चुकाई है. जिन आयटम्स की नीलामी नहीं हो पाएगी, उनकी नीलामी किसी अन्य दिन बिना पुन: सूचना दिए की जाएगी. नीलामी के स्थान व तिथि (अगर कोई हो) में परिवर्तनों की कोई सूचना नीलामी केन्द्र या वेबसाइट पर लगाई जाएगी तथा इस बारे में कोई अन्य सूचना नहीं दी जाएगी.

गिरवियों की सूची :
बिलासपुर, बस स्टैंड बिलासपुर, 0117040810028472, 8788, 0143, कोर्बा, कोसाबाडी, 0125440710031689, 1793, 1638, रायगढ़, जगतपुर छत्तीसगढ़, 0123720710038910, 8945, रामनिवास टॉकीज रोड़, 0117520710041280, सरगुजा, अंबेडकर चौक अंबिकापुर, 0131880710025628, 5691, ब्रह्मा रोड अंबिकापुर, 0131900720000262, खरसिया रोड अंबिकापुर, 0131960810019951,

ऊपर बताई गई नीलामी में हिस्सा लेने के इच्छुक व्यक्तियों को नीचे दी गई बातों का पालन करना होगा: इच्छुक बोली लगाने वालों को नीलामी के दिन ही एनईएफटी/आरटीजीएस के ज़रिए 10,000/- रुपये ईएमडी (जो बोली हारने वालों को वापस कर दिया जाएगा) जमा करना होगा। बोली लगाने वालों के पास वैध आईडी कार्ड/पैन कार्ड होना चाहिए। ज़्यादा जानकारी के लिए कृपया 9072607147 पर संपर्क करें।

अधिकृत अधिकारी
मणप्पुरम फायनेंस लि. हेतु.

कार्यालय प्राचार्य, जे.एल.एन. डिग्री कालेज सक्ती
जिला सक्ती (छ.ग.) 495689 मोबाईल नंबर 9329342626
ई-मेल-jlndsakti@gmail.com
वेबसाईट - www.jlndcollegesakti.com

क्रमांक/JLNCS/257/ स्थापना /2026 — सक्ती, दिनांक 25/08/2026

आवश्यकता है

सक्ती शिक्षण समिति, सक्ती द्वारा संचालित जे.एल.एन.डिग्री कालेज, सक्ती में विश्वविद्यालय नियुक्ति परिनियम 28 में निम्न शैक्षणिक / अशैक्षणिक पदों में सहायक प्राध्यापकों / कर्मचारियों की आवश्यकता है। योग्य उम्मीदवारों से आवेदन-पत्र आमंत्रित है। जे.एल.एन. कालेज, सक्ती शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, रायगढ़ से संबंद्ध है।

शैक्षणिक पद का विवरण

क्र.	विषय	पदो की संख्या	शैक्षणिक योग्यता
1	राजनीति विज्ञान	01	पी.एच.डी./नेट/सेट
2	इतिहास	01	पी.एच.डी./नेट/सेट
3	वाणिज्य	01	पी.एच.डी./नेट/सेट
4	रसायन शास्त्र	01	पी.एच.डी./नेट/सेट

अशैक्षणिक पद का विवरण

क्र.	विषय	पदो की संख्या	शैक्षणिक योग्यता
1	कम्प्युटर आपरेटर	01	किसी मान्यता प्राप्त संस्था से स्नातक और PGDCA का प्रमाण पत्र एवं हिन्दी/अंग्रेजी में कम्प्यूटर टाइपिंग का ज्ञान
2	भृत्य	02	मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12 वी पास उत्तीर्ण

विशेष :- 1. 10वी./ 12वीं/ स्नातक/ स्नातकोत्तर/नेट/सेट/पी.एच.डी. आदि सभी प्रमाण पत्रों की सत्यप्रतिलिपि स्वाप्रमाणित संलग्न करना अनिवार्य है। 2. परिवीक्षा अवधि 03 वर्ष की होगी। 3. नियुक्ति/पद वृद्धि समस्त अधिकार महाविद्यालय प्रशासन समिति के पास सुरक्षित है। 4. विज्ञापित सभी पदों हेतु विश्वविद्यालय/छ.ग.शासन / प्रशासन समिति द्वारा निश्चित वेतनमान देय होगा। 5. आवेदन करने की अंतिम तिथि 15.09.2026 तक प्राचार्य जे.एल.एन.डिग्री कालेज सक्ती जिला सक्ती (छ.ग.) पिन 495689 के पते पर पंजीकृत डाक या व्यक्तिगत रूप से बंद लिफाफे पर अपना पूर्ण पता सहित जमा कर सकते है। (कार्यालयीन समय प्रात: 11:00 बजे से सांय 05:00 बजे तक)

प्राचार्य,
जे.एल.एन. डिग्री कालेज, सक्ती (छ.ग.)

ये है दुनिया का पहला 'खाया जाने वाला शहर'!

बर्लिन। जर्मनी के एक छोटे से शहर एंडेरनाच ने दुनिया को एक नई मिसाल दी है। यहां पार्क, गार्डन, सड़क किनारे और पुरानी शहर की दीवारों के आसपास सब्जियां और फल उगे हुए हैं। कोई भी व्यक्ति चाहे स्थानीय हो या पर्यटक, इन पौधों से सब्जियां तोड़कर घर ले जा सकता है। कोई पैसे नहीं लगते, कोई रोक-टोक नहीं है। बस एक साइन बोर्ड लगा है– तोड़ने की अनुमति है।

ये दुनिया का पहला 'खाया जाने वाला शहर' या एडिबल सिटी कहलाता है। 2010 में शुरू हुई इस पहल ने शहर की हरियाली को सिर्फ सजावट से आगे बढ़ाकर खाने लायक बना दिया। शुरुआत 101 किस्म के टमाटरों से हुई। शहर के बीचोंबीच टमाटर के पौधे लगाए गए, ताकि लोग जैव विविधता के महत्व को समझें। अगले साल बीन्स पर फोकस किया गया, फिर प्याज, गोभी, स्ट्रॉबेरी और कई अन्य फसलें। आज यहां जड़ी-बूटियां, फलदार पेड़, सलाद और कई मौसमी सब्जियां आम जगहों पर नजर आती हैं।

हर तरफ उगी है फ्री की सब्जियां, घूमते-घूमते तोड़ ले जाते हैं लोग

हो रही है तारीफ

इस प्रोजेक्ट के पीछे लुट्ज कोसैक जैसे विशेषज्ञों का योगदान रहा। उन्होंने सोचा कि शहर की जमीन सिर्फ घास और फूलों के लिए क्यों हो? अगर वहां सब्जियां उगाई जाएं तो लोग मौसम, खेती और खाने के बारे में सीखेंगे। साथ ही शहर की देखभाल का खर्च भी कम होगा, क्योंकि स्थायी पौधे बार-बार बदलने की जरूरत नहीं रखते। शहर ने बेरोजगार लोगों को भी इस काम में शामिल किया। वे बगीचों की देखभाल करते हैं और समाज से जुड़ते हैं। अब एंडेरनाच में ना सिर्फ सब्जियां बल्कि फल के पेड़ भी हैं– सेब, नाशपाती, अंजीर, बादाम और कई दुर्लभ किस्में. कुछ जगहों पर मुर्गियां और भेड़ें भी नजर आती हैं जो शहर को और जीवंत बनाती हैं। मधुमक्खियां फूलों पर मंडराती हैं। स्कूलों में गार्डन बनाए गए हैं ताकि बच्चे छोटी उम्र से ही खेती सीखें। ये मॉडल सिर्फ खाने का नहीं, शिक्षा और समुदाय का भी है। लोग एक-दूसरे से मिलते हैं, बागवानी के टिप्स शेयर करते हैं और शहर को अपना मानते हैं। 'तोड़ने की अनुमति' का साइन देखकर पहले लोग हैरान होते थे, लेकिन अब ये आम बात हो गई है। कोई भी जरूरत से ज्यादा नहीं तोड़ता, क्योंकि सब समझते हैं कि ये सामूहिक संसाधन है।

मिलती है मुफ्त की सब्जियां

एंडेरनाच राइन नदी के किनारे बसा करीब 30 हजार की आबादी वाला शहर है। यहां की नगरपालिका ने फैसला लिया कि सार्वजनिक जगहों को सिर्फ देखने के लिए नहीं, बल्कि इस्तेमाल करने के लिए विकसित किया जाए। पुराने किले की खाई, शहर की दीवारें, गोल चक्कर और पार्क– सब जगह खाने लायक पौधे लगा दिए गए। लोग घूमते-घूमते ताजा टमाटर, आलू, प्याज या हरी सब्जियां तोड़ ले जाते हैं। बच्चे स्कूल से लौटते समय सलाद की पत्तियां चुनते हैं। पर्यटक भी हैरान होकर तस्वीरें खींचते हैं और कुछ सब्जियां साथ ले जाते हैं।

रोचक खबरें

बादलों के बीच बसा है सबसे दुखी शहर 30000 लोग जी रहे घुट-घुट कर जिंदगी

लीमा। दक्षिण अमेरिकी देश पेरू में एंडीज पर्वतों की खतरनाक ऊंचाइयों पर बसा ला रिनकोनाडा शहर दुनिया का सबसे ऊंचा इंसानी ठिकाना माना जाता है। समुद्र तल से लगभग 5,100 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह शहर बादलों के बीच बसा हुआ है। भूमध्य रेखा के करीब होने के बावजूद ज्यादा ऊंचाई के कारण यहां का औसत वार्षिक तापमान केवल 1.2 डिग्री सेल्सियस रहता है। यहां की रातें हड्डियों को जमा देने वाली ठंड से भरी होती हैं। एक वक्त में केवल सोने की खदान का छोटा सा कैंप रहने वाली यह जगह आज 30,000 से अधिक आबादी का घर बन चुकी है, लेकिन इसे दुनिया का सबसे गरीब, दुखी और जहरीला शहर कहा जाए तो गलत नहीं होगा। इतना ही नहीं, इसे दुनिया का सबसे दुखी शहर भी माना जाता है, जहां लोग तमाम मुश्किल हालातों के बीच बिना सैलरी के काम करते हैं और घुट-घुटकर जीने को मजबूर हैं। बता दें कि ला रिनकोनाडा को कागजों पर शहर जरूर कहा जाता है, लेकिन हकीकत में यहां जिंदगी किसी नर्क से कम नहीं है। इस शहर में न तो पक्की सड़कें हैं, न कोई सीवेज सिस्टम है और न ही पीने के पानी का कोई पाइपलाइन नेटवर्क. लोग टीन की चादरों से बने बिना किसी इंसुलेशन वाले ढहते घरों में रहने को मजबूर हैं। यहां सोने को शुद्ध करने के लिए भारी मात्रा में पारे का उपयोग किया जाता है, जिसकी वजह से यहां की जमीन, हवा, पानी और बर्फ सब जहरीले हो चुके हैं। इस शहर पर न तो किसी सरकार का नियंत्रण है और न ही कोई कानून-व्यवस्था काम करती है। इस शहर की सबसे हैरान करने वाली बात यहां की खदानों में काम करने वाले मजदूरों का शोषण है।

क्या है लंबी उम्र का राज, 106 साल की महिला ने बताया सीक्रेट

लंदन। आज के समय में कम उम्र में ही लोगों को कई तरह की बीमारियां होने लगी हैं। तनाव, गलत खान-पान और भागदौड़ भरी जिंदगी ने सेहत पर असर डालना शुरू कर दिया है। ऐसे में 106 साल जी चुकी एडिथ हिल ने अपनी लंबी उम्र का राज शेयर किया है। एडिथ के मुताबिक उन्होंने जिंदगी में खूब पार्टी की और जमकर चॉकलेट खाई. यही उनकी लंबी और स्वस्थ जिंदगी का सीक्रेट है। एडिथ हिल ब्रिटेन की रहने वाली हैं और उनका जन्म 1919 में हुआ था। वे आज भी स्वस्थ हैं और अपना जीवन स्वतंत्र रूप से जी रही हैं। जब उनसे पूछा गया कि इतनी लंबी उम्र कैसे हासिल की तो उनका जवाब बेहद सरल और दिलचस्प था। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र रहना, खूब चॉकलेट खाना और जीवन में जश्न मनाने का समय निकालना उनकी आदतें हैं जिन्होंने उन्हें एक सदी से ज्यादा का सफर तय करने में मदद की। एडिथ ने इतिहास की कई बड़ी घटनाओं को अपनी आंखों से देखा है। दोनों विश्व युद्ध उनके जीवनकाल में हुए. इतने उतार-चढ़ाव के बावजूद वे मानती हैं कि जीवन का आनंद लेना लंबी उम्र की सबसे बड़ी कुंजी है। उनका यह संदेश सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है। लोग कह रहे हैं कि कभी-कभी सबसे अच्छे सबक जटिल दिनचर्या से नहीं बल्कि रोजमर्रा के छोटे-छोटे सुखों से मिलते हैं। एडिथ की सलाह में तीन मुख्य बातें हैं। पहली है स्वतंत्र रहन. वे आज भी अपनी कई जिम्मेदारियां खुद संभालती हैं।

अबू-तरतूर पठार पर मिली शार्क की कब्रगाह

मिस्र में आज जहां रेगिस्तान वहां करोड़ों साल पहले था समुद्र

नई दिल्ली। मिस्र के सूखे रेगिस्तान में वैज्ञानिकों ने एक हैरान करने वाली खोज की है। इजिप्ट के अबू-तरतूर पठार पर एक प्राचीन शार्क कब्रिस्तान मिला है। यह जगह आज भले ही सूखी और बंजर है। लेकिन, करोड़ों साल पहले यहां एक विशाल और गहरा समुद्र हुआ करता था। क्रेटेशियस काल में अफ्रीकी महाद्वीप का उत्तरी हिस्सा पूरी तरह से पानी में डूबा हुआ था। अब उसी प्राचीन समुद्र के तल में दफन शार्क के अनगिनत दांत मिले हैं। पैलियोन्टोलॉजिस्ट्स को खुदाई के दौरान शार्क की कम से कम सात अलग-अलग प्रजातियों के दांत मिले हैं। यह खोज इस बात का सबूत है कि प्राचीन समय में यहां मछलियों का एक बड़ा इकोसिस्टम मौजूद था। काहिरा यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने इस इलाके में खुदाई करके कई अहम राज खोले हैं। ये शार्क जीवाश्म बताते हैं कि कभी यह रेगिस्तान खूंखार शिकारियों का घर हुआ करता था।

रेगिस्तान की रेत में कैसे मिले विशाल समुद्र के सबूत?

हमारी पृथ्वी आज जैसी दिखती है वैसी करोड़ों साल पहले नहीं थी। क्रेटेशियस काल के दौरान हमारी धरती का माहौल बहुत अलग था। करीब 145 से 66 मिलियन साल पहले धरती का तापमान काफी ज्यादा था। उस समय ध्रुवों पर बर्फ नाम मात्र की भी नहीं थी। इसके कारण समुद्र का जलस्तर आज के मुकाबले बहुत ज्यादा था। आज हम जिस जमीन पर रहते हैं उसका बड़ा हिस्सा पानी के नीचे था। इसमें उत्तरी अफ्रीका का बड़ा इलाका भी शामिल है। टेक्टोनिक प्लेट्स की गतिविधियों के कारण यहां एक बड़ा समुद्र बन गया था। अबू-तरतूर पठार उसी प्राचीन समुद्र का एक हिस्सा था। आज यह जगह भले ही रेगिस्तान में बदल चुकी है। लेकिन, चट्टानों में दबे जीवाश्म अपने अंदर उस समय का पूरा इतिहास समेटे हुए हैं।

किस तरह के खूंखार शिकारी इस समुद्र में राज करते थे?

एक दांत का आकार करमबिट चाकू की तरह घुमावदार था। दुनिया भर के जीवाश्म रिकॉर्ड के आधार पर इनकी पहचान की गई है। वैज्ञानिकों ने इन दांतों को पांच विलुप्त प्रजातियों का बताया है। इनमें क्रेटालम्ना सीएफ मैरोकाना और स्कैपानोरिन्चस सीएफ रैफियोडोन शामिल हैं। इसके अलावा सेराटोलम्ना सीएफ सेराटा और स्क्वैलिकोरैक्स की दो प्रजातियां भी मिली हैं। ये सभी पांचों प्रजातियां अबू-तरतूर के लिए बिल्कुल नए रिकॉर्ड हैं। इनमें से दो प्रजातियां तो पूरे इजिप्ट के लिए नई हैं। सुई जैसे दांतों वाली शार्क का मिलना सबसे ज्यादा हैरान करने वाला था। अफ्रीका में इस प्रजाति का यह पहला ज्ञात जीवाश्म हो सकता है। यह खोज वहां शार्क की कई प्रजातियों की मौजूदगी को साबित करती है। उस समय अलग-अलग तरह के खतरनाक शिकारी उस पानी में राज करते थे।

दांतों ने वैज्ञानिकों को क्या नई जानकारी दी?

इस सूखी जमीन में फास्फेट के बड़े भंडार मौजूद हैं। फास्फेट वहां ज्यादा पाया जाता है जहां समुद्री जीवन बहुत सक्रिय होता है। डुवी फॉर्मेशन का फास्फेट भंडार प्राचीन समुद्र का एक बड़ा अवशेष है। यह उस समय के समुद्री पानी के बेहद उपजाऊ होने का पक्का सबूत भी देता है। काहिरा यूनिवर्सिटी के रिसर्चर तारेक यासीन की टीम ने यहां बड़ी खोज की है। 'क्रेटेशियस रिसर्च' में पब्लिश एक पेपर में उन्होंने इस बारे में विस्तार से बताया है। पिछली रिसर्च में यासीन और उनके साथियों को शार्क की दो प्रजातियों के दांत मिले थे। यह एक बड़ा संकेत था कि उस समय समुद्र में कई बड़े शिकारी मौजूद थे। इसके बाद उन्होंने अबू-तरतूर में और ज्यादा गहराई से रिसर्च करने का फैसला किया।

14 दांत पांच प्रजातियों के थे : रिसर्चर्स की टीम जब अबू-तरतूर वापस लौटी तो उन्हें बड़ी सफलता मिली। डुवी फास्फेट की काली और पीली परतों ने कई राज उगल दिए। उन्हें खुदाई में शार्क के 14 और दांत मिले। ये दांत शार्क की पांच नई प्रजातियों के थे। ये सभी प्रजातियां अबू-तरतूर में पहले कभी नहीं खोजी गई थीं। प्राचीन शार्क की पहचान करना काफी मुश्किल काम होता है। अक्सर वैज्ञानिकों के पास सबूत के तौर पर सिर्फ उनके दांत ही होते हैं। दांतों की बनावट में मामूली अंतर ही उनकी प्रजाति तय करता है। लेकिन, डुवी से मिले दांतों में यह अंतर काफी साफ और स्पष्ट था।

शार्क को लेकर और क्या खुलासे किए?

शार्क के दांतों का यह जीवाश्म इतिहास की एक बहुत बड़ी पहेली सुलझाता है। रिसर्च के अनुसार लैम्निफॉर्म शार्क जैसे क्रेटालम्ना बहुत गहरे पानी में रहती थीं। उनकी मौजूदगी वहां एक स्थिर और शांत वातावरण का इशारा करती है। वहां पानी के नीचे कई बड़े बदलाव लगातार होते रहते थे। समुद्र की गहराई से पोषक तत्वों का ऊपर आना एक बड़ी घटना थी। इसी वजह से वहां मछलियों को खाने के लिए भरपूर भोजन मिलता था। इस पूरे समुद्री इलाके को शार्क बिजनेस का एक बड़ा केंद्र माना जा सकता है। इस नई रिसर्च ने वैज्ञानिकों को पुराने डेटा को भी फिर से देखने पर मजबूर किया है।

क्या ये सभी शार्क एक ही समय में इस कब्रगाह में मरी थीं : शार्क का यह कब्रिस्तान कई मायनों में बहुत दिलचस्प है। जिस समय ये शार्क यहां रहती थीं तब वहां बहुत कम तलछट जमा होता था। इसलिए यह फास्फेट बेड एक लंबे समय को बहुत छोटी परत में दिखाता है। इस कब्रिस्तान में मिली सभी शार्क एक ही दिन में नहीं मरी थीं। असल में यह अलग-अलग समय में मरे हुए जीवों का एक बड़ा जमावड़ा है। यह बताता है कि उत्तरी अफ्रीका के किनारे पर ऐसे इकोसिस्टम बहुत आम थे। मोरक्को और सीरिया के फास्फेट भंडार भी इसी बात का इशारा करते हैं। आज उस शार्क स्वर्ग का कुछ भी बाकी नहीं बचा है। टेथिस सागर गायब हो चुका है और समुद्र तल रेगिस्तान बन गया है। लेकिन, चट्टान में फंसे शार्क के ये दांत हमें एक पूरी खोई हुई दुनिया की कहानी सुनाते हैं।

सबसे सुनसान जगह जिसके चारों तरफ है पानी ही पानी

न्यूयार्कर। धरती पर ऐसी कई जगहें हैं, जिनके बारे में सुनकर पहली बार यकीन करना मुश्किल हो जाता है। कहीं बर्फ से ढकी चोटियां हैं तो कहीं हजारों किलोमीटर तक फैला रेगिस्तान। दक्षिण प्रशांत महासागर में मौजूद पॉइंट नीमो कुछ ऐसी ही जगह है। इसे धरती का सबसे दूर और सुनसान समुद्री इलाका कहा जाता है। पॉइंट नीमो दक्षिण प्रशांत महासागर के बीच स्थित एक ऐसा स्थान है, जो जमीन के किसी भी बड़े हिस्से से बेहद दूर है। इसके आसपास कई हजार किलोमीटर तक कोई बड़ा शहर या आबादी यानी लोग नहीं रहते हैं। सबसे नजदीकी जमीन भी करीब 2,600 किलोमीटर दूर बताई जाती है। यही वजह है कि पॉइंट नीमो को अक्सर धरती का सबसे सुनसान स्थान कहा जाता है। यहां न कोई सड़क है, न कोई गांव और न ही लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी। समुद्र के बीच मौजूद इस जगह तक पहुंचना भी बिल्कुल भी आसान नहीं है।

जहाज भी बहुत कम दिखाई देते हैं

पॉइंट नीमो की दूरी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यहां से गुजरने वाले जहाजों की संख्या भी बहुत कम रहती है। इसके आसपास कोई बड़ा बंदरगाह नहीं है और न ही यह किसी व्यस्त समुद्री रास्ते के बीच आता है। दूर-दूर तक सिर्फ समुद्र दिखाई देता है। यही अलगाव इस जगह को दुनिया के दूसरे समुद्री इलाकों से खास बनाता है। यहां इंसानी गतिविधियां इतनी कम हैं कि अगर कोई व्यक्ति इस इलाके में मौजूद हो, तो उसके आसपास लंबे समय तक किसी दूसरे इंसान के आने की संभावना बहुत कम होगी।

अंतरिक्ष यानों का बना कब्रिस्तान : पॉइंट नीमो की सबसे दिलचस्प पहचान सिर्फ इसका सुनसान होना नहीं है। इस जगह का संबंध अंतरिक्ष अभियानों से भी है। जब पुराने रॉकेट, सैटेलाइट या बड़े अंतरिक्ष यान अपना काम पूरा कर लेते हैं।

90 मिनट में मिला राजा-महाराजाओं का गुप्त खजाना!

लंदन। ब्रिटेन में आर्किओलॉजी की पढ़ाई कर रही 20 साल की एक अमेरिकी स्टूडेंट की किस्मत ऐसी चमकी कि हर कोई हैरान रह गया। न्यूकैसल यूनिवर्सिटी में अंडरग्रेजुएट की पढ़ाई कर रही यारा सूजा ने जब अपनी जिंदगी की पहली खुदाई शुरू की, तो महज 90 मिनट यानी डेढ़ घंटे के भीतर ही उनके हाथ 1,200 साल पुराना सोने का एक नायाब टुकड़ा लग गया। 9वीं सदी की यह कलाकृति ब्रिटेन के मध्यकालीन इतिहास को लेकर कई नए और बड़े सवाल खड़े कर रही है।

अमेरिका के फ्लोरिडा की रहने वाली 20 वर्षीय यारा सूजा इंग्लैंड की न्यूकैसल यूनिवर्सिटी में पुरातत्वशास्त्र की छात्रा हैं। वे अपने साथियों के साथ उत्तरी इंग्लैंड के नॉर्थम्बरलैंड नेशनल पार्क में स्थित रेड्सडेल घाटी में खुदाई कर रही थीं। अपनी पहली व्यावहारिक खुदाई शुरू करने के केवल डेढ़ घंटे बाद ही उन्हें जमीन में दबी एक अनोखी चीज दिखाई दी।

1.5 इंच की सोने की कलाकृति की खासियत : यूनिवर्सिटी द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, यह कलाकृति आकार में महज 1.5 इंच की है। इसके एक सिरे पर बेहद खूबसूरत नक्काशीदार सजावटी हिस्सा बना हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह शुरुआती मध्यकालीन ब्रिटेन के समय की है। इस छोटे से सोने के टुकड़े को किसी धार्मिक या राजकीय समारोह के दौरान इस्तेमाल किया जाता रहा होगा।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, : RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail :